केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
16 वर्षों से निरंतर....
Website:- www.malwaherald.com
RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

मालवा हेराल्ड

सुविचार

व्यक्ति क्या है.. ये महत्वपूर्ण नहीं है, परन्तु व्यक्ति में क्या है..? ये बहुत महत्वपूर्ण है...!

वर्ष : 16 अंक : 253 | उज्जैन, रविवार 22 फरवरी 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य-1 रुपए

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सेवढ़ा में दी दतिया जिलेवासियों को 529 करोड़ रूपए से अधिक के 71 विकास कार्यों की सौगात

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि दतिया वीरता और भक्ति का अद्भुत संगम है। यहां आस्था और प्रगति का उत्कृष्ट संगम है। हमारी सरकार दतिया के पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए सभी आवश्यक कदम उठा रही है। विगत वर्ष बुंदेला काल के दतिया महल और गुज्जरा लघु शिलालेख को यूनेस्को की टेंटेटिव सूची में स्थान मिल गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि दतिया जिले की विकास यात्रा अब रूकने वाली नहीं है। आज दतिया विकास, नवाचार, महिला सशक्तिकरण और किसान समृद्धि का एक रोल मॉडल बन गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि दतिया में एयरपोर्ट के शुभारंभ के साथ दतिया से भोपाल फ्लाईट भी शुरू हो गई है। खजुराहो से नई दिल्ली तक वंदे भारत ट्रेन के जरिए दिल्ली अब दतिया से चंद घंटों की दूरी पर आ गया है। उन्होंने कहा कि दतिया में मां पीताम्बरा लोक का निर्माण तेजी से प्रगति पर है। इससे जिले के पर्यटन को नए पंख लगेंगे और दतिया को एक नई धार्मिक एवं आध्यात्मिक पहचान भी मिलेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को दतिया जिले के सेवढ़ा तहसील मुख्यालय में 529 करोड़ लागत के 71 विभिन्न विकास कार्यों के लोकार्पण एवं भूमि-पूजन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने घोषणा करते हुए कहा कि करीब सवा 2 हजार करोड़ रूपए की लागत वाली रतनगढ़ सिंचाई परियोजना से इस क्षेत्र के 40 हजार से अधिक किसानों को सिंचाई सुविधा का लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि दतिया जिले के नशामुक्ति कार्यक्रम को राष्ट्रीय स्तर पर सराहना मिली है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस पुनीत कार्य के लिए जिलेवासियों को बधाई दी।

केन-बेतवा राष्ट्रीय नदी जोड़ो परियोजना का दतिया के किसानों को मिलेगा - मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कभी पेयजल संकट से जूझने वाला दतिया में आज हर घर में नल से जल पहुंच रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन-बेतवा राष्ट्रीय नदी जोड़ो परियोजना पर काम चल रहा है। इसका भरपूर लाभ दतिया जिले के किसानों को भी मिलेगा। अब किसानों को सिंचाई के लिए पानी की चिंता करने की जरूरत नहीं है। दतिया जिले में 1.48 लाख हैक्टेयर से अधिक भू-रकबे में सिंचाई सुविधा का विस्तार होने से यहां कृषि उत्पादन में तेजी से वृद्धि हुई है। विगत दो सालों में यहां 7 लघु सिंचाई परियोजनाओं का निर्माण हुआ है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि का लाभ जिले के 1.37 लाख से अधिक किसानों को मिल रहा है। फसल बीमा योजना यहां के 1.26 लाख से अधिक किसानों का सुरक्षा कवच बनी है।

पशुपालन और दुग्ध उत्पादन बढ़ाना हमारा लक्ष्य - मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के मार्गदर्शन में राज्य सरकार किसानों की समृद्धि और सम्मान के लिए दृढ़-संकल्पित है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने किसान भाइयों के खाते में सम्मान निधि भेजने की शुरुआत की है। हमारे लिए सीमा पर जवान और खेतों में किसान, दोनों बराबर हैं। दोनों समाज की सेवा के लिए सदैव तत्पर रहकर हर मौसम में काम करते हैं। प्रदेश में वर्ष 2026 को किसान कल्याण वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। मध्यप्रदेश में किसानों को पर्याप्त बिजली और सिंचाई की सुविधा मिल रही है। किसानों को सोलर पंप देकर बिजली उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2003 तक प्रदेश में सिंचित रकबा मात्र 7 लाख हैक्टेयर था जो हमारी सरकार आने पर बढ़कर 44 लाख हैक्टेयर हुआ और पिछले डेढ़-दो साल में यह बढ़कर 55 लाख हेक्टेयर से अधिक हो चुका है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसानों की समृद्धि के लिए प्रदेश में सिंचाई का रकबा बढ़ाने के साथ पशुपालन और दुग्ध उत्पादन को भी प्रोत्साहित किया जा रहा है। शासकीय गौ-शालाओं के लिए प्रति गाय अनुदान 20 रुपए से बढ़ाकर 40 रुपए कर दिया है। पात्र हितग्राहियों को डॉ. भीमराव अंबेडकर कामधेनु योजना में 25 गाय पालने पर 10 लाख रुपए तक अनुदान दिया जा रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि दतिया जिले में पीताम्बरा माई का पुण्य प्रताप भी है और रतनगढ़ वाली मैया का आशीर्वाद भी। उनाव वाले बालाजी महाराज की कृपा इस धरती पर हमेशा बरसती है। दतिया को द ग्रेट गामा पहलवान और शहीद चंद्रशेखर आजाद की कर्मस्थली होने का गौरव भी प्राप्त है। उन्होंने कहा कि हम दतिया को विकास का केन्द्र बनाकर रहेंगे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने हितग्राहियों को लाड़ली लक्ष्मी योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना और प्रधानमंत्री मातृवंदना योजना के हितलाभ भी वितरित किए।

लोकार्पण एवं भूमि-पूजन- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दतिया जिले के लिए कुल 529 करोड़ रूपए के 71 विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमि-पूजन किया। इसमें 299 करोड़ 32 लाख रूपए की लागत से 50 विकास कार्यों का लोकार्पण तथा 230 करोड़ 44 लाख रूपए की लागत से 21 नए विकास कार्यों का भूमि-पूजन शामिल है।

न्यूज ब्रीफ

कश्मीर घाटी में बीते चार दिनों में आइईडी के जरिए किसी बड़े हमले का चौथा प्रयास विफल, सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट

नई दिल्ली/ जीएनएस। सुरक्षाबलों ने को गांदरबल जिले में शनिवार को एक आइइडी को समय रहते नष्ट कर, एक आतंकी षडयंत्र को नाकाम बना दिया। बीते चार दिनों में कश्मीर घाटी में आइईडी के जरिए किसी बड़े हमले का यह आतंकियों का चौथा प्रयास था, जिसे सुरक्षाबलों ने विफल किया है। आतंकियों द्वारा आइइडी लगाए जाने की घटनाओं में बढ़ौत्तरी का संज्ञान लेते हुए पुलिस व अन्य सुरक्षा एजेंसियों ने वादी में सभी मार्गों की निगरानी बढ़ाने के साथ ही लोगों को सूचित किया है कि वह किसी भी संदिग्ध और लावारिस वस्तु को छूने के बजाय उसके बारे में तत्काल निकटवर्ती पुलिस चौकी को सूचित करें। यहां मिली जानकारी के अनुसार, जिला गांदरबल के सफापोरा इलाके में आज सुबह सेना की एक रोड ओपनिंग पार्टी सड़क की जांच कर रही थी। सफापोरा में कोहिस्तान कालोनी के पास शेख मोहल्ला में सड़क किनारे सेना के जवानों को एक संदिग्ध बैग नजर आया। उन्होंने अपने उपकरणों के साथ जब उसकी जांच की तो उसमें आइईडी की पुष्टि हुई। जवानों ने उसी समय सड़क को आम लोगों की आवाजाही के लिए बंद करते हुए बम निरोधक दस्ते को सूचित किया। बम निरोधक दस्ते ने मौके पर पहुंच आइइडी का मुआयना किया और उसे सुरक्षित विस्फोट के जरिए मौके पर ही नष्ट करने फैसला लिया। बम निरोधक दस्ते ने उसे नियंत्रित विस्फोट के जरिए नष्ट कर दिया। इसके बाद ही सड़क को वाहनों की आवाजाही के खोला गया। यहां यह बताना असंगत नहीं होगा कि गत 18 फरवरी बुधवार को आतंकियों ने श्रीनगर-बारामुला राष्ट्रीय राजमार्ग पर नारबल के निकट आइइडी लगाई थी जिसे सुरक्षाबलों ने चिह्नित कर नष्ट किया था। इसके बाद गत 20 फरवरी शुक्रवार की तड़के भी सुरक्षाबलों ने बारामुला के जांबाजपोरा में सड़क के किनारे आतंकियों द्वारा लगाई गई आइइडी को समय रहते बरामद कर नष्ट किया। संबधित अधिकारियों ने बताया कि पूरी घाटी में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है।

जेपीएससी सिविल सेवा परीक्षाः अधिकतम आयु सीमा अब 1 अगस्त 2022 से गिनी जाएगी

नई दिल्ली/ जीएनएस। झारखंड लोक सेवा आयोग की सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी कर रहे उन अभ्यर्थियों के लिए अच्छी खबर है, जो अधिक आयु होने के कारण इस परीक्षा में सम्मिलित होने से वंचित हो रहे थे। अब इस परीक्षा में अधिकतम आयु सीमा की गणना एक अगस्त 2022 से की जाएगी। सीएम हेमंत सोरेन ने शनिवार को भोजनावकाश से ठीक पहले इसकी जानकारी सदन में दी। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने आयु सीमा में आयु सीमा का कट आफ ईयर वर्ष 2026 की जगह 2022 करने का निर्णय किया है। इस घोषणा पर सदन में मौजूद विधायकों ने मेज थपथपा कर सरकार के इस निर्णय का स्वागत किया। इससे पहले सदन में अधिकतम आयु सीमा में छूट देने की मांग की जा रही थी। सत्ता पक्ष एवं विपक्ष दोनों के कई विधायकों का कहना था कि चूंकि पिछली परीक्षा में आयु सीमा में छूट देते हुए अधिकतम आयु सीमा की गणना एक अगस्त 2017 से की गई थी। हालांकि विधायक अधिकतम आयु सीमा की गणना एक अगस्त 2018 से करने की मांग कर रहे थे। बताते चलें कि आयोग द्वारा जारी विज्ञापन में इस परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए अधिकतम एवं न्यूनतम आयु सीमा की गणना एक अगस्त 2026 से किए जाने का प्रविधान किया गया है। अधिकतम आयु सीमा की गणना में छूट देने से एक बार फिर इस परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ सकती है। संशोधित कार्यक्रम के तहत ऑनलाइन आवेदन की तिथि 20 फरवरी तथा परीक्षा शुल्क भुगतान की अंतिम तिथि 21 फरवरी शाम पांच बजे तक बढ़ाई गई थी। इस तरह, ऑनलाइन आवेदन की तिथि समाप्त हो चुकी थी। इससे पहले आनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 14 फरवरी निर्धारित थी।

वैलेंटाइन वीक में ब्लिंकिट बना हथियार, कैसे दिल्ली पुलिस के हत्थे चढ़ा बड़ा गिरोह?

नई दिल्ली/ जीएनएस। सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट के छ्वक्चत्र रोड थाने की पुलिस टीम ने मोबाइल फोन छीनने वाले एक गैंग का भंडाफोड़ किया है और तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिसमें रिसीवर को मोबाइल फोन बेचने वाला बिचौलिया भी शामिल है। दिलचस्प बात यह है कि पुलिस ने आरोपियों को ब्लिंकिट डिलीवरी ट्रैकिंग ऑपरेशन के जरिए ट्रैक किया।

स्नैचरों की पहचान वजीराबाद के मोहम्मद फैजान, नमीर उर्फ नमीरुद्दीन और रिसीवर मोहम्मद समीर के तौर पर हुई है। उनके पास से चोरी के तीन मोबाइल फोन और क्राइम में इस्तेमाल किया गया स्कूटर बरामद किया गया है।

सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट के डिप्टी कमिश्नर अनंत मित्तल के मुताबिक, 9 फरवरी को DBG रोड थाने में मोबाइल फोन छीनने की शिकायत दर्ज कराई गई थी। शिकायत करने वाले, जो एक प्राइवेट फर्म में कंसल्टेंट के तौर पर काम करते हैं, ने बताया कि उनकी बेटी अमरालीज के गेट नंबर 2 के बाहर उबर कैब बुक करने के लिए खड़ी थी, तभी स्कूटर पर सवार दो बदमाशों ने उसका आईफोन छीन लिया और भाग गए।

कर्नाटक में 5 लाख रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़े गए भाजपा विधायक, पुलिस ने ऐसे बनाया था प्लान

नई दिल्ली/ जीएनएस। कर्नाटक के शिरहट्टी विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक चंद्रू लमानी को कर्नाटक लोकायुक्त ने गिरफ्तार किया है। उन पर आरोप है कि वे 5 लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़े गए।

अधिकारियों ने बताया कि लमानी को पकड़ने के लिए एक जाल बिछाया था, फिर पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया और उसके बाद उन्हें औपचारिक रूप से गिरफ्तार कर लिया गया। इस मामले में उनके दो पर्सनल असिस्टेंट को भी हिरासत में लिया गया है।

किस मामले में ली रिश्वत- लोकायुक्त अधिकारियों के अनुसार, यह रिश्वत कथित तौर पर गडग जिले में छोटे सिंचाई विभाग के एक प्रोजेक्ट से जुड़ी मंजूरी दिलाने के लिए मांगी गई थी। इस काम के तहत सड़क के दोनों तरफ एक रिटेनिंग वॉल (सहायक दीवार) बनाना था।

कर्नाटक लोकायुक्त पुलिस ने बिछाया जाल- शिकायत करने वाले गडग के क्लास-1 कॉन्ट्रैक्टर विजय पुजार से जब कथित तौर पर प्रोजेक्ट के लिए मंजूरी लेने के लिए 11 लाख रुपये रिश्वत की मांग की गई, जिसके बाद उन्होंने एंटी-करप्शन अधिकारियों से संपर्क किया।

फिर शिकायत की पुष्टि करने के बाद लोकायुक्त पुलिस ने शनिवार को जाल बिछाया। ऑपरेशन के दौरान लमानी को कथित तौर पर मांगी गई रकम का हिस्सा 5 लाख रुपये लेते हुए पकड़ा गया। यह कार्रवाई लोकायुक्त पुलिस की एक टीम ने सीनियर अधिकारियों की देखरेख में की।

बच्चों से कुकर्म के आरोप में स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद पर दर्ज होगा केस

प्रयागराज/ जीएनएस। माघ मेले में मौनी अमावस्या पर हुई घटना के बाद चर्चा में आए स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सहित अन्य के खिलाफ अब बच्चों से कुकर्म के आरोप में मुकदमा दर्ज होगा। शनिवार को मामले की सुनवाई करते हुए जिला अदालत के पॉक्सो कोर्ट के विशेष न्यायाधीश विनोद कुमार चौरसिया ने झूंसी पुलिस को अभियोग पंजीकृत कर विवेचना करने के आदेश दिए। अदालत ने कहा कि विवेचना निष्पक्ष, स्वतंत्र और शीघ्र की जाए। इस दौरान पीड़ितों की पहचान और गरिमा की रक्षा संबंधी उपबंधों का पालन किया जाए। बताया गया है कि शाकुंभरी पीठाधीश्वर आशुतोष ब्रम्हचारी की ओर से बीते माह न्यायालय में अर्जी दी गई थी। इसमें उन्होंने स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद और उनके शिष्य मुकुदानंद सहित अन्य पर माघ मेले के दौरान नाबालिग लड़कों से कुकर्म करने का आरोप लगाए थे। अदालत में पीड़ित बच्चों को पेश करके उनका बयान भी दर्ज कराया गया था। तब कोर्ट ने पुलिस कमिश्नर से मामले की जांच करके आख्या मांगी गई।

अब टोल प्लाजा पर कैश का चलन खत्म- 1 अप्रैल से फास्टैग-UPI से होगा पेमेंट

नई दिल्ली/ जीएनएस। नेशनल हाइवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) एक अप्रैल से राष्ट्रीय राजमार्गों के टोल प्लाजा पर नकद भुगतान की व्यवस्था समाप्त करने की तैयारी में है। अथॉरिटी के प्रस्ताव के अनुसार टोल शुल्क का संग्रह पूरी तरह डिजिटल माध्यम से किया जाएगा और भुगतान केवल फास्टैग तथा यूपीआई के जरिए ही संभव होगा।

प्रस्ताव लागू होने पर देशभर के लगभग 1150 टोल प्लाजा पर नकद लेनदेन बंद हो सकता है। एनएचएआई का कहना है कि इलेक्ट्रानिक टोल संग्रह (ईटीसी) प्रणाली को और मजबूत करने, लेन संचालन की दक्षता बढ़ाने तथा टोल प्लाजा पर भीड़ कम करने के उद्देश्य से यह कदम उठाया जा रहा है।

डिजिटल भुगतान से लेन-देन में पारदर्शिता बढ़ेगी, समय की बचत होगी और लंबी कतारों की समस्या में कमी आएगी।पिछले कुछ वर्षों में फास्टैग प्रणाली के व्यापक उपयोग से टोल वसूली की प्रक्रिया में बड़ा बदलाव आया है। अथॉरिटी के आंकड़ों के अनुसार वर्तमान में 98 प्रतिशत से अधिक टोल लेनदेन फास्टैग के माध्यम से हो रहे हैं।

हो सकेगा डिजिटल भुगतान- रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन (आरएफआईडी) आधारित यह प्रणाली वाहनों को बिना रुके टोल पार करने की सुविधा देती है, जिससे ईंधन की बचत और प्रदूषण में भी कमी आती है। इसके साथ ही राष्ट्रीय राजमार्गों के टोल प्लाजा पर यूपीआई आधारित भुगतान की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है, ताकि जिन वाहनों में फास्टैग नहीं है वे भी डिजिटल माध्यम से भुगतान कर सकें।

सरकार डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने और नकदी पर निर्भरता कम करने की व्यापक नीति के तहत इस व्यवस्था को आगे बढ़ा रही है।

नकद भुगतान पर अभी दोगुना चार्ज

राष्ट्रीय राजमार्ग शुल्क नियमों के तहत बिना सक्रिय फास्टैग के नकद भुगतान करने वाले वाहनों से दोगुना यूजर शुल्क वसूला जाता है।

वहीं यूपीआई के माध्यम से भुगतान करने पर वास्तविक शुल्क का 1.25 गुना लिया जाता है। एनएचएआई का मानना है कि पूर्ण डिजिटलीकरण से टोल प्रणाली अधिक विश्वसनीय, पारदर्शी और यात्री-अनुकूल बनेगी।

अभी नहीं तो कभी नहीं, ठोस कचरा प्रबंधन पर सुप्रीम कोर्ट सख्त; 1 अप्रैल से नए नियम होंगे लागू

नई दिल्ली/ जीएनएस। सुप्रीम कोर्ट ने देश भर में ठोस कचरा प्रबंधन नियमों के असमान पालन पर गहरी चिंता व्यक्त की है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि वर्तमान पीढ़ी मौजूदा कार्यान्वयन कमियों के बने रहने के दौरान और अधिक विधायी सुधारों का इंतजार नहीं कर सकती।

जस्टिस पंकज मित्तल और जस्टिस एसवी भट्टी की पीठ ने कहा कि स्वच्छ और स्वस्थ पर्यावरण का अधिकार जीवन के अधिकार का एक अविभाज्य हिस्सा है। कोर्ट ने एक अप्रैल, 2026 से प्रभावी होने वाले ठोस कचरा प्रबंधन नियम, 2026 के प्रवर्तन के लिए अखिल भारतीय स्तर पर कई निर्देश जारी किए हैं।

पीठ ने चेतावनी दी कि कचरे की उपेक्षा स्वास्थ्य और अर्थव्यवस्था दोनों को प्रभावित करेगी। कोर्ट ने ठोस कचरा प्रबंधन नियम, 2016 के तहत भोपाल नगर निगम द्वारा पर्यावरण अनुपालन से संबंधित दो अलग-अलग राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण (एनजीटी) के आदेशों से उत्पन्न दो अपीलों पर सुनवाई करते हुए यह आदेश पारित किया।

जन प्रतिनिधियों, जिला कलेक्टरों की बढ़ी जिम्मेदारी कोर्ट ने कहा, यह अभी नहीं तो कभी नहीं की स्थिति है।

मेरठ मेट्रो में इन 19 लोगों के साथ सफर करेंगे PM Modi

मेरठ/ जीएनएस। प्रधानमंत्री एक बार फिर आमजन से जुड़ाव की अनोखी मिसाल पेश करने जा रहे हैं। इस बार उनका मेट्रो सफर खास होगा, क्योंकि डिब्बे में समाज के अलग-अलग वर्गों की झलक एक साथ दिखाई देगी।

छात्र, छात्राएं, मेहनतकश मजदूर और उद्योग जगत के प्रतिनिधि मोदी के साथ इस यात्रा का हिस्सा बनेंगे। यह सफर केवल दूरी तय करने का माध्यम नहीं, बल्कि विविधता, सहभागिता और संवाद का प्रतीक बनेगा। शिक्षा से श्रम और उद्यम तक की इस यात्रा में दिखाई देगी। प्रधानमंत्री के साथ ट्रेन में हर वर्ग की मौजूदगी सबका साथ-सबका विकास और सबका विश्वास संदेश देगी।

प्रधानमंत्री इन 19 लोगों के साथ शताब्दीनगर से मेरठ साउथ तक का सफर करेंगे। इस दौरान कुछ छात्राओं, मेडिकल कालेज के छात्र और अन्य से बात भी करेंगे। शनिवार को उनकी रेल यात्रा को लेकर जिलाधिकारी डा. वीके सिंह, मुख्य विकास अधिकारी नूपुर गोयल, एसपीजी के अधिकारियों की मौजूदगी में इन सभी 19 लोगों को ट्रेन में बैठाकर एनसीआरटीसी के सहयोग से रिहर्सल भी किया गया।

ट्रेन पांच बार शताब्दीनगर से मेरठ साउथ तक गई। इस दौरान सभी 19 लोगों को एसपीजी के अधिकारियों ने समझाया कि उन्हें कहां कहां बैठना है। 19 लोगों के अलावा ट्रेन में एसपीजी की सुरक्षा रहेगी।

यह लोग मोदी के साथ ट्रेन में करेंगे सफर- लाला लाजपत राय मेडिकल कालेज के चार एमबीबीएस के स्टूडेंट, पांच छात्राए, जिनमें दो कस्तूरबा आवासीय बालिका विद्यालय की होंगी। वहीं, सोफिया गर्ल्स स्कूल, केएल इंटरनेशनल स्कूल, सेंट फ्रांसिस वर्ल्ड स्कूल से एक-एक छात्रा रहेंगी। दो मेरठ के पुरुष उद्यमी रहेंगे और दो लोग गाजियाबाद से रहेंगे। इसके अलावा एनसीआरटीसी के पांच मजदूर भी ट्रेन में रहेंगे। यह मजदूर वह है, जिन्होंने एनसीआरटीसी के लिए बेहतर काम किया है।

बनाए गए हैं चार ग्रुप- प्रधानमंत्री से मिलने वाले 19 लोगों के चार ग्रुप बनाए गए है। जिसमें चार मेडिकल स्टूडेंट का एक, पांच एनसीआरटीसी के मजदूरों का दूसरा, पांच छात्राओं का तीसरा और उद्यमियों व गाजियाबाद के दो छात्रों का चौथा ग्रुप रहेगा। प्रत्येक ग्रुप में एक ग्रुप लीडर बनाया गया है। वहीं, नोडल अधिकारी मुख्य विकास अधिकारी नूपुर गोयल को बनाया गया है। इन 19 लोगों के नाम पीएमओ से मेरठ जिला प्रशासन को भेजे गए हैं।

इंदौर जिले में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण का कार्य पूर्ण

इंदौर जिले में मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन, कुल 24 लाख 86 हजार 996 मतदाता

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर जिले में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण का कार्य पूर्ण हो गया है। आज मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन कर दिया गया है। जिले में अब कुल 24 लाख 86 हजार 996 मतदाता दर्ज हैं। इनमें 12 लाख 52 हजार 332 पुरुष मतदाता, 12 लाख 34 हजार 569 महिला मतदाता तथा 95 अन्य मतदाता शामिल हैं।

यह जानकारी आज यहां कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री शिवम वर्मा की अध्यक्षता में आयोजित राजनीतिक दलों के पदाधिकारियों की बैठक में दी गई। बैठक में अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री नवजीवन विजय पवार सहित अन्य अधिकारी एवं विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

बैठक में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया, प्राप्त दावों-आपत्तियों के निराकरण तथा अंतिम प्रकाशन से संबंधित बिंदुओं पर विस्तार से जानकारी दी गई। बताया गया कि आज अंतिम प्रकाशित मतदाता सूची के अनुसार जिले में कुल 24 लाख 86 हजार 996 मतदाता पंजीकृत हैं, जिनमें 12 लाख 52 हजार 332 पुरुष, 12 लाख 34 हजार 569 महिला तथा 95 अन्य (थर्ड जेंडर) मतदाता शामिल हैं। जिले का समग्र जेंडर रेश्यो 986 दर्ज किया गया है।

जिले के विधानसभा क्षेत्र 203 देपालपुर में कुल 2 लाख 55 हजार 354 मतदाता, 204 इंदौर-1 में कुल तीन लाख 11 हजार 268 मतदाता, विधानसभा 205 इंदौर-2 में कुल 2 लाख 89 हजार 962 मतदाता, विधानसभा 206 इंदौर-3 में कुल एक लाख 54 हजार 131 मतदाता, विधानसभा 207 इंदौर-4 में कुल 2 लाख 18 हजार 147 मतदाता, विधानसभा 208 इंदौर-5 में कुल 3 लाख 52 हजार 849 मतदाता, विधानसभा 209 डॉ. अंबेडकर नगर (महू) में कुल 2 लाख 66 हजार 115, विधानसभा क्षेत्र 210 राऊ में कुल 3 लाख 38 हजार 544 मतदाता तथा विधानसभा 211 सांवेर में कुल 3 लाख 626 मतदाता हैं।

बैठक में बताया गया कि पुनरीक्षण के दौरान फार्म-6 के कुल 79 हजार 660 आवेदन प्राप्त हुए थे, जिनमें से 71 हजार 114 फार्म स्वीकार किये गये। फार्म-7 के 6 हजार 796 आवेदन प्राप्त हुए थे, जिनमें से 5 हजार 959 आवेदन स्वीकार किये गये। इसी प्रकार फार्म-8 के 54 हजार 928 आवेदन प्राप्त हुए थे, जिनमें से 49 हजार 396 आवेदन स्वीकार किये गये। इस तरह जिले में कुल एक लाख 41 हजार आवेदन प्राप्त हुए थे, जिनमें से एक लाख 26 हजार 469 आवेदन स्वीकार किये गये। जानकारी दी गई कि जिले में 23 दिसम्बर को प्रकाशित प्रारूप मतदाता सूची में 24 लाख 20 हजार 171 मतदाता थे। जिनमें 12 लाख 20 हजार 628 पुरूष मतदाता, 11 लाख 99 हजार 450 महिला मतदाता और 93 अन्य थर्ड जेण्डर मतदाता शामिल थे।

जल संसाधन मंत्री श्री सिलावट के निर्देश पर प्रभावित क्षेत्रों में सर्वे और राहत कार्य तेज

मंत्री श्री सिलावट ने क्षेत्र में पहुंचकर फसलों की स्थिति का लिया जायजा

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने बेमौसम बारिश एवं तेज हवाओं से प्रभावित सांवेर विधानसभा क्षेत्र के गांवों में गेहूं की फसल के नुकसान का त्वरित और निष्पक्ष सर्वे कर पात्र किसानों को शीघ्र मुआवजा प्रदान करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने क्षेत्र में पहुंचकर फसलों की स्थिति का जायजा लिया और किसानों से चर्चा की । उन्होंने कलेक्टर श्री शिवम वर्मा को निर्देशित किया कि सभी प्रभावित गांवों में सर्वे कार्य प्राथमिकता से पूर्ण कर प्रतिवेदन शासन को भेजा जाए, ताकि किसानों को समय पर राहत मिल सके। साथ ही प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत बीमित किसानों को नियमानुसार बीमा लाभ दिलाने के लिए भी अधिकारियों को आवश्यक कार्वाई करने को कहा गया है।

उल्लेखनीय है कि गत दिनों बेमौसम बारिश एवं तेज हवाओं के कारण सांवेर विधानसभा क्षेत्र के कजलाना, बड़ोदिया खान, दर्जी कराड़िया, बालौदा टाकून, पोटलोद, चंद्रावतीगंज, पाल कांकरिया, रतनखेड़ी, बसान्द्रा, बीबीखेड़ी, खामोद आंजना, नाहरखेड़ा सहित आसपास के गांवों में अनेक स्थानों पर तैयार फसल खेतों में आड़ी (गिर) गई है, जिससे उत्पादन प्रभावित होने की संभावना है।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए मंत्री श्री सिलावट ने प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर गांव-गांव पहुंचकर खेतों में फसल की स्थिति का निरीक्षण किया तथा किसानों से चर्चा कर नुकसान की जानकारी ली। उन्होंने किसानों को आश्वस्त किया कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार प्रभावित किसानों के साथ है और उन्हें शीघ्र समुचित राहत प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

जल संसाधन मंत्री श्री सिलावट ने कहा कि किसान हितैषी सरकार किसानों को हर संभव सहायता उपलब्ध कराएगी और यह सुनिश्चित किया जाएगा कि किसी भी पात्र किसान को राहत से वंचित न रहना पड़े।

पत्थरबाजी मामले पर भाजपा का कांग्रेस पर हमला, सुमित मिश्रा ने पुलिस जांच की मांग उठाई

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में पत्थरबाजी की घटना को लेकर राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप तेज हो गए हैं। भारतीय जनता पार्टी के नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा ने कांग्रेस पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि जो कांग्रेस पहले पत्थरबाजों का समर्थन करती रही है, वह अब स्वयं पत्थरबाजी पर उतर आई है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा का आंदोलन लोकतांत्रिक तरीके से चल रहा था, लेकिन कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं द्वारा माहौल बिगाड़ने का प्रयास किया गया।

सुमित मिश्रा ने आरोप लगाया कि नई दिल्ली में आयोजित इंटरनेशनल एआई समिट के दौरान भी कांग्रेस द्वारा विरोध प्रदर्शन कर देश की गरिमा को ठेस पहुंचाने का प्रयास किया गया। उन्होंने कहा कि इंदौर में हुई पत्थरबाजी की घटना ने शहर की शांति और सौहार्द को प्रभावित करने का काम किया है। उनके अनुसार भाजपा युवा मोर्चा और पार्टी कार्यकर्ताओं पर पथराव किया गया, जिसमें ईंट, पत्थर, ब्लॉक टाइल्स और अन्य वस्तुओं का उपयोग किया गया।

भाजपा नगर अध्यक्ष ने यह भी आरोप लगाया कि असामाजिक तत्वों को संरक्षण दिया गया और घटना की निष्पक्ष पुलिस जांच की जानी चाहिए। उन्होंने मांग की कि यह भी जांच हो कि कहीं बाहरी तत्वों की भूमिका तो नहीं रही। भाजपा ने इस घटना की निंदा करते हुए दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की मांग की है।

इंदौर की शांतिपूर्ण छवि बनाए रखने की आवश्यकता पर बल देते हुए सुमित मिश्रा ने कहा कि लोकतांत्रिक विरोध का अधिकार सभी को है, लेकिन हिंसा और पत्थरबाजी किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है।

पीथमपुर इंडस्ट्रियल कॉन्क्लेव एवं पुस्तक विमोचन समारोह 22 फरवरी को

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पीथमपुर औद्योगिक संगठन द्वारा ÷पीथमपुर इंडस्ट्रियल कॉन्क्लेव एवं पुस्तक विमोचन समारोह का भव्य आयोजन रविवार 22 फरवरी 2026 को सायं 4 बजे किया जायेगा। यह कार्यक्रम ICAI भवन, इंदौर (प्लॉट नं. 19-B, स्कीम नं. 78, पार्ट-II, विजय नगर, इंदौर) में आयोजित होगा।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव होंगे। इस अवसर पर उन्हें प्रदेश में औद्योगिक विकास को नई दिशा देने तथा निवेश प्रोत्साहन हेतु किए गए प्रभावी प्रयासों के लिए एंकर ऑफ इंडस्ट्रियल एक्सीलेंस के रूप में सम्मानित किया जाएगा।

पीथमपुर औद्योगिक संघ के अध्यक्ष डॉ.गौतम कोठारी ने बताया कि कार्यक्रम के प्रमुख आकर्षणों में पीथमपुर औद्योगिक क्षेत्र की 40 वर्षीय विकास यात्रा पर आधारित ऐतिहासिक स्मारक ग्रंथ Pithampur: Zero to Zenith – A Journey of 40 Years का विधिवत विमोचन शामिल है। यह पुस्तक पीथमपुर के औद्योगिक उत्कर्ष, उपलब्धियों तथा विकास की क्रमिक यात्रा का विस्तृत दस्तावेज प्रस्तुत करती है।

इसके अतिरिक्त पीथमपुर औद्योगिक संगठन के संस्थापक सदस्यों (मध्य 1980 से मध्य 1990 तक) जिन्होंने अपने दूरदर्शी नेतृत्व से औद्योगिक नगरी की सुदृढ़ नींव रखी का विशेष सम्मान किया जाएगा। कॉन्क्लेव में प्रदेश के औद्योगिक विकास, निवेश वातावरण की सुदृढ़ता तथा आगामी औद्योगिक कॉरिडोर से संबंधित भविष्य की रूपरेखा पर विचार-विमर्श भी किया जाएगा। कार्यक्रम के माध्यम से पीथमपुर की औद्योगिक उपलब्धियों, निवेश संभावनाओं तथा सतत विकास के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित किया जाएगा।

पीथमपुर औद्योगिक संगठन ने उद्योग जगत, निवेशकों, नीति-निर्माताओं एवं गणमान्य नागरिकों से कार्यक्रम में सहभागिता होगी।

एम.पी.ट्रांसको में ई-ऑफिस का सुचारु क्रियान्वयन

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश शासन की मंशानुसार मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एम.पी.ट्रांसको) में इंदौर समेत पूरे प्रदेश के ट्रांसको कार्यालय में ई-ऑफिस प्रणाली का सफल एवं सुचारु क्रियान्वयन किया गया है। इस व्यवस्था को पूरे प्रदेश में चरणबद्ध रूप से लागू किया गया है। इसके अंतर्गत मुख्यालय शक्ति भवन स्थित विभागों सहित प्रदेश के समस्त फील्ड एवं वृत कार्यालयों में विभागीय पत्राचार, नोटशीट तथा अन्य कार्यालयीन कार्य अब ई-ऑफिस के माध्यम से संचालित किए जा रहे हैं।

चरणबद्ध तरीके से हुआ लागू- एम.पी ट्रांसको के आईटी हेड डॉ. हिमांशु श्रीवास्तव ने बताया कि ई-ऑफिस प्रणाली का क्रियान्वयन कंपनी के आई.टी.-ई.आर.पी. संकाय द्वारा योजनाबद्ध तरीके से विभिन्न चरणों में किया गया। प्रथम चरण में मुख्यालय शक्ति भवन, जबलपुर स्थित कार्यालयों में ई-ऑफिस के माध्यम से कार्य प्रारंभ किए गए। इसके पश्चात दूसरे चरण में प्रदेश के अन्य क्षेत्रीय एवं फील्ड कार्यालयों में भी इस प्रणाली को लागू किया गया। इसमें प्रोग्रामर श्रीमती नीलम मर्सकोले का महत्वपूर्ण योगदान रहा ।

लगातार दिया जा रहा है प्रशिक्षण- ई-ऑफिस की कार्यप्रणाली को प्रभावी रूप से अपनाने के लिए अधिकारियों से लेकर संबंधित कर्मचारियों तक सभी को निरंतर प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। आई.टी.-ई.आर.पी. संकाय के प्रोग्रामर श्री प्रवीण शुक्ला द्वारा विभिन्न कार्यालयों में पहुंचकर 'टेबल-टू-टेबल' एवं ऑनलाइन व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया गया है। साथ ही कर्मचारियों एवं अधिकारियों की शंकाओं का समाधान कर उन्हें तकनीकी रूप से दक्ष बनाया गया है। ई-ऑफिस प्रणाली के सफल संचालन के लिए मुख्यालय शक्ति भवन में एक समर्पित हेल्प डेस्क भी स्थापित की गई है, जिसमें श्रीमती नीलम मर्सकोले, प्रोग्रामर द्वारा आवश्यक तकनीकी सहयोग एवं मार्गदर्शन प्रदान किया जा रहा है।

चेक चोरी कर 4.80 लाख रुपये निकालने वाले दो आरोपी सेंट्रल कोतवाली पुलिस की गिरफ्त में, 24 घंटे में खुलासा

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में दुकान से चुपके से चेक चोरी कर 4 लाख 80 हजार रुपये निकालने वाले दो शातिर आरोपियों को पुलिस थाना सेंट्रल कोतवाली ने 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर घटना का खुलासा कर दिया। पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर के निर्देशानुसार शहर में चोरी और वित्तीय अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए प्रभावी कार्रवाई की जा रही है, जिसके तहत यह सफलता हासिल हुई।

पुलिस उपायुक्त जोन-03 एवं अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त जोन-03 के मार्गदर्शन में थाना सेंट्रल कोतवाली की टीम ने मामले की त्वरित जांच शुरू की। फरियादी नवीन राजपाल, निवासी आस्कर कॉलोनी इंदौर हाल शास्त्री मार्केट, ने 20 फरवरी 2026 को थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई कि 24 नवंबर 2025 को उनके मोबाइल पर मैसेज आया, जिससे उन्हें पता चला कि उनके आईसीआईसीआई बैंक खाते से 4,80,000 रुपये किसी अन्य खाते में ट्रांसफर हो गए हैं। बैंक से जानकारी लेने पर पता चला कि चेक क्रमांक 002222 के माध्यम से उनके खाते से उक्त राशि निकाली गई है।

नो-पार्किंग उल्लंघन पर ट्रैफिक पुलिस की सख्ती, तीन दिनों में 600 से अधिक चालान, 2000 वाहन हटाए

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर शहर में यातायात व्यवस्था को अधिक सुचारू, सुरक्षित और व्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से ट्रैफिक पुलिस की विशेष पेट्रोलिंग टीमें लगातार सक्रिय हैं। पुलिस आयुक्त श्री संतोष कुमार सिंह के दिशा निर्देशन में तथा अतिरिक्त पुलिस आयुक्त श्री आर.के. सिंह एवं पुलिस उपायुक्त (यातायात) श्री राजेश कुमार त्रिपाठी के मार्गदर्शन में चारों जोन में गठित टीमों द्वारा नो-पार्किंग का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई की जा रही है।

पिछले तीन दिनों में 600 से अधिक वाहनों पर नो-पार्किंग के तहत चालानी कार्रवाई की गई है, जबकि 2000 से अधिक वाहनों को सड़कों और बाजार क्षेत्रों से हटाया गया। इन टीमों का मुख्य उद्देश्य शहर के व्यस्ततम मार्गों, प्रमुख बाजारों और यातायात दबाव वाले क्षेत्रों में अव्यवस्थित एवं अवैध पार्किंग पर नियंत्रण कर यातायात को सुगम बनाना है।

देवी अहिल्या स्मारक प्रतिष्ठान ट्रस्ट बोर्ड की बैठक सम्पन्न

बोर्ड सदस्यों ने निर्माण कार्यों की प्रगति देखी

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव की पहल पर पुराना आरटीओ इंदौर पर निर्माणाधीन देवी अहिल्या स्मारक के ट्रस्ट बोर्ड की बैठक आज शनिवार को सम्पन्न हुई। बैठक में ट्रस्ट की अध्यक्ष श्रीमती सुमित्रा महाजन सहित सांसद श्री शंकर लालवानी,कार्यकारी अध्यक्ष श्री अनिल डागा,समाजसेवी श्री विनोद अग्रवाल,विकास आयुक्त श्री डी.एस.रणदा,श्री मिलिंद महाजन,श्री पुरूषोत्तम पसारी सहित संबंधित सदस्य शामिल हुये। बैठक में ट्रस्ट की अध्यक्ष श्रीमती सुमित्रा महाजन ने देवी अहिल्या स्मारक प्रतिष्ठान ट्रस्ट द्वारा पुराना आरटीओ भवन पर निर्माणाधीन देवी अहिल्या स्मारक के विकास कार्यों की समीक्षा की।

बैठक में ट्रस्ट के कार्यकारी अध्यक्ष श्री अनिल डागा ने बोर्ड सदस्यों को निर्माणाधीन देवी अहिल्या स्मारक के विकास कार्यों के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुये बताया कि यह स्मारक पुण्य श्लोका देवी अहिल्याबाई की स्मृति में बनाया जा रहा है। करोड़ों रुपये की लागत से बन रहे उक्त स्मारक में ईंट, रेत, गुड,बैलफल,मैथीदाना, सरस आदि के मिश्रण से पुराने भवन पर प्लास्टर किया जा रहा है ताकि उसका मूल स्वरूप के साथ मजबूती भी बनी रहे। इसके अलावा देवी अहिल्या स्मारक पर वाटर प्रूफिंग और बाउण्ड्री वॉल का कार्य भी चल रहा है। बैठक के पूर्व ट्रस्ट बोर्ड के सदस्यों ने निर्माणाधीन देवी अहिल्या स्मारक के विकास कार्यों का अवलोकन किया। इस अवसर पर ट्रस्ट बोर्ड के सदस्य सहित आर्किटेक्ट श्री हिमांशु डूडवडकर, श्रीमती श्रेया भार्गव, श्री प्रवीण श्रीवास्तव आदि उपस्थित थे।

आयुक्त क्षितिज सिंघल का सफाई व्यवस्था पर सख्त रुख, लापरवाही पर निलंबन और वेतन कटौती की कार्रवाई

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में सफाई व्यवस्था को लेकर नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल ने सख्त रुख अपनाते हुए लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों पर तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। शुक्रवार सुबह किए गए निरीक्षण के दौरान जहां स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के कार्यों की समीक्षा की गई, वहीं विभिन्न क्षेत्रों में सफाई व्यवस्था का भी जायजा लिया गया। निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त मनोज पाठक, स्वास्थ्य अधिकारी गंगराड़े, सहायक यंत्री सौरभ माहेश्वरी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

आयुक्त श्री सिंघल ने इंदौर स्मार्ट सिटी अंतर्गत एमओजी लाइन 1 एवं 2 परियोजना स्थल का अवलोकन कर संबंधित अधिकारियों से प्रगति की जानकारी ली और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इसके बाद उन्होंने झोन क्रमांक 16 के वार्ड 15 में एयरपोर्ट रोड, वीआईपी रोड और 60 फीट रोड क्षेत्र का निरीक्षण किया। यहां सफाई व्यवस्था संतोषजनक नहीं पाए जाने पर सहायक दरोगा रंजीत बिलवान को निलंबित करने के निर्देश दिए गए, जबकि संबंधित दरोगा और सफाई कर्मचारी का तीन-तीन दिन का वेतन काटने की कार्रवाई की गई।

रतलाम मण्डल से होकर चार जोड़ी होली स्पेशल ट्रेनें

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। होली के दौरान अतिरिक्त यात्रियों की भीड़ को ध्यान में रखते हुए पश्चिम रेलवे द्वारा रतलाम मंडल से होकर 4 जोड़ी स्पेशल ट्रेनों का परिचालन किया जा रहा है। इनमें से एक जोड़ी ट्रेन रतलाम मंडल के इंदौर - हजरत निजामुद्दीन के लिए चलेगी।

पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल के जनसंपर्क अधिकारी श्री मुकेश कुमार द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार इन ट्रेनों का विवरण निम्नानुसार है-

1 . ट्रेन संख्या 09309/09310 इंदौर - हजरत निजामुद्दीन द्वि-साप्ताहिक सुपरफास्ट स्पेशल

ट्रेन संख्या 09309 इंदौर - हजरत निजामुद्दीन स्पेशल प्रत्येक शुक्रवार एवं रविवार को 17:00 बजे इंदौर से प्रस्थान कर रतलाम मण्डल के देवास (17.33/17.35), उज्जैन (18.20/18.25), नागदा (19.20/19.45) होते हुये अगले दिन 05:00 बजे हजरत निजामुद्दीन पहुँचेगी। यह ट्रेन 22 फरवरी, 2026 से 27 मार्च, 2026 तक चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09310 हजरत निजामुद्दीन - इंदौर स्पेशल प्रत्येक शनिवार एवं सोमवार को हजरत निजामुद्दीन से 08:20 बजे प्रस्थान कर रतलाम मण्डल के नागदा (18.10/18.35), उज्जैन (19.20/19.25), देवास (20.05/20.07), होते हुये अगले दिन 21:00 बजे इंदौर पहुँचेगी। यह ट्रेन 23 फरवरी, 2026 से 28 मार्च, 2026 तक चलेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में देवास, उज्जैन, नागदा, शामगढ़, रामगंज मंडी, कोटा, सवाई माधोपुर, गंगापुर सिटी, भरतपुर एवं मथुरा स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी 2-टियर, एसी 3-टियर, स्लीपर क्लास एवं जनरल सेकंड क्लास के कोच होंगे।

2 . ट्रेन संख्या 09075/09076 मुंबई सेंट्रल - काठगोदाम साप्ताहिक सुपरफास्ट स्पेशल - ट्रेन संख्या 09075 मुंबई सेंट्रल - काठगोदाम स्पेशल प्रत्येक बुधवार को 10:55 बजे मुंबई सेंट्रल से प्रस्थान कर रतलाम मण्डल के रतलाम (20.15/20.25), होते हुये अगले दिन 14:30 बजे काठगोदाम पहुँचेगी। यह ट्रेन मुंबई सेंट्रल से 25 फरवरी, 2026 से 25 मार्च, 2026 तक चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09076 काठगोदाम - मुंबई सेंट्रल स्पेशल प्रत्येक गुरुवार को 17:30 बजे काठगोदाम से प्रस्थान कर रतलाम मण्डल के रतलाम (10.30/10.40 शुक्रवार), होते हुये शुक्रवार को 21:00 बजे मुंबई सेंट्रल पहुँचेगी। यह ट्रेन 26 फरवरी, 2026 से 26 मार्च, 2026 तक चलेगी।

एक जनवरी 2026 की अर्हता तिथि के आधार पर मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार मध्यप्रदेश में मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (स्पेशल इन्टेंसिव रिवीजन) अभियान प्रारंभ किया गया था।

27 अक्टूबर, 2025 से राज्य में आरंभ हुए अभियान में लगभग 4 माह तक विभिन्न चरणों में व्यापक एवं प्रभावी कार्यवाही के बाद 21 फरवरी को अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित कर दी गई है। मतदाता सूची में नाम शामिल करने, विलोपन एवं संशोधन आदि के संबंध में दावे एवं आपत्तियां दिनांक 23/12/2025 से 22/01/2026 तक प्राप्त की गईं। इसके बाद 14 फरवरी 2026 तक निर्वाचन अधिकारियों द्वारा प्राप्त दावे आपत्तियों का सत्यापन कर उनका निराकरण किया गया।

अंतिम मतदाता सूची के प्रकाशन पर मध्यप्रदेश के सभी नागरिक इस अभियान में अभूतपूर्व सहयोग के लिए धन्यवाद एवं अभिनंदन के पात्र हैं। निर्धारित समय में विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया पूर्ण करने हेतु 55 जिला निर्वाचन अधिकारियों, 230 निर्वाचक पंजीकरण अधिकारियों, 533 सहायक निर्वाचक पंजीकरण अधिकारियों, 71,930 बीएलओ, अनेक वालंटियर्स की सक्रिय भागीदारी रही। राज्य के मतदाताओं का उत्साहपूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ। मीडिया, राजनीतिक दलों एवं अन्य संगठनों का भी सहयोग मिला। इसके परिणामस्वरूप कुल 5,74,06,143 मतदाताओं में से 5,31,31,983 मतदाताओं से गणना प्रपत्र प्राप्त हुए, जिनका पूर्ण डिजिटलीकरण किया गया। बीएलओ द्वारा निरंतर घर-घर सर्वेक्षण किया गया, जिसमें दिवंगत, स्थायी रूप से स्थानांतरित तथा 2 स्थानों पर पंजीकृत मतदाताओं की पहचान की गई।

स्पेशल इन्टेंसिव रिवीजन की घोषणा के बाद राज्य में 5.74 करोड़ मतदाताओं को गणना प्रपत्र वितरित कर उनके डिजिटलीकरण का कार्य मिशन मोड में किया गया। अभियान के दौरान ही मृत, अनुपस्थिति, स्थायी रूप से स्थानांतरित एवं दोहरी प्रविष्टियों के सत्यापन के लिये बूथ लेवल अधिकारियों एवं राजनीतिक दलों के बूथ लेवल एजेंटों के साथ बैठकों का आयोजन किया गया। संबंधित विधानसभा क्षेत्रवार अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत एवं दोहरी प्रविष्टियों की सूची संबंधित जिला निर्वाचन अधिकारी एवं मुख्य निर्वाचन अधिकारी की वेबसाइट पर प्रकाशित की गई। लगभग 4 माह चली प्रक्रिया के बाद दिनांक 01-01-2026 की अर्हता तिथि के आधार पर अंतिम मतदाता सूची सभी मतदान केंद्रों एवं निर्धारित स्थलों पर प्रकाशित की गई है। यह सूची मुख्य निर्वाचन अधिकारी की वेबसाइट https://ceoelection.mp.gov.in पर भी उपलब्ध है, जहां मतदाता अपनी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

एआई समिट में कांग्रेस के अर्धनग्न प्रदर्शन के विरोध में भाजयुमो का प्रदर्शन, राहुल गांधी का पुतला दहन

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित एआई समिट के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा किए गए अर्धनग्न प्रदर्शन के विरोध में भारतीय जनता युवा मोर्चा ने जोरदार प्रदर्शन किया। नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा, विधायक रमेश मेंदोला, गोलू शुक्ला, भाजयुमो नगर अध्यक्ष सौगात मिश्रा एवं जिला अध्यक्ष मनोज ठाकुर की उपस्थिति में कांग्रेस कार्यालय का घेराव कर प्रदर्शन किया गया और राहुल गांधी का पुतला दहन किया गया।

इस अवसर पर सुमित मिश्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आयोजित वैश्विक एआई समिट देश के लिए गर्व का विषय है, लेकिन कांग्रेस और राहुल गांधी निम्नस्तरीय राजनीति करते हुए अंतरराष्ट्रीय मंच पर देश की छवि धूमिल करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि अर्धनग्न प्रदर्शन न केवल राजनीतिक विरोध की मर्यादा के खिलाफ है, बल्कि इससे विश्व मंच पर राष्ट्र की प्रतिष्ठा को ठेस पहुंची है।

उन्होंने कहा कि जब भारत वैश्विक स्तर पर अपनी नेतृत्व क्षमता और तकनीकी प्रगति का प्रदर्शन कर रहा है तथा विश्व की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में स्थान बना रहा है, तब कांग्रेस द्वारा इस प्रकार का प्रदर्शन देश का अपमान है। सुमित मिश्रा ने कांग्रेस से इस कृत्य के लिए देश की जनता से माफी मांगने की मांग की। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने जोरदार नारेबाजी की और बैरिकेड तक पहुंचकर राहुल गांधी का पुतला जलाया। कार्यक्रम में भाजपा और भाजयुमो के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

70 साल बाद भी सड़क से वंचित कंजार्डा पठार, 5 किमी सड़क के अभाव में 50 किमी का चक्कर

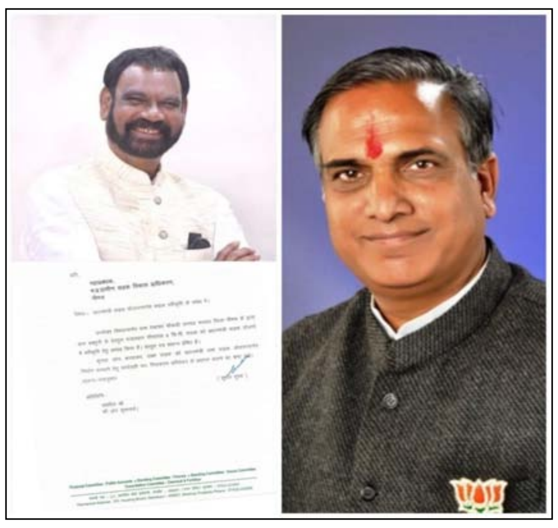

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आज़ादी के सात दशक बीत जाने के बाद भी मनासा विधानसभा क्षेत्र का कंजार्डा पठार आज तक पक्की सड़क सुविधा से नहीं जुड़ पाया है। कंजार्डा पठार, कुकडेश्वर, टामोटी और रामपुरा क्षेत्र के हजारों परिवारों की रिश्तेदारी पड़ोसी राज्य राजस्थान के जावदा-निमड़ी क्षेत्र में है, जो रावतभाटा तहसील (बेगूं विधानसभा) में आता है। इसके बावजूद दोनों राज्यों को जोड़ने वाली अहम सड़कें वर्षों से अधूरी पड़ी हैं।

आधी बनी सड़क, बाकी वन विभाग में अटकी- बरखेड़ा बल्ला का खेड़ा से मध्यप्रदेश सीमा तक 5.45 किलोमीटर सड़क स्वीकृत हुई थी। लगभग 3 किलोमीटर निर्माण कार्य पूरा हो चुका है, लेकिन शेष हिस्सा वन विभाग की अनुमति के अभाव में रुका हुआ है। यह मार्ग सीधे कंजार्डा पठार के बरखेड़ा को जावदा-निमड़ी क्षेत्र हाड़ा की मोरवन से जोड़ता है। इस सड़क के पूर्ण होने पर पठार से जावदा-निमड़ी की दूरी मात्र 12 किलोमीटर रह जाएगी, जिसमें मध्यप्रदेश का हिस्सा केवल 6 किलोमीटर है।

दूसरी सड़क भी फाइलों में दबी- बख्तूनी से देवपुरा मार्ग की मांग भी लंबे समय से लंबित है। यह प्रस्तावित सड़क टामोटी, कुकडेश्वर और रामपुरा क्षेत्र को देवपुरा पंचायत से जोड़ेगी। इस मार्ग का मध्यप्रदेश हिस्सा केवल 5 किलोमीटर है, फिर भी निर्माण कार्य आज तक शुरू नहीं हो सका है।

5 किमी के अभाव में 50 किमी का चक्कर- इन सड़कों के अधूरे रहने से क्षेत्रवासियों को जावदा-निमड़ी, रावतभाटा और कोटा जाने के लिए डीकेन-रतनगढ़ होकर लगभग 50 किलोमीटर लंबा चक्कर लगाना पड़ता है। इससे समय, ईंधन और आर्थिक बोझ लगातार बढ़ रहा है।

सांसद ने उठाया मुद्दा, लेकिन कार्रवाई शून्य- क्षेत्रीय सांसद सुधीर गुप्ता ने वर्ष 2021 में संबंधित विभाग को पत्र लिखकर सड़क निर्माण की मांग की थी, लेकिन जमीनी स्तर पर अब तक कोई ठोस प्रगति दिखाई नहीं दे रही है।

ग्रामीणों में बढ़ता आक्रोश- पठार क्षेत्र और टामोटी-कुकडेश्वर के ग्रामीणों का कहना है कि हर चुनाव में सड़क निर्माण के वादे किए जाते हैं, लेकिन चुनाव खत्म होते ही मुद्दा ठंडे बस्ते में डाल दिया जाता है। ग्रामीणों ने शासन-प्रशासन से मांग की है कि दोनों अंतर्राज्यीय सड़कों का निर्माण शीघ्र शुरू कर क्षेत्र को सीधे कोटा और गांधीसागर क्षेत्र से जोड़ा जाए, ताकि आवागमन सुगम हो सके और वर्षों पुरानी समस्या का समाधान मिल सके।

मंदसौर में युवा मोर्चा ने जलाया पुतला, आक्रोश रैली निकाली

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश दीक्षित और युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष सुनील पटेल के नेतृत्व में मंदसौर संभागीय केन्द्र जिला मुख्यालय मंदसौर पर रतलाम, नीमच, मंदसौर के युवा मोर्चा कार्यकर्ताओं ने दिल्ली में आयोजित 'ए.आई. इम्पैक्ट सबमिट के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं के अर्धनग्न प्रदर्शन पर शुक्रवार को जिला भाजपा कार्यालय मंदसौर पर एकत्रित होकर आक्रोश रैली के माध्यम से गांधी चौराहा स्थित जिला कांग्रेस कार्यालय पहुंचे जहा कांग्रेस कार्यालय के सामने कांग्रेस और राहुल गांधी का पुतला जलाया।

भाजपा जिला अध्यक्ष राजेश दीक्षित ने कहा कि दिल्ली में आयोजित एआई समिट जैसे अंतरराष्ट्रीय मंच पर, जहां सौ से अधिक देशों के प्रतिनिधि और विश्व की प्रमुख कंपनियों के सीईओ शामिल हुए, वहां कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा किया गया अर्धनग्न प्रदर्शन न केवल दुर्भाग्यपूर्ण है, बल्कि यह देश की छवि को धूमिल करने वाला है। उन्होंने कहा कि जब पूरा देश तकनीक और नवाचार के क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है, तब कांग्रेस नकारात्मक राजनीति कर भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाने का काम कर रही है। युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष सुनील पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत एआई और डिजिटल तकनीक के क्षेत्र में विश्व नेतृत्व की ओर बढ़ रहा है। ऐसे समय में कांग्रेस द्वारा किया गया यह कृत्य देश विरोधी मानसिकता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि युवा मोर्चा इस तरह की ओछी राजनीति का पुरजोर विरोध करता है और कांग्रेस से देश से माफी मांगने की मांग करता है। भाजयुमो कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस को इस अर्धनग्न प्रदर्शन और उसके पीछे की घृणित राजनीति के लिए देश की जनता से माफी मांगने की मांग की। इस अवसर पर अनेक भाजपाजन मौजूद थे।

जीवाजी यूनिवर्सिटी में अब आवारा कुत्तों को खाना खिलाने पर बैन

ग्वालियर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जीवाजी विश्वविद्यालय परिसर में अगर किसी आवारा कुत्ते को भोजन करवाते हुए कोई मिलेगा तो उस पर कार्रवाई की जाएगी। यह निर्णय सुप्रीम कोर्ट से मिले निर्देशों के पालन में लिया गया है। जेयू प्रबंधन ने बताया कि आवारा कुत्तों की समस्या को नियंत्रित करने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने कड़े निर्देश जारी किए हैं। नए निर्देशों में शैक्षणिक संस्थानों को लेकर महत्वपूर्ण बदलाव किए गए हैं। इसमें अब सभी नगरीय निकाय अपनी सीमा में स्थित शासकीय व निजी स्कूल, कॉलेज, मेडिकल कॉलेज और अन्य शिक्षण संस्थानों को पांच दिन के भीतर चिह्नित करेंगे। उनमें से आवारा कुत्तों को बाहर किया जाएगा, साथ ही तीन सप्ताह के भीतर फेंसिंग भी करवाई जाएगी।

जारी निर्देशों के अनुसार नगरीय निकाय द्वारा प्रत्येक तीन माह में इन संस्थानों का निरीक्षण अनिवार्य होगा, ताकि परिसर या आसपास आवारा कुत्ते मौजूद न हों। यदि लापरवाही पाई जाती है तो संबंधित निकाय के अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी। निर्देश के पालन में जेयू को तीन सप्ताह के भीतर फेंसिंग, बाउंड्री वाल और गेट की सुदृढ़ व्यवस्था करनी होगी, जिससे कोई आवारा कुत्ता परिसर में प्रवेश न कर सके। इसके अलावा एक नोडल अधिकारी भी नियुक्त किया जाएगा।

मसाला उद्योग पहुंचे विद्यार्थी, निर्माण और पैकेजिंग की बारीकियां सीखी

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के विकासखंड मंदसौर द्वारा संचालित मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम सीएमसीएलडीपी की अतिरिक्त कक्षा के अंतर्गत विद्यार्थियों के लिए एक विशेष भ्रमण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों ने मंदसौर स्थित नीलम मसाला उद्योग का भ्रमण कर मसाला निर्माण की औद्योगिक प्रक्रिया को नजदीक से समझा। उद्यमिता का मिला व्यावहारिक ज्ञान विजिट के दौरान नीलम मसाला उद्योग के निलेश सोनी ने विद्यार्थियों को मसाला उद्योग की कार्यप्रणाली के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कच्चे माल का चयन और उसकी शुद्धता की जांच कैसे की जाती है। मसालों की पिसाई और निर्माण में किन तकनीकों का उपयोग होता है। बाजार की मांग के अनुसार मसालों की सुरक्षित पैकेजिंग और ब्रांडिंग का क्या महत्व है। इस शैक्षणिक भ्रमण के अवसर पर जन अभियान परिषद की ब्लॉक समन्वयक अर्चना भट्ट विशेष रूप से उपस्थित रहीं। साथ ही मेंटर्स रूपदेव सिंह सिसौदिया, संदीप शर्मा, रघुवीर सिंह राठौड़ एवं अनिल सुमन ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। कार्यक्रम के दौरान नीलम मसाला उद्योग के संचालक नागेश्वर सोनी एवं नितिन सोनी ने भी छात्रों का उत्साहवर्धन किया और उन्हें स्वरोजगार के प्रति प्रेरित किया। अर्चना भट्ट ब्लॉक समन्वयक द्वारा बताया गया कि इस तरह के भ्रमण से विद्यार्थियों में न केवल नेतृत्व क्षमता का विकास होता है, बल्कि उन्हें स्थानीय उद्योगों और स्वरोजगार की संभावनाओं को समझने का अवसर भी मिलता है।

रतनगढ़ में संकल्प से समाधान के तहत दिव्यांग शिविर सम्पन्न

दिव्यांगता परमात्मा का परम अंश और इनकी सेवा परमात्मा की सेवा –विधायक श्री सखलेचा

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सामाजिक समानता और समरसता लोक कल्याणकारी राज्य का प्राथमिक दायित्व है। समाज के सभी वर्गों, विशेषकर दिव्यांगजनों और कमजोर वर्गों के हितों की पूर्ति एवं उनका संरक्षण हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। सरकार दिव्यांगजनों को संबल देकर उन्हें समर्थ और सशक्त बनाने के लिए हर जरूरी कदम उठा रही है। दिव्यांगजन परमात्मा का परम अंश है और इनकी सेवा परमात्मा की सेवा है।

यह बात मध्यप्रदेश शासन के पूर्व केबिनेट मंत्री व जावद विधायक ओमप्रकाश सखलेचा ने बोली वे शनिवार को रतनगढ़ स्थित वीरेंद्र कुमार सखलेचा सामुदायिक भवन में संकल्प से समाधान अभियान के तहत आयोजित दिव्यांग शिविर को सम्बोधित कर रहे थे।

विधायक श्री सखलेचा ने बताया कि दिव्यांगजनों को लाभ दिलाने के लिए शिविर लगाएं जा रहे है। इन शिविरों में नए दिव्यांगजनों को भी चिन्हित किया जा रहा और उन्हें उनकी जरूरत के मुताबिक सहयोग, मार्गदर्शन तथा सहायक उपकरण उपलब्ध कराए जाएंगे।

विधायक श्री सखलेचा ने अंत मे बताया कि दिव्यांगोंजनों की सेवा और सशक्तिकरण के लिये राजनीतिक दलों , सामाजिक सँगठनो ओर नेताओ को निस्वार्थ भाव से आगे आना चाहिये। यह न केवल मानवीय कार्य है बल्कि लोकतंत्र में दिव्यांगों की सम्मानजनक जीवन और अधिकार दिलाने के लिये एक समावेशी समाज का निर्माण करना भी जरूरी है ।

कार्यक्रम के दौरान विधायक सखलेचा ने दिव्यांगों को प्रमाण पत्र भी वितरित किये। इस अवसर पर जावद जनपद अध्यक्ष गोपाल चारण भाजपा मंडल अध्यक्ष जसवंत बंजारा जिला उपाध्यक्ष सतीश व्यास, सरवानिया मंडल अध्यक्ष अर्जुन माली नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि कचरूमल गुर्जर सहित अन्य जनप्रतिनिधि व पदाधिकारी उपस्थित थे।

पटेल चौराहे पर नए सिरे से रोटरी निर्माण को फोरलेन सीसी रोड 7 करोड़ मंजूर होने पर फिलहाल रोका जाए

भविष्य में सरदार पटेल की प्रतिमा को रोटरी पर स्थापित करने हेतु पूर्व विधायक सिसौदिया ने कलेक्टर को लिखा पत्र

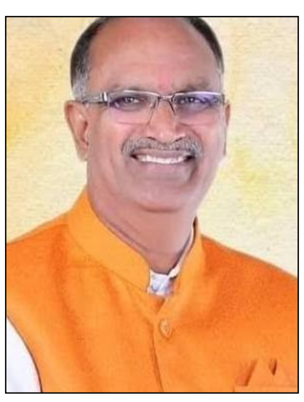

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पूर्व विधायक यशपाल सिंह सिसौदिया ने कलेक्टर मंदसौर अदिति गर्ग को पत्र लिखकर एक महत्वपूर्ण विषय का ध्यानाकर्षण करवाया है। सिसौदिया ने पत्र में उल्लेख किया कि शहर की जीवन रेखा कही जाने वाली रतलाम-नसीराबाद (आर एन) सड़क मार्ग के शहरी हिस्से में मध्य प्रदेश शासन द्वारा वर्ष 2026-27 के बजट में 7 करोड रुपए की राशि स्वीकृत कर इस सड़क को फोरलेन सड़क के रूप में सीमेंट कंक्रीट रोड के स्वरूप में स्वीकृत किया गया है! पूर्व में यह सड़क काबरा पेट्रोल पंप कृषि मंडी होती हुई मंशापूर्ण बालाजी मंदिर गुराडिया नाका फोरलेन सड़क तक बनाई जा चुकी है, पूर्व का शेष बचा कार्य अब नए स्वरूप में दिखाई पड़ेगा, यह मार्ग काबरा पेट्रोल पंप से जिला जेल तक बनाया जाएगा, जो लगभग 5 किलोमीटर होकर 7 करोड रुपए की राशि सीमेंट कांक्रीट रोड चौड़ीकरण के साथ बनेगी।

सिसौदिया ने कहा कि वे उल्लेख करना चाहेंगे कि पिछले कई दिनों से सरदार वल्लभभाई पटेल चौराहे का नवीनीकरण कार्य चल रहा है, लेकिन वह इतने लंबे समय के बाद भी रोटरी के रूप में अपने स्वरूप में नहीं आ पाया है। दुर्घटना भी हो रही तथा नागरिकगण को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। अब नए स्वरूप में यह चौराहा भी चौड़ीकरण के साथ फोरलेन के रूप में सीमेंट कांक्रीट रोड से अपने नए स्वरूप में आएगा। इसे देखते हुए फिलहाल सरदार पटेल चौराहे पर कोई नया कार्य नहीं किया जावे। नई सड़क बनने पर सरदार पटेल की प्रतिमा को भी बीच चौराहे पर सर्कल के ऊपर स्थापित किया जा सकता है। सिसौदिया ने कहा कि साथ ही शुक्ला कॉलोनी की तरफ से, गोल चौराहे की तरफ से, अस्पताल की तरफ से आने वाले सभी मार्गों को सर्कल तक डिवाइडर को बढ़ाते हुए गोलाई में चौराहे के स्वरूप में लाया जा सकता है। अतः नई सीमेंट कंक्रीट मार्ग की बनने वाली डीपीआर (कार्य योजना) में सरदार पटेल के चौराहे को विकसित करने का सुंदर और आकर्षक डिजाइन तैयार की जाना अति आवश्यक है। यह चौराहा शहर का सबसे सुंदर चौराहा बन सकता है। अतः संबंधित विभागों को निर्देश ज़ारी करने की व्यवस्था सुनिश्चित करें।

मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ निर्वाचक नामावली के अंतिम प्रकाशन के संबंध में जिला स्तरीय बैठक सम्पन्न

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली के निर्देशानुसार शनिवार को फोटो निर्वाचक नामावली का विशेष गहन पुनरीक्षण, 2026 के अन्तर्गत अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री बी.एस.कलेश की अध्यक्षता में मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ निर्वाचक नामावली के अंतिम प्रकाशन के संबंध में जिला स्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित थे। अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री बी.एस.कलेश, श्री कृष्णकुमार शर्मा, श्री बृजेश मित्तल, श्री नवीन कुमार अग्रवाल, जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर श्री मनोज जैन, निर्वाचन पर्यवेक्षक, भारत निर्वाचन,श्री अजय शुक्ला एवं विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित थे। बैठक में सर्वप्रथम उपस्थित प्रतिनिधियों को निर्वाचक नामावली के गहन पुनरीक्षण के अन्तर्गत नामावली के अंतिम प्रकाशन से संबंधित ब्यौरा एवं जिले की सामान्य जानकारी प्रदान की गई। उक्त जानकारी के संबंध में श्री मनोज जैन, राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर द्वारा उपस्थित प्रतिनिधियों को विस्तृत रूप से जानकारी प्रदान की गई। तत्पश्चात उपस्थित सभी मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों को निर्वाचक नामावली की एक हार्ड कॉपी तथा एक प्रति सीडी में (फोटो रहित) उपलब्ध कराई गई हैं।

सेवा का अर्थ केवल धन देना नहीं, बल्कि जरूरतमंदों की मदद करना है-वरिष्ठ पत्रकार सिसौदिया

वात्सल्य धाम में सर्वाइकल व स्पाइन थेरेपी चेयर व थेरेपी रूम का उद्घाटन

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। रोटरी क्लब सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर रही है। निस्वार्थ भाव, करुणा और मानवीय जवाबदारी के महत्व को रेखांकित करता है, जो समाज को एकता के सूत्र में पिरोता है। सेवा का अर्थ केवल धन देना नहीं, बल्कि समय, कौशल और संवेदना के साथ जरूरतमंदों की मदद करना है। यह न केवल समाज को बेहतर बनाता है, बल्कि स्वयं के आत्मिक विकास और मानसिक संतुष्टि का भी कारण बनता है।

यह बात मुख्य अतिथि वरिष्ठ पत्रकार प्रकाश सिसोदिया ने भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी द्वारा संचालित वात्सल्यधाम (वृद्धाश्रम) में वृद्धजनों की सुविधा हेतु सर्वाइकल व स्पाइन थेरेपी चेयर एवं थेरेपी रूम के उद्घाटन के अवसर पर कही।

रोटरी क्लब अध्यक्ष भूपेंद्र सोनी व सचिव कपिल भंडारी के जन्मदिन के अवसर पर आयोजित इस आयोजन में विशेष रूप से उपस्थित भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी के पूर्व चेयरमैन प्रीतेश चावला ने कहा कि रोटरी क्लब की सेवाएं अनुकरणीय है और स्पाइन थेरेपी एवं थेरेपी रूम की यह उत्कृष्ट सौगात निश्चित रूप से वात्सल्य धाम में रहने वाले सभी वरिष्ठजनों के स्वास्थ्य के लिए एक मिल का पत्थर साबित होगी। अध्यक्ष भूपेंद्र सोनी ने कहा कि मंदसौर में रोटरी क्लब ने सेवा के क्षेत्र में अलग ही पहचान बनाई है । रोटरी क्लब के सभी सदस्य टीम वर्क के रूप में काम करते है और इस कारण उनके सेवाभाव के परिणाम भी उत्कृष्ट आते हैं। कार्यक्रम में रोटरी क्लब के पूर्व अध्यक्ष राजेश सिंघवी, डॉ.कमलेश कुमावत, सुरेंद्र जैन योग गुरु, समाजसेवी संजय मुरडिया व विजय शर्मा (पोपट) भी मंचासिन थे। इस अवसर पर रोटरी क्लब परिवार द्वारा वात्सल्य धाम की प्रबंधक प्रियंका राजौरा व सह प्रबंधक कृष्णा बैरागी का बहुमान भी किया गया। कार्यक्रम में रोटरी सदस्य संजय जैन, मोहन माहेश्वरी, पिंकेश चेलावत, प्रेमेंद्र चोरड़िया, अजय नागौरी, शैलेन्द्र भंडारी, अरिहंत भंडारी, दिलीप गर्ग, आयुष सोनी, रोहित सेवानी, अंकित शुक्ला, मनोज सांखला, मुफद्दल भाई सहित वात्सल्य धाम के सदस्य भी उपस्थित थे। संचालन रोटरी क्लब पूर्व अध्यक्ष कनक पंचोली ने किया। आभार रोटरी क्लब सचिव कपिल भंडारी ने माना।

स्वच्छता शनिवार के तहत ग्राम पंचायत में स्वच्छता कार्य संपन्न

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा एवं जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव के मार्गदर्शन में शनिवार को जिले की ग्राम पंचायतों में स्वच्छता शनिवार मनाया गया। स्वच्छता शनिवार के तहत ग्राम पंचायत द्वारा अपने क्षेत्र के प्रमुख स्थानों, सार्वजनिक स्थलों, मार्गो, पर ग्राम पंचायत द्वारा जन सहयोग से स्वच्छता के लिए श्रमदान कर साफ-सफाई की गई। स्वच्छता शनिवार के तहत ग्राम पंचायत रूपपुरा, निलिया, मोरवन, जवासा, महागढ़ एवं भदाना सहित जनपद नीमच, जावद एवं मनासा क्षेत्र की विभिन्न ग्राम पंचायत में विशेष साफ-सफाई अभियान चलाए गए जन सहयोग से स्वच्छता के कार्य किए गए।

पीए रिपोर्ट में खुलासा : गोली लगने से हुई थी भव्यु लाला की मृत्यु

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सीतामऊ थाने के गांव सूरजनी में संदिग्ध अवस्था में मृत मिले वाहिद उर्फ भय्यू लाला पठान के प्रकरण में नया मोड़ आया है। इस संबंध में गरोठ एएसपी हेमलता कुरील ने सीतामऊ थाने पर आयोजित प्रेस वार्ता में खुलासा करते हुए बताया कि मृतक भय्यु लाला की मृत्यु आर्म्स फायर से हुई है। यानी गोली लगने से मृत्यु होना बताया गया है। एएसपी श्रीमती कुरील ने बताया कि पीएम रिपोर्ट में इसका खुलासा किया गया है, जिसकी रिपोर्ट आई है। यह भी स्पष्ट हुआ है कि मारपीट व दम घुटने से मृत्यु नहीं हुई है। प्रेस को जानकारी देते हुए एएसपी श्रीमती कुरील ने बताया कि पीएम मंदसौर कराने की मांग थी, वह स्वीकार की गई थी। पारदर्शिता से जांच की जा रही है। परिवारजनों को भी साथ रखा जा रहा है। श्रीमती कुरील ने कहा कि भय्यु लाला को एक क्लीनिक पर डॉक्टर के यहां चेकअप के लिए ले लाया गया था। वहां से लौटने के बाद पुलिस को मृत्यु के संबंध में सूचना दी गई थी। गौरतलब है कि मृतक पर अनेक प्रकरण भी दर्ज रहे थे, जिसे पकड़ने हेतु पुलिस टीम ने सूरजनी में दबिश दी थी, जो वापिस लौट आई थी।

बोर्ड परीक्षा में खुलेआम हुई सामूहिक नकल!

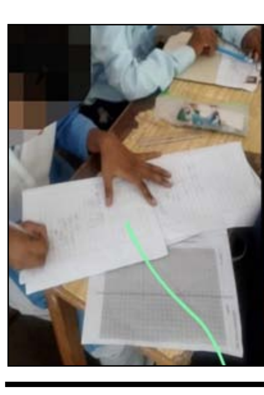

सतना/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला में आयोजित हो रहीं कक्षा पांचवीं व आठवीं की बोर्ड परीक्षाओं के दौरान परीक्षा केन्द्रों से नकल की जानकारी सामने आने लगी है। जिसने एक बार फिर परीक्षा व्यवस्थाओं व जांच पैनल की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। दरअसल शनिवार को नवीन शिक्षा निकेतन हायर सेकेंडरी स्कूल, डाली बाबा को बनाए गए परीक्षा केंद्र में गणित विषय की परीक्षा के दौरान खुलेआम नकल कराए जाने का मामला सामने आया है और यह केंद्र महारानी लक्ष्मीबाई संकुल के अंतर्गत संचालित होता है। इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार परीक्षा के दौरान नियमों की अनदेखी करते हुए परीक्षार्थियों को सामूहिक रूप से नकल कराई गई, जिसकी तस्वीरें सोशल मीडिया में वायरल भी हुईं। खास बात यह है कि केंद्र पर केंद्राध्यक्ष के रूप में नत्थूलाल सेन तथा संकुल प्राचार्य की ओर से गठित चार सदस्यीय पैनल पुष्पलता कुशवाहा, क्रांति सिंह बागरी, वंदना सिंह कुशवाहा और रेनू शर्मा की ड्यूटी लगाई गई थी। बताया गया है कि पूरा पैनल परीक्षा अवधि के दौरान केंद्र पर मौजूद रहा, इसके बावजूद नकल की शिकायत सामने आना जिम्मेदारों की कार्यप्रणाली पर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है।

परीक्षा केंद्रों पर मोबाइल फोन पूर्णतः प्रतिबंधित रहते हैं, इसके बावजूद कथित तौर पर परीक्षा कक्ष की तस्वीरें सामने आई हैं। इससे यह सवाल भी उठ रहा है कि प्रतिबंध के बावजूद मोबाइल अंदर कैसे पहुंचा और निगरानी व्यवस्था कितनी प्रभावी रही। इस प्रकार यदि आरोपों की पुष्टि होती है तो यह न केवल परीक्षा की निष्पक्षता पर आंच है, बल्कि शिक्षा विभाग की निगरानी व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल खड़े करता है।

सम्पादकीय

पहचान की पड़ताल, प्रेम की परख– लव जिहाद पर गुजरात की पहल

गुजरात में विवाह व्यवस्था को लेकर सियासी और सामाजिक हलकों में जबरदस्त हलचल मच गई है! 20 फरवरी 2026 को राज्य सरकार ने 'लव जिहाद' के नाम पर कथित ठगी और सांस्कृतिक आक्रमण पर रोक लगाने के उद्देश्य से मैरिज रजिस्ट्रेशन नियमों में बड़े बदलाव की घोषणा कर दी। डिप्टी चीफ मिनिस्टर हर्ष संघवी ने विधानसभा में स्पष्ट कहा कि बेटियों की गरिमा और सनातन परंपरा की सुरक्षा के लिए सख्त कानूनी कवच तैयार किया जाएगा। प्रस्तावित संशोधन फर्जी पहचान छिपाने वालों पर शिकंजा कसने का दावा करता है, वहीं प्रेम विवाह करने वाले जोड़ों के जीवन पर भी इसका सीधा असर पड़ेगा। क्या यह कदम 'लव जिहाद' जैसी प्रवृत्तियों पर निर्णायक प्रहार साबित होगा, या फिर नई कानूनी और सामाजिक जटिलताएँ खड़ी करेगा तथा व्यक्तिगत स्वतंत्रता पर सवाल उठाएगा? यही बहस आज पूरे देश में तेज़ हो चुकी है।

सिर्फ काग़ज़ी औपचारिकता नहीं, अब कड़ी जवाबदेही–सरकार ने गुजरात रजिस्ट्रेशन ऑफ मैरिजेस एक्ट 2006 के तहत नियमों में संशोधन का प्रस्ताव रखा है। स्पष्ट किया गया कि मौजूदा प्रावधानों के छिद्रों का दुरुपयोग हो रहा था। संशोधन के तहत अब हर मैरिज रजिस्ट्रेशन के लिए दुल्हन-दूल्हे को दो गवाहों के हस्ताक्षर सहित नोटराइज्ड आवेदन देना होगा। आधार कार्ड, जन्म प्रमाण पत्र या स्कूल लीविंग सर्टिफिकेट, निमंत्रण पत्र, पासपोर्ट साइज फोटो, विवाह की फोटो और गवाहों की फोटो अनिवार्य होंगी। साथ ही, जोड़े को लिखित घोषणा देनी होगी कि उन्होंने माता-पिता को सूचना दी है या नहीं, तथा उनके नाम, पता, आधार नंबर, फोन नंबर और निवास प्रमाण पत्र भी जमा करने होंगे।

अब विवाह पंजीकरण केवल औपचारिकता नहीं, नियंत्रित प्रक्रिया बनेगा। नए नियमों के अनुसार, आवेदन मिलते ही असिस्टेंट रजिस्ट्रार 10 कार्य दिवस के भीतर दोनों पक्षों के माता-पिता को व्हाट्सएप, इलेक्ट्रॉनिक या भौतिक माध्यम से सूचना देगा। इसके बाद आवेदन जिला या तालुका रजिस्ट्रार को भेजा जाएगा और सभी शर्तें पूर्ण होने पर ही पंजीकरण स्वीकृत होगा। पूरी कार्यवाही नए ऑनलाइन पोर्टल पर अपलोड की जाएगी, जिससे पारदर्शिता सुनिश्चित होगी। सरकार ने 30 दिनों के भीतर आम जनता से सुझाव और आपत्तियां मांगी हैं; स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की वेबसाइट पर प्राप्त फीडबैक के आधार पर अंतिम नियम अधिसूचित किए जाएंगे। इस परिवर्तन का सीधा और सबसे अधिक प्रभाव एलोपमेंट, यानी भागकर विवाह करने वाले जोड़ों पर पड़ेगा।

सख्त संदेश के साथ सरकार का दावा है कि ये बदलाव 'लव जिहाद' जैसी घटनाओं को जड़ से समाप्त करेंगे। हर्ष संघवी ने कहा, ÷अगर कोई सलीम अपनी पहचान छिपाकर सुरेश बनकर राज्य की बेटियों को फंसाता है, तो सरकार ऐसी सजा देगी कि भविष्य में किसी बेटी की ओर कोई बुरी नजर डालने की हिम्मत नहीं करेगा।÷ उन्होंने पंचमहल का उदाहरण देते हुए कहा कि मुस्लिम आबादी न होने के बावजूद सैकड़ों निकाह प्रमाण पत्र जारी हुए; बनासकांठा, नवसारी और मेहसाणा में भी ऐसे मामले बढ़ रहे हैं। संघवी ने इसे ÷सांस्कृतिक आक्रमण÷ करार देते हुए कहा कि असामाजिक तत्व पहचान छिपाकर बेटियों को निशाना बना रहे हैं। लगभग 30 सामाजिक संगठनों से चर्चा के बाद यह निर्णय लिया गया है।

सरकार ने बार-बार स्पष्ट किया है कि उसका विरोध प्रेम विवाह से नहीं, बल्कि छल और दबाव से है। हर्ष संघवी ने कहा, ÷सरकार सच्चे प्रेम का सम्मान करती है, किंतु धोखाधड़ी और जबरन संबंधों पर कठोर कार्रवाई करेगी। यह सरकार हर बेटी की गरिमा और सनातन परंपरा की संरक्षक है।÷ नए नियम ठगी पर अंकुश लगाएंगे और परिवारों को पूर्व सूचना मिलने से विवादों को पहले ही सुलझाने का मौका मिलेगा। 30 दिन की अनिवार्य प्रतीक्षा अवधि जोड़ों को विवेकपूर्ण निर्णय का अवसर देगी तथा जाली दस्तावेजों की जांच सरल बनाएगी। इससे समाज में पारदर्शिता बढ़ेगी और बेटियों की सुरक्षा मजबूत होगी। इन प्रस्तावों पर विपक्ष और विधि विशेषज्ञों ने गंभीर आपत्तियाँ उठाई हैं। उनका तर्क है कि माता-पिता को अनिवार्य सूचना देने का प्रावधान अंतरधार्मिक और अंतरजातीय विवाहों पर परोक्ष अंकुश लगा सकता है। सुप्रीम कोर्ट ऑफ़ इण्डिया के कई निर्णय– लक्ष्मीबाई चंदरगी बनाम कर्नाटक राज्य (2021), शफीन जहां बनाम असोकन के. एम. (2018) और लता सिंह बनाम उत्तर प्रदेश राज्य (2006)–स्पष्ट करते हैं कि वयस्कों को जीवनसाथी चुनने का पूर्ण अधिकार है और परिवार या समाज की सहमति आवश्यक नहीं। संविधान का अनुच्छेद 21 निजी स्वतंत्रता और गरिमा की रक्षा करता है। दिल्ली और इलाहाबाद हाईकोर्ट ने भी स्पेशल मैरिज एक्ट के नोटिस पीरियड को प्राइवेसी का उल्लंघन बताया था। ऐसे में यह प्रावधान संवैधानिक अधिकारों से टकरा सकता है। इन नए प्रावधानों से गुजरात में विवाह पंजीकरण की प्रक्रिया लंबी और जटिल हो सकती है। जहां पहले त्वरित पंजीकरण संभव था, अब 30 दिन की अनिवार्य प्रतीक्षा करनी होगी। अंतरधार्मिक या भागकर विवाह करने वाले युवा-युवतियों के परिवार की नजर में आने का जोखिम बढ़ेगा।

सहजयोग अंधविश्वासों, आडंबरों से परे परमात्मा से योग का प्रत्यक्ष ज्ञान है

संपूर्ण ब्रह्मांड की संरचना में दो प्रकार के तत्वों की भूमिका है, जैविक व अजैविक। जो आदिशक्ति के स्वरूप श्री लक्ष्मी व श्री सरस्वती द्वारा संचालित हैं। लक्ष्मी श्री विष्णु की शक्ति हैं तो सरस्वती श्री ब्रह्मा जी की और ब्रह्मा का जन्म विष्णु की नाभि से माना जाता है। लक्ष्मी तत्व पदार्थों के रूप में स्पंदित होता है तो सरस्वती तत्व नाद के रूप में। पदार्थ व शब्द दोनों ही मनुष्य जीवन का अहम हिस्सा हैं परंतु दोनों को ही आदिशक्ति के तीसरे स्वरूप महाकाली ने माया के आवरण में ढका हुआ होता है। पदार्थों का आकर्षण मनुष्य को स्थूल से ऊपर नहीं उठने देता। वहीं शब्दों की माया हमें किसी का प्रिय किसी, का विरोधी सफल या असफल बना देती है।

हमारे मन में पदार्थों को देखकर जो इच्छाएं जागृत होती हैं वही शब्दों के रूप में प्रकट होती हैं। ज्ञान शब्द नहीं होते, शास्त्र कहते हैं ज्ञान पैदा नहीं होता और ना ही नष्ट किया जा सकता है ज्ञान जन्म से ही हमारे साथ होता है, जैसे-जैसे आत्मा से हमारी दूरी कम होती जाती है, आत्मा अनावरित होती जाती है वैसे वैसे आप को ज्ञान की प्राप्ति होती जाती है। और तब मानस शब्दों की अनुभूति हमें सूक्ष्म शरीर में विभिन्न चक्रों पर वर्णों के रूप में होती है। और ज्ञान की इस अवस्था में वर्णों का यह स्पंदन ब्रह्मांड के नाद से संयुक्त हो जाता है और तब संपूर्ण ब्रह्मांड का रहस्य स्वयं अंतस में प्रकट होने लगता है । जिसे स्वयं का ज्ञान नहीं होता उसके अन्य सांसारिक ज्ञान भी भ्रांतिपूर्ण व अपूर्ण होते हैं। हम सदैव दूसरों के अनुभवों को ज्ञान के रूप में ग्रहण करते रहते हैं परंतु वास्तव में अविष्कारी या वैज्ञानिक वही होता है जो स्वयं का ज्ञान व अनुभव अर्जित करता है। पुस्तकें मार्गदर्शक हो सकती हैं ध्येय नहीं।

श्री माताजी निर्मला देवी जी द्वारा प्रतिस्थापित सहजयोग आत्मा के आवरणों से परे ब्रह्मानुभूति का विज्ञान है। जो अंधविश्वासों, कर्मकाण्ड व आडंबरों से परे है। सहजयोग विवेक व बोध के द्वारा क्रिया एवं विचारों से बाहर निकाल कर ध्यान का मार्ग प्रशस्त करता है। और हमें उस ज्ञान व विद्या का साक्षात्कार प्रदान करता है जो हमारे साथ जन्मी है, जो सहज है। सहज योग में हम स्पंदनों की भाषा को समझने लगते हैं जो अधिक शक्तिशाली, तीव्रगामी व वास्तविक होती है। आप अपने किसी दूर बैठे हुए व्यक्ति के बारे में सिर्फ स्पंदनों से जान सकते हैं दूसरों की परेशानियों को ये स्पंदन ठीक कर सकते हैं विभिन्न रोगों का उपचार कर सकते हैं। स्पंदन के इस विज्ञान का अनुभव प्राप्त करने हेतु आप जानकारी निम्न साधनों से पा सकते हैं।

भारत का एआई नेतृत्व तकनीक एवं मानवीय मूल्यों का संगम बने

दिल्ली इन दिनों केवल भारत की राजनीतिक राजधानी भर नहीं, बल्कि उभरती तकनीकी चेतना का वैश्विक केंद्र बनी हुई है। 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026' ने यह स्पष्ट संकेत दिया है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता अब प्रयोगशालाओं या कॉरपोरेट दफ्तरों तक सीमित तकनीक नहीं रही, बल्कि वह विकास की नई परिभाषा गढ़ने की दिशा में अग्रसर है। दुनिया के विभिन्न देशों, तकनीकी कंपनियों, शोध संस्थानों और नीति-निर्माताओं की उपस्थिति ने इस सम्मेलन को वैश्विक विमर्श का मंच बना दिया है। यह आयोजन इस तथ्य का उद्घोष है कि भारत केवल उपभोक्ता राष्ट्र नहीं, बल्कि एआई युग का नेतृत्वकर्ता बनने की तैयारी में है। आज विश्व जिस तकनीकी संक्रमण से गुजर रहा है, उसमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता निर्णायक भूमिका निभा रही है। स्वास्थ्य, कृषि, शिक्षा, व्यापार, प्रौद्योगिकी, जलवायु परिवर्तन, शासन और आर्थिक विकास-हर क्षेत्र में एआई समाधान की नई संभावनाएँ खोल रहा है। ऐसे समय में भारत का दृष्टिकोण केवल तकनीकी उन्नति तक सीमित नहीं, बल्कि वह इसे मानव-केंद्रित विकास के साथ जोड़ने का प्रयास कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने बार-बार यह स्पष्ट किया है कि तकनीक का अंतिम लक्ष्य मानवता की सेवा होना चाहिए, न कि केवल लाभ और वर्चस्व की दौड़।

भारत की सबसे बड़ी शक्ति उसकी युवा आबादी है। यदि इस ऊर्जा को गणित, भौतिकी, कंप्यूटर विज्ञान और डाटा विज्ञान जैसे क्षेत्रों में प्रशिक्षित किया जाए तो भारत एआई अनुसंधान और नवाचार में विश्व की अग्रिम पंक्ति में खड़ा हो सकता है। विश्वविद्यालयों और तकनीकी संस्थानों की भूमिका यहाँ अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। हमें ऐसे संस्थानों की आवश्यकता है जो वास्तविक शोध और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दें, न कि केवल झूठे दावों और विज्ञापन के बल पर प्रतिष्ठा अर्जित करने का प्रयास करें। शिक्षा में पारदर्शिता और गुणवत्ता ही उस आधारशिला को मजबूत करेगी जिस पर भारत का एआई भविष्य खड़ा होगा। यह सवाल उठाया जा रहा है कि भारत आज व्यवहार में एआई व रोबोटिक्स के अनुसंधान में कहां खड़ा है? आखिर गलगोटिया यूनिवर्सिटी के नीति-नियंताओं ने यह क्यों नहीं सोचा कि चीन निर्मित एक रोबोट को अपनी उपलब्धि बताने से देश की प्रतिष्ठा को आंच आएगी? अब यूनिवर्सिटी की तरफ से सफाई दी जा रही है कि उसने रोबोट के निर्माण का दावा नहीं किया। वहीं दूसरी ओर उन सरकारी अधिकारियों की भी जवाबदेही तय की जानी चाहिए, जिन्होंने बिना जांच-पड़ताल के विश्वविद्यालय को एआई समिट में स्टॉल लगाने की अनुमति क्यों दी। निश्चित रूप से भारत ने पिछले कुछ वर्षों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित तकनीक व रोबोटिक उत्पादन के क्षेत्र में ऊंची छलांग लगाई है। युवा शक्ति के देश भारत ने एआई के क्षेत्र में अमेरिका व चीन के बाद अपना तीसरा स्थान बनाया है। जिसकी पुष्टि अंतर्राष्ट्रीय मानक संस्थाओं ने भी की है। लेकिन एक विरोधाभासी हकीकत यह है कि भारत दुनिया का सबसे बड़ी आबादी का देश है, जहां श्रम शक्ति प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है।

स्वास्थ्य क्षेत्र में एआई की भूमिका क्रांतिकारी सिद्ध हो सकती है। रोगों की प्रारंभिक पहचान, सटीक निदान, दवाओं के शोध और ग्रामीण क्षेत्रों में टेलीमेडिसिन सेवाओं के विस्तार में एआई नई संभावनाएँ लेकर आया है। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में जहाँ स्वास्थ्य संसाधनों का असमान वितरण है, वहाँ एआई आधारित समाधान दूरस्थ क्षेत्रों तक बेहतर सेवाएँ पहुँचाने में सहायक हो सकते हैं। इसी प्रकार कृषि क्षेत्र में मौसम पूर्वानुमान, मृदा विश्लेषण, फसल प्रबंधन और आपूर्ति श्रृंखला के अनुकूलन में एआई किसानों की आय बढ़ाने और जोखिम कम करने का माध्यम बन सकता है। जलवायु परिवर्तन की चुनौती भी आज मानवता के सामने विकराल रूप में उपस्थित है। चरम मौसम की घटनाएँ, जल संकट और पर्यावरणीय असंतुलन विकास की गति को प्रभावित कर रहे हैं। एआई आधारित मॉडलिंग और डेटा विश्लेषण से प्राकृतिक आपदाओं का पूर्वानुमान, संसाधनों का बेहतर प्रबंधन और टिकाऊ नीतियों का निर्माण संभव है। यदि भारत इन क्षेत्रों में एआई का प्रभावी उपयोग करता है तो वह वैश्विक दक्षिण के देशों के लिए एक मार्गदर्शक मॉडल प्रस्तुत कर सकता है। शासन और आर्थिक विकास के क्षेत्र में भी एआई पारदर्शिता, जवाबदेही और दक्षता बढ़ाने का माध्यम बन सकता है। सार्वजनिक सेवाओं के डिजिटलीकरण, भ्रष्टाचार पर अंकुश, नीति निर्माण में डेटा-आधारित निर्णय और वित्तीय समावेशन के विस्तार में एआई की महत्वपूर्ण भूमिका है। इससे न केवल प्रशासनिक प्रक्रियाएँ सरल होंगी, बल्कि नागरिकों का विश्वास भी मजबूत होगा। आर्थिक दृष्टि से एआई नवाचार, स्टार्टअप संस्कृति और विनिर्माण क्षेत्र में नई ऊर्जा भर सकता है, जिससे रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। किन्तु इस उजाले के साथ कुछ गहरी छायाएँ भी हैं। एआई के बढ़ते प्रभाव से रोजगार संरचना में परिवर्तन स्वाभाविक है। अनेक पारंपरिक नौकरियाँ समाप्त हो सकती हैं और नई कौशल-आधारित नौकरियों की माँग बढ़ेगी। यदि कौशल विकास और पुनर्प्रशिक्षण पर समय रहते ध्यान नहीं दिया गया तो असमानता और बेरोजगारी की समस्या गहरा सकती है। इसी प्रकार डेटा गोपनीयता, साइबर सुरक्षा, डीपफेक और निगरानी जैसे प्रश्न लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए चुनौती बन सकते हैं। तकनीक का दुरुपयोग सामाजिक विभाजन और सूचना के दुष्प्रचार को बढ़ा सकता है।

इसलिए आवश्यक है कि एआई के विकास के साथ नैतिक ढाँचे और नियामक व्यवस्था भी सुदृढ़ हो। भारत को ऐसा मॉडल विकसित करना होगा जिसमें नवाचार की स्वतंत्रता और सामाजिक उत्तरदायित्व का संतुलन बना रहे। ÷मानवता केंद्र में÷ का सिद्धांत केवल नारा न बने, बल्कि नीति और व्यवहार में परिलक्षित हो। एआई का उपयोग यदि समावेशी विकास, लैंगिक समानता और सामाजिक न्याय के लिए किया जाए तो यह तकनीक समाज के कमजोर वर्गों के लिए अवसरों का द्वार खोल सकती है। वैश्विक परिप्रेक्ष्य में देखें तो चीन और अमेरिका एआई के क्षेत्र में तीव्र प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। भारत के सामने चुनौती है कि वह इस दौड़ में अपनी विशिष्ट पहचान बनाए। भारत का लोकतांत्रिक ढाँचा, विविध सांस्कृतिक पृष्ठभूमि और विशाल बाजार उसे एक अलग सामर्थ्य प्रदान करते हैं। यदि वह अनुसंधान में निवेश, स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र के सुदृढ़ीकरण और अंतरराष्ट्रीय सहयोग को प्राथमिकता दे तो वह एआई के क्षेत्र में निर्णायक भूमिका निभा सकता है। वैश्विक दक्षिण के देशों के लिए सस्ती, सुलभ और मानव-केंद्रित तकनीक उपलब्ध कराकर भारत एक नैतिक नेतृत्व स्थापित कर सकता है।

'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026' इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह सम्मेलन केवल विचारों का आदान-प्रदान नहीं, बल्कि भविष्य की संरचना का प्रारूप है। यहाँ से निकले संकल्प यदि नीति और क्रियान्वयन में रूपांतरित होते हैं तो भारत तकनीकी आत्मनिर्भरता की ओर एक बड़ा कदम बढ़ा सकेगा। यह अवसर है कि हम एआई को केवल आर्थिक लाभ का साधन न मानें, बल्कि उसे सामाजिक परिवर्तन और मानव कल्याण के माध्यम के रूप में देखें। आज जब दुनिया में मानवीय मूल्यों का क्षरण चिंता का विषय है, तब भारत के पास अवसर है कि वह तकनीक और नैतिकता के समन्वय का उदाहरण प्रस्तुत करे। एआई का विकास यदि करुणा, समावेशन और सतत विकास के आदर्शों के साथ हो तो यह मानवता के लिए वरदान सिद्ध होगा। भारत को अपने युवाओं, शोधकर्ताओं और नीति-निर्माताओं के माध्यम से यह सुनिश्चित करना होगा कि एआई की यात्रा मानवता के उत्थान की यात्रा बने, न कि केवल प्रतिस्पर्धा और वर्चस्व की।

निस्संदेह, ऐसे वक्त में जब कृषि से लेकर चिकित्सा तक और उत्पादन के क्षेत्र में एआई व रोबोटिक्स की दखल बढ़ रही है, प्रचुर श्रमशक्ति की उपलब्धता के बावजूद भारत को समय के साथ कदमताल करनी होगी। हमें एआई व रोबोटिक्स को अपनाना ही होगा। लेकिन सावधानी के साथ ताकि यह नौकरी खाने वाला बनने के बजाय नौकरी देने वाला बने। समय की पुकार है कि हम तकनीकी प्रगति को राष्ट्रीय संकल्प में बदलें। शिक्षा, अनुसंधान, कौशल विकास और नैतिक नेतृत्व के सहारे भारत एआई युग में एक नई पहचान गढ़ सकता है। यदि हम चुनौतियों को स्वीकार कर दूरदर्शिता से आगे बढ़ें तो यह युग भारत के लिए केवल तकनीकी उन्नति का नहीं, बल्कि वैश्विक नेतृत्व और मानवीय पुनर्जागरण का युग सिद्ध हो सकता है।

– ललित गर्ग

वैश्विक सम्मेलन में निर्लज्जता का प्रदर्शन, कांग्रेस का वैचारिक दिवालियापन

एआई इंपैक्ट समिट स्थल पर युवक कांग्रेस कार्यकर्ताओं का अधनंगे होकर प्रदर्शन करना फूहड़ता की पराकाष्ठा है। निर्लज्जता केवल यह नहीं कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भारत की अध्यक्षता वाले एक वैश्विक सम्मेलन में शर्ट उतारकर प्रदर्शन करना आवश्यक समझा, बल्कि यह भी है कि कांग्रेस के नेता इस अर्धनग्न प्रदर्शन की प्रशंसा कर रहे हैं और उसके प्रवक्ता टीवी चैनलों पर अपने लोगों की भद्दी हरकत का बिना किसी संकोच बचाव कर रहे हैं।

यह कांग्रेस के वैचारिक दिवालिएपन का ही परिचायक नहीं, बल्कि इस सवाल का जवाब भी है कि वह लगातार चुनावी पराजय का सामना क्यों कर रही है और उसकी राजनीतिक जमीन क्यों खिसकती जा रही है। कांग्रेस जिस बेशर्मी से अपने कार्यकर्ताओं के शर्ट उतार विरोध प्रदर्शन के औचित्य को सही सिद्ध करने की कोशिश कर रही है, उससे यह भी रेखांकित होता है कि पीएम मोदी का विरोध करते-करते वह सरकार और देश विरोध के अंतर को पूरी तरह भूल चुकी है।

लंबे समय तक केंद्र की सत्ता में रही कांग्रेस इससे अनभिज्ञ नहीं हो सकती कि अंतरराष्ट्रीय महत्व के सम्मेलनों से देश का मान-सम्मान जुड़ा होता है और ऐसे आयोजन देश के कार्यक्रम होते हैं, न कि दल या सरकार विशेष के। कांग्रेस को यह पता ही होगा कि एआई सम्मेलन में एक दर्जन से अधिक देशों के शासनाध्यक्षों और लगभग 75 देशों के प्रतिनिधिमंडलों के साथ चोटी की एआई कंपनियों और उद्योग जगत के जाने-माने प्रतिनिधि आए हैं।

एक तो दुनिया भर का ध्यान आकर्षित करने वाले आयोजन का स्थल दलगत संकीर्ण राजनीतिक हितों की पूर्ति का माध्यम नहीं हो सकता और दूसरे, यदि कांग्रेस को इस सम्मेलन से कोई शिकायत थी तो वह दिल्ली में ही अन्यत्र कहीं पर भी प्रदर्शन कर सकती थी। भारत मंडपम में छल-छद्म से घुसे अर्धनग्न प्रदर्शन करने वाले युवक कांग्रेस के पदाधिकारियों की संख्या तो आठ-दस ही थी, लेकिन उन्होंने समूची कांग्रेस को बदनाम करने के साथ ही भारत को असहज करने की कुचेष्टा की। इस पर हैरानी नहीं कि एआई समिट के आयोजन स्थल में कांग्रेसी कार्यकर्ताओं के भोंडे प्रदर्शन से कांग्रेस के सहयोगी दल भी असहमति जता रहे हैं, लेकिन यह तय है कि कांग्रेस नेतृत्व यह आभास नहीं करने वाला कि उसने दुनिया भर से आए मेहमानों और अंतरराष्ट्रीय मीडिया के समक्ष अपनी क्षुद्रता का ही परिचय दिया। ऐसे कृत्य राजनीतिक निकृष्टता ही कहे जाते हैं।

–धनंजय राजौरा

प्रगतिशील ज्ञान और शिक्षा राष्ट्र के उत्थान की बुनियाद

यह सर्वविदित है कि इतिहास का पन्ना पलटें तो हर सभ्यता ने अपने कई कई रूप बदले हैंद्य संस्कृति ने नए नए नए आयाम का सृजन किया हैद्य वैसे भी जीवन परिवर्तन का पर्याय है एवं विकास का स्वरूप हैद्य यह सर्वकालीन सत्य है कि शिक्षा एवं ज्ञान का महत्व हर संस्कृति, सभ्यता और मानवीय समुदाय के जीवन में एक प्रकाश पुंज की तरह उन्हें विकास की दिशा दिखाते हुए आया हैद्य जिस देश की भाषा जितनी समृद्ध होगी उस देश की सभ्यता संस्कृति और ज्ञान उत्तम शिखर पर होगा और विकास की नई नई धाराएं बहेगी मानवीय विकास के साथ मनुष्य को अधिक परिपक्व को समझदार तथा समृद्ध बनाने में शिक्षा,भाषा, ज्ञान और साहित्य का सर्वाधिक महत्व रहा है शिक्षा चाहे आपके परिवार से प्राप्त हुई हो, स्कूल कॉलेज अथवा किसी शिक्षण संस्थान से प्राप्त हुई हो या भारतीय संस्कृति के वैदिक शास्त्रों से प्राप्त हुई हो, शिक्षा का मनुष्य के व्यक्तित्व के निर्माण में बड़ी अहम भूमिका होती है शिक्षा भी समाज संस्कृति एवं सभ्यताओं के साथ परिवर्तनशील तथा प्रगतिशील है

शिक्षा, ज्ञान तथा संस्कृति और कला साहित्य को देश और विदेश की सीमाओं में बांधा नहीं जा सकता है। यह असीमित भंडार है एवं इसमें आकाशीय ऊंचाइयां भी शामिल रहती हैं शिक्षा और ज्ञान न तो गहराइयां न ही नापी नजा सकती है, और ना ही इसकी ऊंचाई को देखा जा सकता है। पूर्वी सभ्यता जहां अध्यात्म, वेद ,पुराणों पर अवलंबित है, वहीं पश्चिमी सभ्यता ज्ञान विज्ञान नए नए अविष्कार और आकाश की अनछुई कई बातों को उजागर करने वाली है। ऐसी शिक्षा तथा ज्ञान के कारण मानव चंद्रमा पर पहुंच कर एक नई गाथा लिख पाया है वस्तुतः पूर्व तथा पश्चिम ज्ञान विज्ञान तथा शिक्षा के मामले में एकाकार हो चुका है कोई भी भेदभाव या विभाजन रेखा नहीं खींची जा सकती है पूरी सभ्यता ने जहां पाश्चात्य दर्शन से नए नए अविष्कारों हवाई जहाज, इंजन, ग्रामोफोन, रेडियो एवं नई नई टेक्नोलॉजी को अपनाया है वहीं पश्चिमी दर्शन ने भारती ज्ञान विज्ञान संस्कार आयुर्वेद योग धर्म दर्शन को अपना कर अपनी जीवनशैली में शांति तथा सौभाग्य स्थापित किया है यह सब शिक्षा भाषा एवं ज्ञान के बदौलत पूर्व और पश्चिम का मेल संभव हो पाया है शिक्षा और भाषा सदैव ही अज्ञानता के तमस में एक प्रकाश पुंज की तरह देदीप्यमान होता रहा है, नवजीवन की विकास धारा में सदैव महत्वपूर्ण भूमिका निभाता आया है हमारे कई धर्मों में जिनमें जैन ,बौद्ध दर्शन, नव्य वेदांत तथा भारतीय संस्कृति के नवीन चिंतन के सामने आने से नवयुग की कल्पना को साकार किया है। पश्चिम के कई विद्वान और चिंतक जिनमें प्लूटो, अरस्तु, सुकरात, कार्ल मार्क्स, लेनिन ने अनेक विकास के सिद्धांतों को प्रतिपादित किया है। जिसका पूरे विश्व ने खुले दिल से स्वागत किया एवं विकास की नई नई की इबारत लिखी है दूसरी ओर भारत की संस्कृति, सभ्यता और समाज में सदैव आवश्यक सुधार तथा नई नई बुद्धिमता पूर्ण युक्तियों को अपने में आत्मसात करने की एक अलग क्षमता रही है, और विकास का मूल मंत्र भी परिवर्तनशील जीवनशैली ही हैं राजनीति तो सदैव परिवर्तन पर अवलंबित रहती है। स्वतंत्रता के पहले तथा बाद में राजनीतिक घटनाक्रम जिस नव परिवर्तन युग की तरफ अग्रसर हुए हैं वह अत्यंत उल्लेखनीय है भारतीय सभ्यता समाज और संस्कृति जितनी जटिल तथा गूढ है उसको जितना समझा जाए, उसका जितना अध्ययन किया जाए तो उससे नवीन बातें समझ में आती है, और उसके नए नए अर्थ हमारे सामने आते हैं, जिसका बहु आयामी उपयोग हम अपनी जीवनशैली में परिवर्तन करने के लिए सदैव कर सकते हैं। स्वतंत्रता के बाद तो भारत देश ने ज्ञान भाषा तथा संस्कृति में अनेक परिवर्तन किए गांधीजी, जवाहरलाल नेहरू, बाल गंगाधर तिलक, सुभाष चंद्र बोस आदि ने अपनी किताबों में नव परिवर्तन के नए-नए आयामों तथा जीवन शैली के सत्य के साथ प्रयोग को एक नया आयाम दिया है और भारत देश को नए स्वरूप में विश्व में पहचान दिलाई है। पाश्चात्य ज्ञान से हमें अपने आडंबर एवं अंधविश्वास तथा शिक्षा पर विजय प्राप्त करने में काफी मदद प्राप्त हुई है। भारतीय संस्कृति की कई भ्रांतियों को भी हमने ज्ञान तथा भाषा के नवीन प्रयोगो से समाज से दूर किया है। दिन प्रतिदिन जीवन की कार्यशैली में हम यह महसूस करते हैं कि शिक्षा भाषा तथा ज्ञान हमें यह महसूस कर आते हैं कि हम अभी तक कितने पीछे हैं एवं हमें कितने ज्ञान की और आवश्यकता है। हालांकि ज्ञान का कोई और झोर नहीं होता, ज्ञान तथा भाषा एक समृद्ध भंडार है, उसमें आप जितना सीख सकते हैं ज्ञान ले सकते हैं वह अत्यंत लघु होता है। तो हमेशा हमें यह प्रयास करना चाहिए कि हम पल प्रतिपल कुछ ना कुछ हर व्यक्ति, हर समाज, हर सभ्यता से सीखने का प्रयास करें ,क्योंकि ज्ञान भाषा एवं संस्कृति हमें सदैव समृद्ध विकासशील एवं परिवर्तनशील बनाती है और परिवर्तनशील जीवन ही एक नई ऊर्जा, आशा और विकास को जन्म देती है।

–संजीव ठाकुर

संसदीय मर्यादा का घातक क्षरण, यह गहरे संस्थागत संकट का साक्ष्य

लोकतंत्र में विपक्ष का होना केवल संख्याबल नहीं, एक नैतिक अनिवार्यता है। सरकार की आलोचना और उसके निर्णयों पर प्रश्न उठाना विपक्ष का संवैधानिक धर्म है। एक सजग प्रतिपक्ष के बिना लोकतंत्र निरंकुश हो सकता है, किंतु इस बजट सत्र के पहले हिस्से में जो घटा, वह संसदीय परंपरा से विचलन नहीं, बल्कि एक गहरे संस्थागत संकट का साक्ष्य है। यह सत्र विधायी कार्य के लिए नहीं, बल्कि अभूतपूर्व हंगामे और लगातार स्थगन के लिए याद किया जाएगा। संसद के भीतर उपजे दृश्य राजनीतिक मतभेद से परे, उस मर्यादा का सीधा क्षरण थे जिस पर हमारी व्यवस्था टिकी है। संसदीय लोकतंत्र की सफलता सत्तापक्ष के बहुमत के साथ विपक्ष की गंभीरता पर निर्भर करती है। निःसंदेह सरकार की नीतियों पर सवाल उठने चाहिए। संवाद की गुंजाइश हमेशा रहती है, लेकिन क्या संवाद का स्थान सुनियोजित व्यवधान ने ले लिया है? 2014 और 2019 के जनादेशों ने देश में राजनीतिक स्थिरता और निर्णायक नेतृत्व की आकांक्षा को स्पष्ट किया। आर्थिक अनुशासन और बुनियादी ढांचे के विकास ने आत्मविश्वास जगाया।

–सुनील कुमार महला

रफ्तार की कीमतः सड़क पर बुझता युवाओं का भविष्य

सड़क हादसे केवल दुर्घटनाएँ नहीं, बल्कि हमारी लापरवाही और गैर-जिम्मेदार सोच का परिणाम हैं। तेज़ रफ्तार, नशे में ड्राइविंग और मोबाइल का इस्तेमाल युवाओं की ज़िंदगी निगल रहा है। नियमों का पालन कोई मजबूरी नहीं, बल्कि जीवन की सुरक्षा का आधार है। ज़रूरत है कि हम सड़क सुरक्षा को आदत और संस्कार बनाएं। एक छोटी-सी सावधानी, धैर्य और जिम्मेदारी कई परिवारों को उजड़ने से बचा सकती है। युवाओं का भविष्य सुरक्षित सड़कों से ही संभव है।

भारत में सड़क हादसों में युवाओं की लगातार हो रही मौतें आज एक ऐसी सच्चाई बन चुकी हैं, जिसे नज़रअंदाज़ करना अब संभव नहीं है। हर दिन अख़बारों के पन्ने और न्यूज़ चैनलों की सुर्खियाँ हमें यह याद दिलाती हैं कि सड़कें कितनी असुरक्षित होती जा रही हैं। इन हादसों में सबसे अधिक प्रभावित युवा वर्ग हो रहा है–वह वर्ग, जिसे देश का भविष्य कहा जाता है। यह स्थिति न केवल दुखद है, बल्कि पूरे समाज के लिए एक गहरी चेतावनी भी है।

सड़क दुर्घटनाएँ अचानक होने वाली घटनाएँ नहीं होतीं, बल्कि ये अक्सर मानवीय लापरवाही और गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार का परिणाम होती हैं। तेज़ रफ्तार से वाहन चलाना, यातायात नियमों की अनदेखी करना, गलत दिशा में वाहन ले जाना, नींद या थकान की अवस्था में ड्राइव करना, शराब या नशे का सेवन करके गाड़ी चलाना और ड्राइविंग के दौरान मोबाइल फोन का इस्तेमाल–ये सभी कारण मिलकर सड़क को मौत का रास्ता बना देते हैं। चिंताजनक बात यह है कि इनमें से अधिकांश हादसे पूरी तरह रोके जा सकते हैं, यदि थोड़ी-सी सावधानी और समझदारी दिखाई जाए।

युवा अवस्था जोश, आत्मविश्वास और जोखिम उठाने की प्रवृत्ति से भरी होती है। यही गुण जब अनुशासन और जिम्मेदारी से जुड़े हों, तो प्रगति का मार्ग बनाते हैं, लेकिन जब यही जोश लापरवाही में बदल जाए, तो विनाश का कारण बनता है। आज कई युवा तेज़ रफ्तार को शान और नियम तोड़ने को साहस समझने लगे हैं। ÷कुछ नहीं होगा÷ या ÷मैं संभाल लूँगा÷ जैसी सोच उन्हें खतरनाक फैसले लेने के लिए प्रेरित करती है। दुर्भाग्यवश, एक छोटी-सी गलती पूरे जीवन को समाप्त कर देती है। आधुनिक जीवनशैली और तकनीक ने इस समस्या को और जटिल बना दिया है। मोबाइल फोन आज जीवन का अभिन्न हिस्सा बन चुका है, लेकिन ड्राइविंग के दौरान इसका इस्तेमाल जानलेवा साबित हो रहा है। एक पल की असावधानी, एक मैसेज पढ़ने या कॉल उठाने की कोशिश कई जिंदगियों को छीन सकती है। इसके बावजूद लोग इस खतरे को गंभीरता से नहीं लेते। यही उदासीनता सड़क हादसों की बढ़ती संख्या का एक बड़ा कारण है।

शराब पीकर वाहन चलाना भी भारत में सड़क दुर्घटनाओं का प्रमुख कारण है। कई लोग इसे अपराध नहीं, बल्कि सामान्य बात समझते हैं। दोस्तों के साथ पार्टी के बाद खुद गाड़ी चलाने का आत्मविश्वास, या यह सोच कि ÷थोड़ी-सी शराब से क्या फर्क पड़ेगा÷, अक्सर घातक सिद्ध होती है। नशे की हालत में प्रतिक्रिया समय कम हो जाता है और निर्णय लेने की क्षमता कमजोर पड़ जाती है, जिससे दुर्घटना की संभावना कई गुना बढ़ जाती है।

इसके अलावा, नींद की झपकी और थकान भी एक गंभीर लेकिन अक्सर अनदेखा किया जाने वाला कारण है। लंबी दूरी की यात्रा, रात में ड्राइविंग या लगातार काम के बाद वाहन चलाना शरीर और मस्तिष्क पर भारी पड़ता है। कई हादसे केवल इसलिए हो जाते हैं क्योंकि चालक कुछ सेकंड के लिए झपकी ले लेता है। यह कुछ सेकंड किसी के पूरे जीवन पर भारी पड़ सकते हैं।

सरकार और प्रशासन द्वारा सड़क सुरक्षा को लेकर कई प्रयास किए गए हैं। यातायात नियम बनाए गए हैं, जुर्माने बढ़ाए गए हैं, हेलमेट और सीट बेल्ट को अनिवार्य किया गया है और जागरूकता अभियान भी चलाए जा रहे हैं। लेकिन सच्चाई यह है कि कानून तभी प्रभावी होते हैं, जब लोग उन्हें दिल से स्वीकार करें। केवल डर के कारण नियमों का पालन करना पर्याप्त नहीं है; इसके लिए सोच और व्यवहार में बदलाव जरूरी है।

सड़क सुरक्षा को केवल प्रशासन की जिम्मेदारी मान लेना एक बड़ी भूल है। यह हर नागरिक की साझा जिम्मेदारी है। एक चालक के रूप में हमारी लापरवाही न केवल हमारी जान के लिए खतरा है, बल्कि सड़क पर चल रहे अन्य लोगों के जीवन को भी जोखिम में डालती है। पैदल चलने वाले, साइकिल सवार, बुजुर्ग, बच्चे–सभी हमारी एक गलती का शिकार बन सकते हैं।

परिवार और शिक्षा व्यवस्था की भूमिका भी इस संदर्भ में बेहद महत्वपूर्ण है। अभिभावकों को चाहिए कि वे बच्चों को वाहन चलाने की अनुमति देने से पहले उन्हें यातायात नियमों और सड़क सुरक्षा का सही ज्ञान दें। केवल वाहन चलाना सिखा देना पर्याप्त नहीं है; सुरक्षित और जिम्मेदार ड्राइविंग की आदत डालना ज़रूरी है। स्कूलों और कॉलेजों में भी सड़क सुरक्षा को लेकर नियमित जागरूकता कार्यक्रम होने चाहिए, ताकि युवा उम्र से ही इन मूल्यों को अपनाएँ।

मीडिया की भूमिका भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। फिल्मों और विज्ञापनों में अक्सर तेज़ रफ्तार और जोखिम भरी ड्राइविंग को रोमांच और बहादुरी के रूप में दिखाया जाता है। इसका प्रभाव युवाओं पर गहरा पड़ता है। ज़रूरत है कि मनोरंजन के माध्यमों में भी जिम्मेदार संदेश दिए जाएँ और सुरक्षित व्यवहार को बढ़ावा दिया जाए। समाज के स्तर पर भी सोच में बदलाव की आवश्यकता है। हमें यह समझना होगा कि नियम तोड़ना चालाकी नहीं, बल्कि गैर-जिम्मेदारी है। शराब पीकर या बिना हेलमेट के वाहन चलाने वाले को शाबाशी नहीं, बल्कि रोक और समझाइश मिलनी चाहिए।

– डॉ. प्रियंका सौरभ

भारतीय मजदूर संघ का राष्ट्रव्यापी आंदोलन

25 फरवरी को कलेक्टर कार्यालय पर धरना प्रदर्शन कर प्रधानमंत्री के नाम देंगे ज्ञापन

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय मजदूर संघ जिलाध्यक्ष धनंजय गायकवाड, जिला मंत्री अमित पांडे ने बताया कि 25 फरवरी को कलेक्टर कार्यालय पर धरना प्रदर्शन कर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, श्रम मंत्री मनसुख मंडाविया के नाम जिलाधीश को ज्ञापन सौंपेंगे। भारतीय मजदूर संघ का 21 वां अखिल भारतीय त्रि वार्षिक 3 दिवसीय अधिवेशन विगत 6 से 8 फरवरी तक भगवान जगन्नाथ की पवित्र नगरी पुरी उड़िसा में संपन्न हुआ। इस अधिवेशन में देश भर से उपस्थित श्रमिकों से संबंधित ज्वलंत मुद्दों पर गहराई से चर्चा हुई।

तत्पश्चात सभी प्रस्ताव को सर्वानुमति से पारित किया गया। इस अधिवेशन से पहले भारतीय मजदूर संघ के एक प्रतिनिधि मंडल ने श्रम तथा रोजगार मंत्री से मुलाकात की थी तथा अनेक मांगों का एक ज्ञापन पत्र उन्हें सौंपा था। मुलाकात के वक्त मंत्री ने प्रतिनिधि मंडल को भरोसा दिलाया था कि उठाए गए मुद्दों की जांच कर अतिशीघ्र इसका समाधान किया जाएगा।

मांगे- सभी सेक्टर तथा सभी श्रमिकों के लिए, श्रम कानूनों को बिना किसी छूट के अंत्योदय की सच्ची भावना के साथ एक साथ लागू किया जाए।

दो लेबर कोड अर्थात इंडस्ट्रियल रिलेशन कोड 2020 तथा ऑक्यूपेशनल सेफ्टी, हेल्थ एंड वर्किंग कंडीशन कोड 2020 में व्याप्त श्रमिकों की चिंताओं का समाधान किया जाए।

त्रिपक्षीय तंत्र का पुनरूद्धार ओर सुदृढ़ीकरण किया जाए। इंडियन लेबर कांफ्रेंस को अविलंब आहूत किया जाए। अनेक त्रिपक्षीय कमेटियों का पुनर्गठन किया जाए। यह भी सुनिश्चित किया जाए कि यह समितियां प्रभावी तथा नियमित रूप से श्रमिकों के कल्याण हेतु व्यवहारिक रूप से कार्य करें।

इपीएस-95 के अंतर्गत न्यूनतम पेंशन 1000 से बढ़ाकर 7500 प्रतिमाह महंगाई भत्ते के राहत के साथ लागू किया जाए।

इपीएस में अनिवार्य अंशदान के लिए वर्तमान वेतन सीमा 15000 से बढ़ाकर 30000 प्रतिमाह किया जाए। इसी प्रकार वर्तमान में ईएसआईसी के तहत कवरेज के लिए मासिक वेतन सीमा रुपए 21000 हजार है जिसे बढ़ाकर 42000 रु किए जाए बोनस की पात्रता हेतु कैलकुलेशन की वर्तमान सीलिंग 7000 तथा एलिजिबिलिटी सीलिंग लिमिट 21000 रू प्रतिमाह में बढ़ोतरी की जाए।

भारत के संविधान के अनुच्छेद 14, 15,16, और 21 की मूल भावना के अनुसार स्कीम वर्कर और ठेका श्रमिकों को स्थाई किया जाए।

आम भरती पर लगी रोक को तुरंत हटाया जाए तथा नौकरियों में बिना किसी अनिश्चितता या असुरक्षा के गारंटीड रोजगार का भरोसा दिया जाए।

इसके अलावा अधिवेशन के दौरान भिन्न भिन्न उद्योगों में कार्य करने वाले श्रमिकों के हितों की रक्षा और उन्हें आगे बढ़ाने के मकसद से कई सेक्टर विशेष के प्रस्तावों पर विचार विमर्श किया गया और उन्हें सर्वसम्मति से अधिवेशन के प्रस्ताव के रूप में पारित एवं अंगीकार किया गया।

समूचे भारत से आए प्रतिनिधियों द्वारा पारित किए गए। भारतीय मजदूर संघ के 21 वें अखिल भारतीय अधिवेशन में तय हुआ था कि तदनुसार भारतीय मजदूर संघ इन मांगों की ओर केन्द्र और राज्य सरकार का ध्यान आकर्षण करने के लिए पूरे देश में 25 फरवरी को धरना प्रदर्शन करेगा।

मानवता की मिसाल-गुप्त दानदाता ने 350 छात्राओं को वितरित किए स्वेटर

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कड़ाके की ठंड और अभावों के बीच जब सेवा का हाथ बढ़ता है, तो वह न केवल शरीर को गर्माहट देता है बल्कि समाज के प्रति विश्वास भी जगाता है। स्थानीय चिमनाबाई स्कूल में एक ऐसा ही प्रेरक प्रसंग सामने आया है, जहाँ एक सेवाभावी परिवार ने अपनी पहचान गुप्त रखते हुए स्कूल की 350 छात्राओं को निःशुल्क स्वेटर वितरित किए।

वर्षों पुरानी समस्या का हुआ समाधान- विद्यालय के प्राचार्य राजू सातपुते ने जानकारी देते हुए बताया कि विद्यालय में कई छात्राएं ऐसी थीं, जिनके पास यूनिफॉर्म के स्वेटर नहीं थे। आर्थिक अभाव के कारण ये छात्राएं या तो बिना स्वेटर के स्कूल आती थीं या फिर अलग-अलग रंगों के स्वेटर पहनकर आती थीं, जिससे विद्यालय की एकरूपता प्रभावित होती थी। यह समस्या पिछले कई वर्षों से बनी हुई थी।

स्वतः संज्ञान लेकर की पहल- जब इस समस्या की जानकारी एक उदार हृदय वाले परिवार को लगी, तो उन्होंने विद्यार्थियों के प्रति अपनी सद्भावना प्रकट करते हुए स्वतः संज्ञान लिया। परिवार की इच्छा के अनुसार उनका नाम उजागर नहीं किया गया है। उन्होंने विद्यालय की गरिमा और छात्राओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए निर्धारित यूनिफॉर्म वाले 350 स्वेटर भेंट किए।

आयोजन और आभार- इस पुनीत कार्य के लिए आयोजित कार्यक्रम का कुशल संयोजन संजय जोशी द्वारा किया गया। कार्यक्रम के अंत में बाबूलाल भाटी ने दानदाता परिवार का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे निस्वार्थ सेवा कार्य समाज के अन्य लोगों के लिए भी प्रेरणास्त्रोत हैं।

सोशल मीडिया पर बच्चा चोरी का 6 साल पुराना वीडियो किया शेयर, इंस्टाग्राम हैंडलर के खिलाफ केस दर्ज

भोपाल/दैनिक मालवा हेराल्ड। सोशल मीडिया पर बच्चा चोर गिरोह सक्रिय होने का भ्रामक वीडियो पोस्ट करने के मामले में अयोध्या नगर पुलिस ने इंस्टाग्राम हैंडलर के खिलाफ केस दर्ज किया है। आरोपी ने 19 फरवरी 2026 को इंस्टाग्राम आईडी से एक वीडियो अपलोड किया था, जिसमें एक बालक को बांधकर बच्चा चोर बताया गया था। पुलिस जांच में सामने आई वीडियो की पुरानी हकीकत - पुलिस जांच में सामने आया कि यह वीडियो अगस्त 2019 का है और उत्तर प्रदेश के जालौन जिले के एट थाना क्षेत्र का है। उस समय कुछ लोगों ने शराब के नशे में एक बालक को बच्चा चोर बताकर पकड़ लिया था, उसके साथ मारपीट की थी और खंभे से बांध दिया था। डर के कारण बालक ने झूठी कहानी बोल दी थी। बाद में स्थानीय पुलिस ने मामले की जांच कर चार आरोपितों के खिलाफ मारपीट, बंधक बनाने और आइटी एक्ट सहित विभिन्न धाराओं में एफआइआर दर्ज की थी। भोपाल पुलिस के अनुसार, पुराने और झूठे वीडियो को बच्चा चोर गिरोह बताकर वायरल करने से समाज में भय और तनाव का माहौल बनता है। पुलिस आयुक्त के आदेश के तहत ऐसे भ्रामक संदेश फैलाना प्रतिबंधित है। मामले में धारा 223 (ए) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज कर जांच की जा रही है।

ऊर्जा हमारे जीवन की अनिवार्य आवश्यकता है ऊर्जा हानियों का स्तर कम किया जाए

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। ऊर्जा हमारे जीवन की अनिवार्य आवश्यकता है। ऊर्जा ने विभिन्न रूपों में हमारी जीवन-शैली में महत्वपूर्ण स्थान बना लिया है। इन विभिन्न रूपों में बिजली ऊर्जा का वह प्रकार है जो सबको सुगमता से हर कहीं उपलब्ध और सुलभ है। यही कारण है कि ऊर्जा के विभिन्न स्त्रोतों को भी बिजली के रूप में बदलकर उसका उपयोग प्रकाश, यातायात, आवास, स्वास्थ्य, शिक्षा, उद्योग, कृषि जैसी मूलभूत आवश्यकताओं के साथ मनोरंजन, दूरसंचार एवं पर्यटन जैसे सुख-साधन में भी किया जा रहा है। यह संदेश मध्य प्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने उपभोक्ताओं को जागरूक करने के लिए जारी किया है।

वैश्वीकरण के दौर में हमारी जीवन-शैली में तेजी से बदलाव हो रहा है। उदाहरण के रूप में जो काम हम दिन के उजाले में सरलता से कर सकते हैं उन्हें भी हम देर रात तक बिजली की व्यवस्था करके करते हैं। और तो और हम अपने कार्यालयों में बड़े-बड़े पर्दे लगाकर प्राकृतिक प्रकाश में काम करने के बजाए बिजली का उपयोग प्रकाश के लिए कर रहे हैं। हमारी दिनचर्या इस प्रकार बदलती जा रही है कि ऊर्जा की मांग भी दिन-प्रतिदिन बढ़ रही है।

ऊर्जा बचत और ऊर्जा दक्षता के लाभों को ध्यान में रखते हुए राज्य शासन ने मध्यप्रदेश में ऊर्जा संरक्षण के विभिन्न उपाय लागू करने के लिए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। भारत शासन के ऊर्जा मंत्रालय के अधीन स्वायत्तशासी निकाय ''ऊर्जा दक्षता ब्यूरो'' ने विभिन्न क्षेत्रों में ऊर्जा बचत को ध्यान में रखते हुए योजनाएं प्रारंभ की हैं। ऊर्जा दक्षता ब्यूरो द्वारा विभिन्न उपकरणों में ऊर्जा दक्षता की रेटिंग के लिए बीईई स्टार लेबल जारी किए हैं। यह स्टार लेबल ऊर्जा दक्षता के रेटिंग के मानकीकरण और मानक परीक्षण परिस्थितियों में ऊर्जा की खपत को इंगित करने के लिए बनाये गये हैं। रेफ्रिजरेटर, एसी तथा अन्य ऊर्जा उपकरण खरीदते समय आपने इन बीईई स्टार लेबल को अवश्य देखा होगा। पॉच स्टार का मतलब सबसे अधिक ऊर्जा दक्ष उपकरण और उससे कम स्टार पर उससे कम दक्ष उपकरण। अधिक ऊर्जा दक्ष उपकरण से ऊर्जा खपत में अधिक कमी कर पैसा बचाया जा सकता है।

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने बताया है कि एक अनुमान के अनुसार विद्युत के गुणवत्तापूर्ण उपयोग तथा उचित प्रबंधन और अनावश्यक उपयोग पर अंकुश लगाकर औद्योगिक क्षेत्र में 20 से 25 प्रतिशत, कृषि क्षेत्र में 25 से 30 प्रतिशत तथा घरेलू एवं वाणिज्यिक क्षेत्र में 15 से 20 प्रतिशत तक बिजली की बचत की जा सकती है। यदि हम ऊर्जा हानियों में कमी ला सकें और उपभोक्ताओं को ऊर्जा संरक्षण के लिए प्रेरित कर सकें, तो प्रदेश का हित ऊर्जा क्षेत्र में और अधिक कर सकते हैं।

जिले के युवा मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना का लाभ लेकर स्वयं का उद्योग स्थापित करें

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। महाप्रबंधक जिला व्यापार एवं उद्योग केंद ने बताया कि मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना का लाभ लेने के लिए जिले के शिक्षित युवा ऑनलाइन आवेदन शासन के पोर्टल samast.mponline.gov.in के माध्यम से कर सकते रहे है। उन्होंने बताया कि विनिर्माण/सेवा/खुदरा व्यवसाय क्षेत्र का उद्यम स्थापित करने के लिये देवास जिले के इच्छुक 18 से 45 वर्ष के शिक्षित बेरोजगार युवक/युवतियॉ जो आवश्यक दस्तावेज जैसे आधार कार्ड, 8वीं की अंकसूची, जाति प्रमाण पत्र (यदि लागू हो तो), समग्र आयडी, पेनकार्ड, मूल निवासी प्रमाण पत्र, बैंक खाता पासबुक, आयकरदाता प्रमाण पत्र, पासपोर्ट साइज फोटो इत्यादि के साथ उद्योग/सेवा/व्यवसाय की प्रोजेक्ट रिर्पोट के साथ samast.mponline.gov.in के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते है। योजना का लाभ लेने के लिए आवदेक मध्यप्रदेश का मूल निवासी होना चाहिये। आवेदन दिनांक को आयु 18 से 45 वर्ष के मध्य हो। न्यूनतम 8वीं कक्षा उत्तीर्ण हो। परिवार की वार्षिक आय 12 लाख रूपये से अधिक न हो । इस योजना अंतर्गत हितग्राहियों को प्राप्त ऋष्ण पर परियोजना प्रांरभ होने के उपरांत 3 प्रतिशत की दर से अधिकतम 7 वर्षों तक ब्याज अनुदान तथा प्रचलित दर पर ष्टत्तञ्जस्र्स्थ्न शुल्क अधिकतम 7 वर्षो तक देय होगा। इस योजना के अंतर्गत विनिर्माण क्षेत्र मे 50 हजार रूपये से 50 लाख रूपये तक एवं सेवा क्षेत्र/खुदरा व्यवसाय हेतु 50 हजार रूपये से 25 लाख रूपये तक का ऋष्ण बैंक के माध्यम से परियोजना प्रांरभ करने हेतु उपलब्ध होगा। इस संबंध में अधिक जानकारी हेतु जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र, वृद्धाश्रम के पास राजोदा रोड देवास में कार्यालयीन समय में आकर संपर्क कर सकते हैं।

शिक्षकों की बड़ी जीत... हाई कोर्ट का आदेश- 60 दिन के भीतर दें द्वितीय क्रमोन्नति और वेतन लाभ

जबलपुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति मनिंदर सिंह भट्टी की एकलपीठ ने संयुक्त आयुक्त लोक शिक्षण को निर्देश दिए कि याचिकाकर्ता शिक्षकों को द्वितीय क्रमोन्नति व अन्य वेतन लाभ प्रदान करें। कोर्ट ने इसके लिए 60 दिन की मोहलत दी है। कटनी निवासी मान सिंह बरकड़े सहित अन्य की ओर से अधिवक्ता मोहनलाल शर्मा, शिवम शर्मा व जितेन्द्र गर्ग ने पक्ष रखा। उन्होंने बताया कि याचिकाकर्ता उच्च माध्यमिक शिक्षक के रूप में पदस्थ हैं। राज्य शासन के 2023 के परिपत्र के तहत वे द्वितीय क्रमोन्नति के हकदार हैं। याचिकाकर्ताओं के समकक्ष अन्य को उक्त लाभ दे दिया गया है। इसके अलावा यह मांग भी की गई कि याचिकाकर्ताओं का सही वेतन निर्धारण कर उन्हें एरियर्स व अन्य लाभ भी प्रदान करें। कोर्ट ने उक्त अधिकारी को कहा कि यदि याचिकाकर्ता पात्र हैं तो उन्हें लाभ प्रदान करें ताकि उन्हें पुन- अदालत आने के लिए बाध्य नहीं होना पड़े।

मुझ पर जानलेवा हमले की साजिश... जबलपुर में राज्यसभा सांसद की गाड़ी को मारी टक्कर, पुलिस की देरी पर भड़कीं

जबलपुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्य प्रदेश से भाजपा की राज्यसभा सदस्य सुमित्रा बाल्मीक ने अपनी जान को खतरा होने का संदेह जताया है। दरअसल शुक्रवार रात जबलपुर के रांझी थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार कार ने उनके वाहन को टक्कर मार दी थी।

घटनाक्रम में किसी को चोट नहीं आई, लेकिन वे और उनका स्टाफ दहशत में आ गया। उन्होंने पुलिस अधीक्षक सम्पत उपाध्याय को फोन कर घटना की सूचना दी, लेकिन सुनसान सड़क पर करीब 20 मिनट इंतजार के बाद पुलिसकर्मी पहुंचे। सुमित्रा बाल्मीक ने बताया कि सफेद रंग की कार ने उनकी गाड़ी को पीछे से टक्कर मारी थी। वाहन चालक या तो नशे में था या फिर जानबूझकर टक्कर मारी है, घटना के बाद वह कार लेकर फरार हो गया।

अब तक पता नहीं चला। उन्हें अंदेशा है कि उनकी जान लेने के इरादे से गाड़ी में टक्कर मारी गई है। उन्हें अंदेशा है कि उनकी जान लेने के इरादे से यह टक्कर मारी गई है।

पुलिस की कार्यप्रणाल पर सवाल उठाए- सुमित्रा बाल्मीक ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए। उन्होंने रात दो बजे रिपोर्ट दर्ज कराते हुए कहा कि गोकलपुर क्षेत्र में नशाखोरी और अपराध बढ़ा है। पुलिस जनप्रतिनिधि के साथ हुए हादसे में इतनी देर से पहुंची। जाहिर है कि कोई सामान्य व्यक्ति घायल होता तो इलाज मिलने से पहले ही मर जाता।

लिपिक वर्गीय कर्मचारियों के लिए लेखा प्रशिक्षण-सत्र 1 अप्रैल से 30 जून तक

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। लेखा प्रशिक्षण शाला भोपाल में नियमित लेखा प्रशिक्षण सत्र 01 अप्रेल से प्रारंभ होकर 30 जून तक संचालित होगा। प्रशिक्षण में सम्मलित होने के इच्छुक भोपाल एवं नर्मदापुरम संभाग के अंतर्गत सभी जिलो के लिपिक वर्गीय शासकीय कर्मचारियों को निर्देशित किया गया है की वे अपने आवेदन-पत्र तीन मूल प्रतियों में कार्यालय प्रमुख से अभिप्रमाणित कराकर लेखा प्रशिक्षण शाला में 16 मार्च जमा करें।

प्राचार्य लेख प्रशिक्षण शाला ने बताया कि वित्त विभाग के अनुसार वही लिपिक वर्गीय शासकीय कर्मचारी पात्र होंगे जिनकी परिवीक्षा अवधि पूर्ण हो चुकी है तथा जिन्होंने सीपीसीटी परीक्षा पास की हो या फिर नियमानुसार छूट प्राप्त हो। आवेदन-पत्र के साथ अनिवार्य शैक्षणिक योग्यता प्रमाण-पत्र की कापी देना होगी। आवेदन-पत्र पर कर्मचारी को पासपोर्ट साइज फोटो लगाना होगा। अनुसूचित जाति और अनुसुचित जनजाति वर्ग के कर्मचारियों को जाति प्रमाण-पत्र भी कार्यालय प्रमुख से सत्यापित कर संलग्न करना होगा। वित्त विभाग के निर्देशानुसार स्थानीय निकाय और अर्धशासकीय संस्थाओं के लिपिक वर्गीय कर्मचारी जिनकी परिवीक्षा अवधि पूर्ण हो चुकी है, वे भी लेखा प्रशिक्षण के लिए पात्र होंगे। ऐसे कर्मचारियों को प्रशिक्षण शुल्क 05 हजार रूपये का चालान सत्र में प्रवेश के समय अनिवार्य रूप से जमा कराना होगा।

काम करने गई महिला से मकान मालिक ने की अश्लील हरकत, बेटी के शोर मचाने पर इकट्ठा हुआ मोहल्ला

ग्वालियर/दैनिक मालवा हेराल्ड। कंपू क्षेत्र में एक महिला के साथ छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। महिला जिस घर में काम करने जाती है उसके मकान मालिक द्वारा छेड़छाड़ की गई। महिला ने शोर मचाया तो उसका मुंह दबाया फिर जान से मारने की धमकी भी दी गई। इस मामले में कंपू थाना पुलिस ने एफआइआर दर्ज कर ली है। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि वह अवाड़पुरा निवासी फारुख खान के यहां काम करने जाती है। फारुख के यहां काम करने गई तो घर में कोई और नहीं था। वह ऊपर के कमरे में सफाई कर रही थी। तभी फारुख यहां आ गया। उसने उसका हाथ पकड़ा और अश्लील हरकत शुरू कर दी। जब वह भागकर नीचे आई तो वह भी पीछे आ गया। यहां से शोर मचाने का प्रयास किया तो मुंह दबा दिया। फिर जान से मारने की धमकी दी। तभी महिला की बच्ची आ गई, उसने शोर मचाया। मोहल्ले के लोग इकट्ठे हो गए। आरोपित यहां से भाग निकला। महिला अपनी बेटी के साथ कंपू थाने पहुंची और एफआइआर दर्ज करवाई।

संकल्प से समाधान अभियान : 62 हजार से अधिक समस्याओं का समाधान, भरोसे का बना मजबूत आधार

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रदेश सरकार द्वारा जनसमस्याओं और लंबित प्रकरणों के त्वरित निराकरण के उद्देश्य से संचालित ÷संकल्प से समाधान÷ अभियान सीहोर जिले में सुशासन और प्रभावी प्रशासन का सशक्त उदाहरण बनकर उभरा है। अभियान के तहत 19 फरवरी 2026 तक जिले में कुल 67,301 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 62,317 आवेदनों का सफलतापूर्वक निराकरण किया जा चुका है, जबकि शेष प्रकरणों के समाधान की प्रक्रिया तेज़ी से जारी है। यह उपलब्धि दर्शाती है कि प्रशासनिक स्तर पर निरंतर मॉनिटरिंग और समन्वित प्रयासों से आमजन की समस्याओं का समय-सीमा में समाधान संभव है। सहकारिता विभाग में किसान क्रेडिट कार्ड योजना के अंतर्गत सर्वाधिक 23,263 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 23,233 का निराकरण कर किसानों को त्वरित आर्थिक सहयोग उपलब्ध कराया गया, जिससे खेती-किसानी के कार्यों में सहूलियत मिली और किसानों का भरोसा मजबूत हुआ।

स्वास्थ्य क्षेत्र में भी उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की गई है। आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत प्राप्त 9,094 आवेदनों में से 8,873 का निराकरण कर पात्र हितग्राहियों को उपचार की सुविधा सुनिश्चित की गई। इसी प्रकार प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के 424 में से 288 तथा लाडली लक्ष्मी योजना के 311 में से 214 प्रकरणों का समाधान कर महिलाओं और बालिकाओं को योजनाओं का लाभ सुनिश्चित किया गया। सामाजिक न्याय विभाग द्वारा विभिन्न पेंशन योजनाओं के अंतर्गत हजारों आवेदनों का निराकरण कर जरूरतमंद नागरिकों को राहत दी गई है। राजस्व विभाग में चालू खसरा-खतौनी की प्रतिलिपि के 6,297 आवेदनों में से 4,728 का निराकरण किया गया, वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में भवन निर्माण अनुमति के 6,110 में से 5,977 प्रकरणों का समाधान सुनिश्चित किया गया। नगरीय विकास विभाग में नो ड्यूज प्रमाण पत्र के 2,560 में से 2,552 आवेदन निराकृत किए गए, जबकि सामान्य प्रशासन विभाग ने आय, निवास और जाति प्रमाण पत्रों के अधिकांश प्रकरणों का समय-सीमा में निराकरण कर नागरिकों को त्वरित सेवाएं प्रदान कीं।

ब्लॉक स्तर पर भी अभियान की सफलता स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। आष्टा (ग्रामीण) में 25,069 में से 25,068 आवेदनों का निराकरण कर लगभग शत-प्रतिशत उपलब्धि प्राप्त की गई। भैरूंदा में 7,644 में से 7,061, बुधनी (ग्रामीण) में 7,575 में से 5,403, सीहोर (ग्रामीण) में 7,039 में से 5,925 तथा इछावर (ग्रामीण) में 6,199 में से 5,827 प्रकरणों का समाधान कर आमजन को राहत प्रदान की गई। नगरीय निकायों में कोठारी, शाहगंज और जावर क्षेत्रों में प्राप्त सभी आवेदनों का शत-प्रतिशत निराकरण कर प्रशासन ने मिसाल कायम की है। यह अभियान न केवल समस्याओं के समाधान का माध्यम बना है, बल्कि शासन और आमजन के बीच विश्वास को भी और अधिक सुदृढ़ कर रहा है।

4.38 लाख करोड़ का ऐतिहासिक बजट, हर वर्ग के विकास का मजबूत आधारः सखलेचा

'GYANII' मॉडल पर आधारित बजट में किसान, युवा, महिला, गरीब और अधोसंरचना को प्राथमिकता

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रदेश के पूर्व एमएसएमई मंत्री एवं जावद विधायक ओमप्रकाश सखलेचा ने मध्यप्रदेश सरकार द्वारा प्रस्तुत वित्तीय वर्ष 2026-27 के ? 4,38,317 करोड़ के बजट को ऐतिहासिक, जनहितैषी और सर्वस्पर्शी बजट बताते हुए कहा कि यह बजट प्रदेश के समग्र विकास और आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

श्री सखलेचा ने नीमच स्थित भाजपा जिला कार्यालय तपोभूमि पर मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि यह बजट 'GYANII' मॉडल पर आधारित है, जिसमें गरीब कल्याण, युवा सशक्तिकरण, अन्नदाता किसानों की उन्नति, महिला सशक्तिकरण, अधोसंरचना विकास तथा निवेश और उद्योग को प्राथमिकता दी गई है। उन्होंने कहा कि सरकार ने आम जनता को राहत देते हुए कोई नया कर नहीं लगाया है और न ही कर दरों में वृद्धि की है, जो सरकार की जनहितकारी सोच को दर्शाता है।

उन्होंने बताया कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था निरंतर मजबूत हो रही है और वर्ष 2026-27 में सकल राज्य घरेलू उत्पाद 18.48 लाख करोड़ से अधिक होने का अनुमान है। सरकार ने वर्ष 2026 को 'किसान कल्याण वर्ष' के रूप में समर्पित करते हुए कृषि एवं संबंधित क्षेत्रों के लिए 1,15,013 करोड़ का प्रावधान किया है। प्रधानमंत्री कृषक सूर्य मित्र योजना के तहत किसानों को 1 लाख सोलर सिंचाई पंप उपलब्ध कराए जाएंगे, जिससे कृषि क्षेत्र को नई मजबूती मिलेगी।

श्री सखलेचा ने कहा कि अधोसंरचना विकास के लिए 1 लाख करोड़ से अधिक का निवेश किया जा रहा है, जिससे सड़कों, पुलों, सिंचाई और शहरी विकास के क्षेत्र में तेजी आएगी तथा रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। मुख्यमंत्री मजरा-टोला सड़क योजना, केन-बेतवा लिंक परियोजना तथा शहरी विकास योजनाएं प्रदेश के विकास को नई दिशा देंगी।

उन्होंने बताया कि महिला सशक्तिकरण के लिए मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना के तहत ? 23,883 करोड़ का प्रावधान किया गया है। इसके साथ ही स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार और सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण प्रावधान किए गए हैं, जिससे समाज के हर वर्ग को लाभ मिलेगा।

श्री सखलेचा ने कहा कि यह बजट प्रदेश के गरीब, किसान, युवा, महिला, कर्मचारी, व्यापारी और उद्यमी सभी वर्गों के हितों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है और यह मध्यप्रदेश को विकसित राज्य बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

इस अवसर पर नीमच विधायक दिलीप सिंह परिहार एवं भाजपा जिला अध्यक्ष वंदना खंडेलवाल विशेष रूप से उपस्थित रहे।

कलेक्टर ऋतुराज सिंह ने दृष्टिहीन कन्या विद्यालय में कंप्यूटर लैब का किया शुभारंभ

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर ऋतुराज सिंह ने दृष्टिहीन कन्या विद्यालय में नवनिर्मित कंप्यूटर लैब का शुभारंभ किया। यह लैब स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) देवास द्वारा कॉरपोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी (सीएसआर) के अंतर्गत निर्मित की गई है। बैंक ने विद्यालय को पूर्ण सुसज्जित कंप्यूटर लैब प्रदान करने के साथ-साथ तीन आधुनिक कंप्यूटर भी भेंट किए हैं।

शुभारंभ अवसर पर कलेक्टर ऋतुराज सिंह ने कहा, ÷एसबीआई बैंक द्वारा बहुत ही सुंदर एवं उपयोगी कंप्यूटर लैब तैयार की गई है, इसके लिए मैं बैंक का हृदय से धन्यवाद देता हूं। यह पुण्य का कार्य है। संस्था के सभी सदस्य इन बालिकाओं के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में अथक प्रयास कर रहे हैं। संस्था द्वारा बालिकाओं के कौशल विकास हेतु निरंतर कार्य किए जा रहे हैं। अब कंप्यूटर लैब एवं कंप्यूटरों की उपलब्धता से ये बालिकाएं कंप्यूटर के क्षेत्र में भी निपुणता प्राप्त कर जीवन में आगे बढ़ सकेंगी।÷ इस दौरान कलेक्टर ऋतुराज सिंह ने छात्रों से चर्चा भी की

कार्यक्रम की शुरुआत अर्चना चतुर्वेदी द्वारा प्रस्तुत शिव वंदना एवं विद्यालय की बालिकाओं द्वारा गाए गए स्वागत गीत से हुई। बालिकाओं ने हारमोनियम एवं तबला की संगत में शानदार प्रस्तुति दी।

कार्यक्रम में कलेक्टर ऋतुराज सिंह ने क्रिकेट की शिक्षिका कुमारी पूजा वर्मा एवं क्रिकेट टीम की बालिकाओं ङ्क कुमारी निकिता, कुमारी नंदिनी, कुमारी शिवानी, कुमारी रेणुका एवं कुमारी आरती को पुष्पमाला पहनाकर एवं सम्मान पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

इस अवसर पर सामाजिक न्याय विभाग की उप संचालक श्रीमती संगीता यादव , एसबीआई बैंक देवास के क्षेत्रीय प्रबंधक विजय नाथ मिश्रा, संस्था के संरक्षक बलजीत सिंह सलूजा, अध्यक्ष राजेंद्र मूंदड़ा सहित अन्य पदाधिकारी, एसबीआई से श्रीमती पूर्ति जैन, श्रीमती श्वेता, श्री सुनील मेहता तथा सहित अन्य संबंधित उपस्थित थे। आभार विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती सीमा सोनी ने व्यक्त किया।

स्वर्गीय श्री हरिसिंह पंवार की 52वीं पुण्यतिथि मनाई

परिवारजन एवं भाजपा नगर मंडल बदनावर के साथी उपस्थित रहे

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आज भाजपा के वट वृक्ष स्वर्गीय श्री हरिसिंह जी पंवार (जनसंघ संगठन मंत्री धार-झाबुआ-अलीराजपुर) की 52 वी पुण्यतिथि के अवसर पर श्री हरिसिंह जी पंवार उद्यान बदनावर में स्थित प्रतिमा पर परिवार जन एवं भारतीय जनता पार्टी नगर मंडल बदनावर द्वारा माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधियों द्वारा उनके जीवन चरित्र पर विस्तृत वर्णन करते हुए बताया स्वर्गीय श्री हरिसिंह पंवार भारतीय जनसंघ और आगे चलकर भारतीय जनता पार्टी की वैचारिक नींव को मजबूत करने वाले उन कर्मयोगी नेताओं में से थे, जिन्होंने संगठन को गांव-गांव तक पहुँचाने में अपना संपूर्ण जीवन समर्पित कर दिया। धार-झाबुआ-अलीराजपुर क्षेत्र में जनसंघ के संगठन मंत्री के रूप में उनका कार्य केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि सामाजिक जनजागरण का अभियान था।

वे एक ओजस्वी कवि और प्रभावशाली जननेता भी थे। वे अपनी कविताओं के माध्यम से समाज में चेतना जगाने का कार्य करते थे। किसानों की पीड़ा, उनकी मेहनत और उनके अधिकारों की आवाज़ को उन्होंने अपनी रचनाओं में प्रमुख स्थान दिया। उनकी प्रसिद्ध कविता जागो जागो रे किसान, निंदिया त्यागो रे किसान केवल शब्दों का समूह नहीं थी, बल्कि किसान समाज को जागृत करने का आह्वान थी। इस कविता ने उस समय किसानों में आत्मविश्वास और अधिकार चेतना का संचार किया, जिससे जनसंघ के प्रति किसानों का विश्वास और समर्थन बढ़ा।

उनका जीवन त्याग, तपस्या और संगठन निष्ठा का अद्भुत उदाहरण था। उन्होंने सत्ता या पद की अपेक्षा किए बिना राष्ट्र और समाज सेवा को सर्वोपरि माना। उनका मानना था कि मजबूत संगठन ही राष्ट्र निर्माण की आधारशिला है, और इसी भावना के साथ उन्होंने अपना जीवन समर्पित किया। आज भारतीय जनता पार्टी जिस विशाल वटवृक्ष के रूप में देश में स्थापित है, उसकी जड़ों में ऐसे ही अनगिनत कर्मयोगियों का त्याग और परिश्रम समाहित है।

उनकी सादगी, कर्तव्यनिष्ठा और राष्ट्रभक्ति सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। तात्कालिक समय में उनके द्वारा लिखी गई कविताओं का संग्रह दीप माला पुस्तक के रूप में छपा था। साथ ही एचएमवी म्यूजिक कंपनी द्वारा उनकी कविता भी रिकॉर्ड की गई थी जो की भाजपा के राष्ट्रीय कार्यालय पर आज भी संजोई हुई है।

इस अवसर पर परिवार के वरिष्ठ अंतरसिंह पंवार, सोहनसिंह पंवार, धीरसिंह पंवार, निलेशसिंह पंवार, भाजयुमो नगर मंडल अध्यक्ष निशांतसिंह भाटी सहित भाजपा वरिष्ठ नेता प्रजेंद्र भट्ट, राजेंद्र सराफ, नगर परिषद उपाध्यक्ष राजेंद्रसिंह पंवार, पार्षद अनीता संतोष चौहान, भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष मनीष गुर्जर, महामंत्री संतोष राव, गौरव होती, अंशुमन जी जोशी, पवन चावला, सुनील परमार, विजय गोयल, दिलीपसिंह चौहान, दीपक परमार, राहुल जैन, प्रदीप सेन, राजा माली उपस्थित थे।

कांग्रेस का मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर कांग्रेस व ब्लाक कांग्रेस द्वारा प्राकृतिक आपदा (असमय वर्षा) के कारण किसानों की गेहूं एवं अन्य फसलों में हुई क्षति का तत्काल सर्वे कराकर बीमा कंपनी से मुआवजा एवं राज्य सरकार से राहत राशि दिलाने की मांग को लेकर कर मुख्यमंत्री के नाम एसडीएम प्रियंका मिमरोट को ज्ञापन दिया। ज्ञापन में मांग की गई कि बदनावर क्षेत्र सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में हाल ही में हुई असमय वर्षा एवं प्राकृतिक आपदा के कारण किसानों की गेहूं एवं अन्य रबी फसलों को भारी नुकसान हुआ है। गेहूं की फसल आड़ी पड़ जाने से उत्पादन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने के साथ-साथ उसके दानों के रंग एवं गुणवत्ता खराब होने की पूर्ण संभावना है जिससे किसानों को आर्थिक हानि उठानी पड़ेगी।

अतः किसानों के हित में तत्काल आवश्यक कार्यवाही कर प्रभावित क्षेत्रों में फसलों का तत्काल सर्वे करवाया जाए एवं शासकीय खरीदी में किसी भी स्थिति में समस्त किसानों का गेहूं खरीदा जाए गुणवत्ता में आई प्राकृतिक गिरावट को ध्यान में रखते हुए राहत प्रदान की जाए। प्रभावित किसानों के खातों में तत्काल राहुत राशि हस्तांतरित की जाए।

बीमा कंपनी के माध्यम से किसानों को शीध फसल बीमा क्लेम दिलवाया जाए व सहकारिता बैंकों से लिए गए कृषि ऋष्टा की वसली की तिथि बढ़ाकर मार्च के स्थान पर 15 मई तक करने के आदेश जारी किए जाएं।

ज्ञापन देते वक्त जिला संगठन महासचिव परितोष सिंह राठौड़ नगर कांग्रेस अध्यक्ष मुकेश होती, मनीष बोकाडिया, विधायक प्रतिनिधि कैलाश गुप्ता, संदीप महेश्वरी, निर्मल वर्मा, विनोद शर्मा, साजीद खान, जिला युवा कांग्रेस महासचिव यशवर्धन सिंह पंवार,मुख्तियार अली, महेश मुकाती, भेरूलाल वसुनिया देवेंद्र सिंह पवार, उमेश पाटीदार, सुरेश माली,अजय गामड़,संदीप चौधरी, शंभू बारिक, सुनील जाट,पहलाद सरपंच, मुंशी भाई,सोनु डोडिया सहित कई कार्यकर्ता मौजूद थे। ज्ञापन का वचन ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष निरंजनसिंह पंवार ने किया। जानकारी विधायक प्रतिनिधि कैलाश गुप्ता द्वारा दी गई।

भोपाल में जमीन खरीदना होगा महंगा, शहरी क्षेत्रों की 551 प्राइम लोकेशन पर 11% की बढ़ोत्तरी प्रस्तावित

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भोपाल में जमीन और मकान खरीदना अब महंगा होने वाला है। जिला मूल्यांकन समिति ने आगामी वित्तीय वर्ष के लिए कलेक्टर गाइडलाइन का नया प्रस्ताव तैयार कर लिया है। शनिवार को कलेक्ट्रेट में आयोजित बैठक में शहर की कई प्राइम लोकेशन पर दरों में भारी बढ़ोतरी का सुझाव दिया गया है।

कलेक्टर गाइडलाइन का नया प्रस्ताव तैयार- भोपाल कलेक्ट्रेट में शनिवार को कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह की अध्यक्षता में जिला मूल्यांकन समिति की महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। इस बैठक में वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए प्रस्तावित कलेक्टर गाइडलाइन का खाका पेश किया गया। पंजीयन अधिकारियों ने जिले भर की प्रॉपर्टी दरों की समीक्षा के बाद अपना प्रस्ताव समिति के समक्ष रखा।

551 लोकेशन पर 11 प्रतिशत तक बढ़ेंगे दाम- प्रस्ताव के अनुसार, जिले में प्रॉपर्टी की दरों में औसत वृद्धि करीब डेढ़ प्रतिशत प्रस्तावित की गई है। हालांकि, भोपाल के शहरी क्षेत्रों की स्थिति इससे अलग है। अधिकारियों ने बताया कि शहर की 551 चुनिंदा लोकेशन ऐसी हैं, जहां विकास और मांग को देखते हुए प्रॉपर्टी की दरों में 11 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी का प्रस्ताव दिया गया है। इन क्षेत्रों में हाल के दिनों में संपत्तियों की रजिस्ट्री और बाजार मूल्यों में बड़ा उछाल देखा गया है।

राजस्व और विकास को ध्यान में रखकर लिया गया निर्णय- बैठक में कलेक्टर ने पंजीयन अधिकारियों के प्रस्ताव पर चर्चा की और क्षेत्रवार दरों की समीक्षा की। इस वृद्धि के पीछे का मुख्य उद्देश्य बाजार दरों और सरकारी गाइडलाइन के बीच के अंतर को कम करना है। प्रस्तावित गाइडलाइन पर अब आगे की प्रक्रिया पूरी की जाएगी, जिससे शासन के राजस्व में भी बढ़ोतरी की उम्मीद है।

संस्कारों की मिसाल नेत्रदान, सेठ झमकलाल मूणत के निधन पर परिवार ने नेत्रदान किया

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जब संस्कार और संवेदनाएं एक साथ खड़े होते हैं, तब समाज में मानवता की सर्वोत्तम मिसाल जन्म लेती है। नगर के सेठ झमकलाल मूणत के निधन उपरांत उनकी धर्मपत्नी श्रीमती चंद्रकांता मूणत ने अद्वितीय साहस और दृढ़ संकल्प का परिचय देते हुए नेत्रदान का निर्णय लिया। उन्होंने अपने पति के नेत्रदान के संकल्प को सम्मान देते हुए पुत्र प्रकाश मूणत, उमेश मूणत एवं समस्त परिजनों को इस पुण्य कार्य के लिए प्रेरित किया। शोक की घड़ी में लिया गया उनका यह निर्णय समाज के लिए अत्यंत प्रेरणादायी और अनुकरणीय है। नेत्रदान के क्षेत्र में जनजागरूकता और सेवा के लिए समर्पित नेत्रम संस्था के प्रयासों से नेत्रदान सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

मेडिकल कॉलेज टीम की सराहनीय भूमिका- नेत्रम संस्था के हेमन्त मूणत ने बताया कि परिजनों की सहमति मिलते ही रतलाम मेडिकल कॉलेज की डीन डॉ. अनीता मुथा को सूचना दी गई। उनके निर्देशन में नेत्र विभागाध्यक्ष डॉ. रिशेन्द्र सिसोदिया के नेतृत्व में नर्सिंग ऑफिसर राजवंत सिंह, विनोद कुशवाह तथा मुकेश डोडियार के सहयोग से नेत्रदान की प्रक्रिया पूरी संवेदनशीलता और तत्परता के साथ सफलतापूर्वक संपन्न की गई।

भ्रांतियां हुई दूर, संकल्प हुआ मजबूत- नेत्रदान के दौरान परिवारजनों ने कॉर्निया लेने की प्रक्रिया को स्वयं देखा, जिससे उनकी शंकाएं दूर हुई और उन्होंने भविष्य में भी नेत्रदान के प्रति जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया। नेत्रम संस्था ने मूणत परिवार को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया तथा उनके मानवीय योगदान के प्रति आभार व्यक्त किया।

भोपाल में सियासी घमासान, पथराव में भाजयुमो जिला मंत्री की नाक टूटी

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल का सियासी माहौल उस वक्त तनावपूर्ण हो गया, जब कांग्रेस प्रदेश कार्यालय रणक्षेत्र में तब्दील हो गया। शिवाजी नगर स्थित कांग्रेस मुख्यालय में भाजपा कार्यकर्ताओं के घुसने और तोड़फोड़ करने के बाद दोनों पक्षों के बीच हिंसक झड़प हुई। यह राजनीतिक विरोध देखते ही देखते खूनी संघर्ष में बदल गया।

दोनों ओर से हुए पथराव में भारी नुकसान हुआ है। इस हिंसा में भाजयुमो के जिला मंत्री मोहित अग्निहोत्री की नाक की हड्डी टूट गई है। वहीं, दूसरी ओर कांग्रेस जिला अध्यक्ष (ग्रामीण) गोपिल कोतवाल के सिर पर गंभीर चोट आई है, जिसके चलते उन्हें आईसीयू (ढ्ढष्ट) में भर्ती कराया गया है। घटना में दोनों दलों के लगभग आधा दर्जन अन्य कार्यकर्ता भी घायल हुए हैं। कांग्रेस का आरोप है कि भाजपा समर्थकों ने दफ्तर में घुसकर खिड़कियों के शीशे तोड़ दिए और बाहर लगे पोस्टरों को फाड़ दिया। मौके पर जमकर नारेबाजी और धक्का-मुक्की हुई। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए राजधानी में भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने इस हमले की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए इसे लोकतंत्र पर प्रहार बताया है।

दिल्ली में एआई इम्पैक्ट समिट के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं के अर्धनग्न प्रदर्शन के विरोध में भारतीय जनता युवा मोर्चा का पूरे प्रदेश में प्रदर्शन है।

सर्वे की मांग को लेकर पूर्व मंत्री दत्तीगांव ने कलेक्टर को लिखा पत्र

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। क्षेत्र में गत दिनों हुई बे मौसम बारिश से कई गांव में किसानों की फैसले प्रभावित होने की शिकायत मिलने पर प्रदेश सरकार के पूर्व कैबिनेट मंत्री व पूर्व विधायक राजवर्धनसिंह दत्तीगांव ने सर्वे की मांग को लेकर कलेक्टर को पत्र लिखा। पत्र में बताया कि गत दिनों बारिश होने से कई गांव में किसानों की फसल में नुकसान हुआ है। कई किसानों की फसल बारिश व हवा से प्रभावित हुई है। किसानों को उचित मुआवजा मिले। इसके लिए तत्काल सर्वे करने के लिए दल गठित किया जाए। पत्र की प्रति बदनावर व धार एसडीएम को भी भेजी गई है।

शपथ ग्रहण एवं फागोत्सव का आयोजन कल

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अकोदिया रंगों का महापर्व होली में अभी 10 दिन का समय ही शेष बचा है ऐसे में बच्चों से लेकर बड़ों तक में होली का उत्साह दिखाई देने लगा है वहीं सामाजिक संस्थाओं के फाग उत्सव भी होना प्रारंभ हो गए हैं इसी कड़ी में अखिल भारतीय अग्रवाल महासभा महिला प्रकोष्ठ नगर इकाई अकोदिया के तत्वाधान में 22 फरवरी रविवार को फागउत्सव एवं महासभा के नगर व जिला इकाई के नवनियुक्त पदाधिकारीयों का शपथ विधि समारोह श्री श्याम जी अग्रवाल के परिसर में दोपहर 3ः00 से होगा नगर अध्यक्ष हनी गुप्ता ने बताया की फाग उत्सव में राधा कृष्ण के संग होली खेली जाएगी एवं महासभा जिला अध्यक्ष कमलेश अग्रवाल महिला प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष ममता अग्रवाल की उपस्थिति में नवनियुक्त पदाधिकारीयों को नियुक्ति पत्र भेंट कर शपथ ग्रहण करवाई जाएगी इस अवसर पर महासभा की होने वाली सामाजिक गतिविधियों को समाचार पत्र के माध्यम से प्रकाशन कर सहयोग करने वाले पत्रकारों का सम्मान भी किया जाएगा।

महामंडलेश्वर साध्वी आत्मचेतना गिरी महाराज के मुखारविंद से श्रीमद् भागवत कथा आज से प्रारंभ

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भुवानीखेड़ा रोड पर स्थित अतिप्राचीन श्री एकवीरा मंदिर प्रांगण में आज से महामंडलेश्वर साध्वी आत्मचेतना गिरी महाराज के मुखारविंद से सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा प्रारंभ होगी। कथा प्रतिदिन दोपहर 12 से 3 बजे तक सुनाई जाएगी। कथा के दौरान कृष्ण जन्मोत्सव सहित श्रीकृष्ण लीला के अनेक प्रसंगों का विशेष आयोजन होगा। अंतिम दिन 28 फरवरी को पूर्णाहुति के साथ महाप्रसादी का आयोजन किया जाएगा। उक्त कथा का आयोजन पाटीदार समाज के वरिष्ठ सुरेशचंद्र पाटीदार एवं परिवार द्वारा किया जा रहा है। कथा श्रवण हेतु वाहन सुविधा भी नगर के चिन्हित स्थान पर रखी गई है।

अकोदिया थाना परिसर में शांति समिति की बैठक, होली, ईद सहित त्योहारों पर शांति व्यवस्था पर चर्चा

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अकोदिया पुलिस थाना परिसर में शनिवार दोपहर को शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। आगामी होली, रंगपंचमी, श्रीरामनवमी, ईद-उल-फितर और महावीर जयंती जैसे त्योहारों को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने पर चर्चा हुई। बैठक की अध्यक्षता शुजालपुर एसडीओपी निमेष देशमुख ने की।

एसडीओपी निमेष देशमुख ने नागरिकों से सूखी होली खेलने और पानी बचाने का आग्रह किया। उन्होंने बताया कि होली दहन के दिन सुंदरसी रोड स्थित हनुमान मंदिर के पास महिलाओं द्वारा पूजा की जाएगी। इस दौरान शाम 5 बजे से रात 11 बजे तक बड़े वाहनों का आवागमन प्रतिबंधित रहेगा।

नगर परिषद को साफ-सफाई और बैरिकेडिंग की व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए, जबकि पुलिस यातायात व्यवस्था सुचारू रखने का जिम्मा संभालेगी। नगर में कुल आठ स्थानों पर होली दहन किया जाएगा, जिनमें जिन कॉलोनी, हनुमान मंदिर चौराहा, जटपुरा चौराहा, संजय कॉलोनी, शुजालपुर रोड, अस्पताल के पास दुर्गा मंदिर, थाना परिसर और राठी कॉलोनी शामिल हैं।

शांति समिति की बैठक में शहरवासियों ने शादी समारोहों में डीजे के निर्धारित समय को लेकर भी अपनी बात रखी। उन्होंने मांग की कि डीजे कम आवाज में और रात 11 बजे तक ही बजाया जाए, क्योंकि वर्तमान में बोर्ड परीक्षाएं चल रही हैं, जिससे छात्रों की पढ़ाई प्रभावित होती है। डीजे संचालकों को भी कम आवाज में डीजे बजाने के निर्देश देने की बात कही गई।

नगर में बढ़ते अतिक्रमण का मुद्दा भी बैठक में उठा। नागरिकों ने बताया कि जगह-जगह ठेले और व्यापारियों द्वारा सामान सड़क पर रखने से आए दिन जाम की स्थिति बनती है। टप्पा चौराहा और बाजार बस स्टैंड पर वाहनों की पार्किंग व्यवस्था ठीक न होने से भी राहगीर परेशान होते हैं।

नगर परिषद सीएमओ राजेश सेन ने आश्वासन दिया कि त्योहारों के बाद नगर में अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि मंगलवार को लगने वाले साप्ताहिक बाजार के लिए एक निर्धारित स्थान तय किया जाएगा, ताकि सब्जी विक्रेता और अन्य व्यापारी सड़क पर न बैठकर अपनी निर्धारित जगह पर बैठें और व्यवस्था बनी रहे। इस मौके पर थाना प्रभारी संजय सिंह राजपूत, नायब तहसीलदार घनश्याम लोहार, नगर परिषद सीएमओ राजेश सेन, जिला उपाध्यक्ष नरेंद्र यादव,पत्रकार अनिल शर्मा, अमिर उल्ला खांन ,नरेंद्र राजपूत सहित विद्युत विभाग के कर्मचारी एवं नगर के गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

काछीगुडा-भगत की कोठी को व्हाया नागदा चलाया जाय

रेलवे विशेष रूचि समिति के पूर्व सदस्य राजेश सकलेचा ने उठाई मांग

नागदा/ राजेश सकलेचा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। रेलवे विशेष रुचि समिति के पूर्व सदस्य राजेश सकलेचा ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से मांग की है कि नागदा जंक्शन दिल्ली-मुंबई रेलमार्ग पर स्थित होकर औद्योगिक नगरी है तथा यहां से हजारो यात्री ट्रेनो के माध्यम से राजस्थान, उ.प्र., गुजरात, महाराष्ट्र सहित दक्षिण राज्यो की ओर यात्रा करते है।

सकलेचा ने बताया कि गाडी संख्या 17605 काछीगुडा-भगत की कोठी जो कि उज्जैन से सुबह 4.15 बजे चलकर बडनगर, रतलाम होकर मंदसौर, नीमच होते हुए भगत की कोठी की ओर जाती है। यदि इस ट्रेन को उज्जैन से नागदा होकर रतलाम, मंदसौर, नीमच होते हुए भगत की कोठी तक चलाया जाय तो क्षेत्र के लोगो को सुबह के समय में मंदसौर नीमच के लिये ट्रेन सुविधा मिल सकेगी।

अभी नागदा के यात्रियो को मंदसौर नीमच जाने के लिये रतलाम से ट्रेन बदलकर जाना पड़ता है जिससे काफी असुविधा होती है। पूर्व मे इन्दौर उदयपुर ट्रेन जो कि सुबह उज्जैन, नागदा होकर मंदसौर के लिये संचालित की जाती थी परन्तु अब उसका समय रात्री मे कर दिया गया है अब इस रूट पर पुरे दिन नागदा से सीधी कोई ट्रेन नही है। साथ ही सुबह के समय में उज्जैन से नागदा के लिये एक अतिरिक्त ट्रेन सुविधा प्राप्त होगी। सकलेचा ने रेलयात्रियो के हित में रेल प्रशासन से काछीगुडा-भगत की कोठी ट्रेन को उज्जैन से नागदा होकर चलाने की मांग नागदा की है।

पुरानी रंजिश में चाचा ने भतीजे को मारी गोली, हालत गंभीर

सतना/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कोटर थाना क्षेत्र के गजिगवां गांव में पुरानी रंजिश के चलते रिश्ते में चाचा द्वारा भतीजे को गोली मारने का मामला सामने आया है। आरोप है कि सरपंच पति कृष्ण कुमार सिंह ने अपनी लाइसेंसी राइफल से 25 वर्षीय शुभम सिंह पर फायर कर दिया। गोली युवक के पेट में लगी, जिसके बाद उसे गंभीर हालत में पहले बिड़ला अस्पताल और फिर संजय गांधी मेमोरियल अस्पताल रेफर किया गया। बताया जा रहा है कि शुक्रवार रात करीब 9 बजे दोनों पक्षों के बीच कहासुनी हुई, जो देखते ही देखते मारपीट में बदल गई। परिजनों के अनुसार, आरोपी पहले घर के अंदर से लाइसेंसी बंदूक लाया, हवाई फायर किए और फिर घर में घुसकर शुभम को गोली मार दी। घटना की सूचना मिलते ही कोटर थाना प्रभारी दिलीप मिश्रा पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक आरोपी फरार हो चुका था।

एसआईआर : मप्र में 34 लाख नाम हटाए, 5,39,81,065 मतदाताओं की अंतिम सूची जारी

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्य प्रदेश में मतदाता सूची के शुद्धीकरण के लिए चलाए गए विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान (एसआईआर) के अंतर्गत निर्वाचन आयोग ने शनिवार को अंतिम मतदाता सूची जारी कर दी है। एक जनवरी 2026 की अर्हता तिथि के आधार पर जारी अंतिम मतदाता सूची में 5,39,81,065 मतदाता पंजीकृत किए गए हैं। इनमें दो करोड़ 79 लाख चार हजार 975 पुरुष, दो करोड़ 60 लाख 75 हजार 186 महिला और 904 थर्ड जेंडर मतदाता हैं। अंतिम मतदाता सूची से 34 लाख 25 हजार 78 मतदाता हटाए गए हैं।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी संजीव कुमार झा ने बताया कि प्रारूप मतदाता सूची के प्रकाशन से पूर्व राज्य में कुल 5,74,06,143 मतदाता पंजीकृत थे। प्रारूप सूची के प्रकाशन के बाद यह संख्या 5,31,31,983 रही और अंतिम मतदाता सूची में 5,39,81,065 मतदाताओं के नाम शामिल किए गए हैं।

इस प्रकार प्रारूप सूची के बाद 8,49,082 मतदाताओं की शुद्ध वृद्धि दर्ज की गई है। प्रत्येक जिले में अंतिम मतदाता सूची की प्रतियां मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को भी उपलब्ध कराई गई हैं। मप्र में 27 अक्टूबर, 2025 से प्रदेशभर में शुरू किए गए विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के अंतर्गत लगभग चार माह तक विभिन्न चरणों में नाम जोड़ने, विलोपन और संशोधन से संबंधित दावे-आपत्तियां 23 दिसंबर 2025 से 22 जनवरी 2026 तक प्राप्त की गईं।

इसके बाद 14 फरवरी 2026 तक सभी दावों और आपत्तियों का सत्यापन कर उनका निराकरण किया गया। एसआईआर की घोषणा के बाद प्रदेशभर में 5.74 करोड़ मतदाताओं को गणना प्रपत्र वितरित कर उनके डिजिटलीकरण का कार्य मिशन मोड में किया गया।

एसआईआर के कार्य में 55 जिला निर्वाचन अधिकारी, 230 निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी, 533 सहायक निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी, 71,930 बीएलओ, अनेक वालंटियर्स की सक्रिय भागीदारी रही।

मतदाताओं से गणना प्रपत्र प्राप्त कर इनका पूर्ण डिजिटलीकरण किया गया। बता दें कि मध्य प्रदेश में मतदाता सूची के शुद्धीकरण के लिए 22 साल बाद हुए विशेष गहन पुनरीक्षण में मृत, अनुपस्थित, एक से अधिक स्थान पर नाम, स्थायी रूप से स्थानांतरित और अन्य श्रेणी में 42,74,160 पाए गए।

चुनाव आयोग ने मध्य प्रदेश में 6,916 मतदान केंद्र बढ़ा दिए हैं। अब यहां मतदान केंद्र 71,930 हो गए हैं। एक मतदान केंद्र पर 1,200 से अधिक मतदाता होने के कारण 6,704 केंद्र बढ़े हैं तो दो किलोमीटर से अधिक दूरी के कारण 230 केंद्रों की वृद्धि की गई है। वहीं, 18 केंद्र समाप्त भी किए गए हैं।

18 वर्ष पूर्ण करने वाले नए युवा मतदाता जुड़वा सकेंगे नाम- ऐसे मतदाता जिनका नाम अंतिम मतदाता सूची में नहीं है वे और 18 वर्ष पूर्ण करने वाले नए युवा मतदाता प्रपत्र संख्या 6 भरकर अपना नाम मतदाता सूची में जुड़वा सकेंगे।

यह प्रक्रिया निरंतर चलेगी। इसके अंतर्गत नागरिक दावे आपत्तियों के लिए प्रपत्र संख्या 6, 7 एवं 8 भर सकते हैं।

मतदाता अपना नाम सूची में निर्वाचन आयोग की वेबसाइट, पोर्टल और श्वष्टढ्ढहृश्वञ्ज एप पर जांच सकेंगे।

अभियान के दौरान ही मृत, अनुपस्थिति, स्थायी रूप से स्थानांतरित एवं दोहरी प्रविष्टियों के सत्यापन के लिए बूथ लेवल अधिकारियों एवं राजनीतिक दलों के बूथ लेवल एजेंटों के साथ बैठकों का आयोजन किया गया।

कृषक कल्याण वर्ष 2026 अंतर्गत जिला स्तरीय कृषि विज्ञान मेले का आयोजन

कृषि नवाचार और जैविक खेती को बढ़ावा देने हेतु जिला स्तरीय कृषि विज्ञान मेले का शुभारंभ

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कृषक कल्याण वर्ष 2026 के अंतर्गत कृषि उद्यानिकी तकनीक विस्तारण एवं तिलहन मिशन के तहत दो दिवसीय जिला स्तरीय कृषि विज्ञान मेला 21 एवं 22 फरवरी 2026 को कृषि विज्ञान केंद्र, झाबुआ के प्रक्षेत्र परिसर में आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम का शुभारंभ महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया के मुख्य आतिथ्य एवं कलेक्टर नेहा मीना की अध्यक्षता में दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया।

अतिथियों का अन्न-पट्टिका भेंट कर एवं बैज लगाकर आत्मीय स्वागत किया गया। अन्न-पट्टिका मानव जीवन में अन्न के महत्व एवं संपूर्ण जीवनचक्र के प्रतीक के रूप में भेंट की गई।

मेले का उद्देश्य कृषकों को उन्नत कृषि तकनीकों, प्राकृतिक एवं जैविक खेती, मूल्य संवर्धन, विपणन, सूक्ष्म सिंचाई (ड्रिप एवं स्प्रिंकलर), नरवाई प्रबंधन, तिलहनी-दलहनी फसलों के विस्तार तथा आधुनिक कृषि यंत्रों की जानकारी प्रदान करना रहा।

मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने अपने संबोधन में कहा कि वर्ष 2026 को कृषि कल्याण वर्ष के रूप में विशेष रूप से आगे बढ़ाया जा रहा है। इस वर्ष का कृषि मेला किसानों को आत्मनिर्भर एवं समृद्ध बनाने की दिशा में विशेष महत्व रखता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव किसानों की उन्नति और कृषि को लाभ का व्यवसाय बनाने हेतु निरंतर कार्य कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि प्राकृतिक आपदाओं के कारण किसानों को पूर्ण लाभ नहीं मिल पाता, इसलिए शासन द्वारा विभिन्न किसान हितैषी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। उन्होंने मिश्रित खेती की पारंपरिक पद्धति को भूमि की उर्वरता के लिए उपयोगी बताते हुए कहा कि वर्तमान में एकल फसल प्रणाली एवं रासायनिक उर्वरकों-कीटनाशकों के अत्यधिक उपयोग से भूमि की गुणवत्ता एवं मानव स्वास्थ्य प्रभावित हो रहे हैं।

उन्होंने कृषि सखियों एवं महिलाओं से आह्वान किया कि वे मेले में प्राप्त तकनीकों एवं ज्ञान को व्यवहार में लाएं तथा जैविक एवं प्राकृतिक खेती अपनाकर स्वस्थ समाज एवं समृद्ध किसान के लक्ष्य को साकार करें।

कलेक्टर नेहा मीना ने कहा कि किसान कृषि मेले में केवल अवलोकन तक सीमित न रहें, बल्कि शासन की योजनाओं का अधिकतम लाभ लें। उन्होंने बताया कि जिले में जैविक खेती को व्यापक रूप से प्रोत्साहित किया जा रहा है, जो मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की प्राथमिकताओं में शामिल है।

उन्होंने जानकारी दी कि ग्राम खेडी के श्री विमल भाभोर को संभाग आयुक्त द्वारा इंदौर आमंत्रित किया गया है, जहां वे संभाग के किसानों को प्रशिक्षण प्रदान करेंगे। कलेक्टर ने वैज्ञानिकों से अपेक्षा की कि वे स्थानीय भाषा में सरल एवं व्यवहारिक प्रशिक्षण प्रदान करें, ताकि अधिक से अधिक किसान तकनीकों को समझ सकें।

उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी को उन्नत कृषि एवं उद्यानिकी की ओर प्रेरित करना आवश्यक है, जिससे कृषि क्षेत्र में नवाचार एवं समृद्धि सुनिश्चित हो सके।

पूर्व विधायक श्री कलसिंह भाबर ने कहा कि किसान प्रत्येक प्रदर्शनी को ध्यानपूर्वक देखें, समझें और प्राप्त जानकारी को अपनी खेती में लागू करें। उन्होंने नरवाई जलाने पर प्रतिबंध का उल्लेख करते हुए कहा कि इससे भूमि की उर्वरकता को हानि होती है तथा दंड का प्रावधान है। नरवाई का उपयोग जैविक खाद एवं अन्य उपयोगों में कर लाभ अर्जित किया जा सकता है। उन्होंने रासायनिक खाद के अत्यधिक उपयोग को हानिकारक बताते हुए जैविक एवं प्राकृतिक खेती पर बल दिया।

जीवन्त प्रदर्शनी का अवलोकन- मेले में विभिन्न विभागों एवं निजी संस्थाओं द्वारा आकर्षक एवं ज्ञानवर्धक प्रदर्शनी लगाई गई। प्रदर्शनी के माध्यम से किसानों को वैज्ञानिक खेती पद्धतियों, रसायनमुक्त उत्पादों के विक्रय, स्वयं सहायता समूहों के उत्पादों एवं शासन की योजनाओं की जानकारी प्रदान की गई। अतिथियों द्वारा प्रदर्शनी का अवलोकन कर प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया गया।

कृषि सखी का सम्मान- कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया द्वारा प्रश्न किया गया कि एक बीघा में सोयाबीन का कितना बीज बोया जाता है। ग्राम रुन्नी की कृषि सखी गंगा मेडा ने सही उत्तर 15 किलोग्राम दिया, जिस पर मंत्री द्वारा उन्हें सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सभी किसानों को जैविक खेती अपनाने का संकल्प भी दिलाया गया।

हितलाभ वितरण- किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग (आत्मा अंतर्गत) द्वारा ग्राम खेडी के श्री विमल भाभोर को बायो रिसोर्स सेंटर हेतु विभागीय सहायतित प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना अंतर्गत ग्राम बनी के श्री चुन्नीलाल पाटीदार को 72,890 रुपये एवं ग्राम बोरपाडा के श्री नानजी-पूंजा को 49,014 रुपये की ड्रिप सिस्टम सहायता प्रदान की गई। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना ÷मेरी पॉलिसी मेरे हाथ÷ अंतर्गत रबी वर्ष 2025-26 हेतु धतुरिया के श्री गुड्डू सिंह पडियार, नवापाड़ा के श्री रामचन्द्र राठौर एवं खेडी के श्री रमेश को फसल बीमा पॉलिसी वितरित की गई। उद्यानिकी विभाग द्वारा पालेडी की श्रीमती गेंदीबाई चोयल को छोटा ट्रैक्टर हेतु 1,80,000 रुपये, देवली के श्री पुना झाणिया को उच्च कोटि सब्जी खेती हेतु 1,87,500 रुपये तथा रजला की श्रीमती प्रियंका नलवाया को पीएमएफएमई अंतर्गत मिठाई-नमकीन इकाई हेतु 15,00,000 रुपये प्रदान किए गए। जामली के श्री शांतिलाल पाटीदार को राज्य स्तरीय पुष्प प्रदर्शनी में प्रथम पुरस्कार हेतु प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। पशुपालन एवं डेयरी विभाग द्वारा सजेली नरसिंहपुरा के श्री खुमानसिंह बारिया एवं श्रीमती रामली पाल तथा कालीदेवी के श्री जितेन्द्र किशोर भूरिया एवं श्री मनीष डुंगरिया भूरिया को बकरी पालन हेतु प्रत्येक को 46,474 रुपये की सहायता राशि प्रदान की गई।

नशामुक्ति शपथ- कार्यक्रम के अंत में महिला एवं बाल विकास विभाग की मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया द्वारा उपस्थित सभी को नशामुक्ति की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधिगण, उप संचालक कृषि श्री एन एस रावत, सहायक संचालक उद्यानिकी विभाग श्री बहादुर सिंह चौहान, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग श्री आर एस बघेल सहित कृषि एवं सम्बद्ध विभाग का पूरा अमला, वैज्ञानिक, कृषि सखियां एवं बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

कलेक्टर की उपस्थिति में ईवीएम वेयरहाउस का मासिक निरीक्षण सम्पन्न

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार ईवीएम- वीवीपैट मशीनों के वेयरहाउस का मासिक एवं त्रैमासिक निरीक्षण EMS 2.0 मोबाइल एप के माध्यम से किए जाने संबंधी दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। जिसके परिपालन में माह फरवरी 2026 का मासिक वेयरहाउस निरीक्षण (वेयरहाउस का ताला खोले बिना) 21 फरवरी 2026 को प्रातः 11¬30 बजे संपन्न किया गया। निरीक्षण कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नेहा मीना की उपस्थिति में आयोजित किया गया। इस दौरान मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के अध्यक्ष/प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे। निरीक्षण की समस्त कार्यवाही भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप श्ररूए 2.0 एप पर दर्ज की गई। निरीक्षण के दौरान वेयरहाउस की सुरक्षा व्यवस्था एवं अभिलेखों का परीक्षण किया गया तथा आवश्यक औपचारिकताएं पूर्ण की गईं। प्रशासन द्वारा निर्वाचन प्रक्रिया की पारदर्शिता एवं विश्वसनीयता बनाए रखने हेतु सभी निर्धारित मानकों का पालन सुनिश्चित किया जा रहा है। इस दौरान अपर कलेक्टर श्री सी एस सोलंकी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री प्रतिपालसिंह महोबिया, उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री विजय कुमार मण्डलोई, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व झाबुआ श्री भास्कर गाचले, जिला कोषालय अधिकारी सुश्री वैशाली सिसोदिया, राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि एवं अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने आगामी त्योहारों के दृष्टिगत कानून एवं व्यवस्था की समीक्षा बैठक आयोजित

बडवानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। आगामी उत्सव जैसे भगोरिया, होली, धुलेंडी, रंगपंचमी, रमजान और ईद-उल-फितर के दौरान जिले में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने हेतु कलेक्टर जयति सिंह द्वारा शांति समिति बैठक आयोजित की गई। बैठक में राजस्व एवं पुलिस विभाग के समन्वय से सुरक्षा के व्यापक इंतजाम करने हेतु सभी थानों में शांति समिति की बैठक सम्पन्न की जाए। भगोरिया हाट एवं मेला सुरक्षा हेतु हाटों में झूलों की अनुमति से पूर्व उनकी फिटनेस जांच अनिवार्य होगी। क्षमता से अधिक लोगों को बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी इस बात का विशेष ध्यान रखा जाए। मेला स्थलों पर सीसीटीवी और ड्रोन कैमरों के जरिए पैनी नजर रखी जाएगी। बाहर से आने वाले असामाजिक तत्वों पर विशेष निगरानी और महिलाओं/बच्चियों के साथ छेड़खानी रोकने हेतु सख्त निर्देश दिए गए। हथियारों का प्रदर्शन पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। होली एवं रंगपंचमी सम्बंध में होली दहन केवल पूर्व निर्धारित परंपरागत स्थलों पर ही किया जाएगा। फॉग यात्रा और गैर के दौरान संवेदनशील मार्गों पर विशेष पुलिस बल तैनात रहेगा। मिलावटी रंगों और हानिकारक केमिकल्स के उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। असामाजिक तत्वों द्वारा किसी भी प्रकार की आपत्तिजनक सामग्री या गंदगी फैलाने की कोशिश पर त्वरित कार्रवाई की जाएगी। यातायात एवं जन सुरक्षा हेतु भीड़भाड़ वाले बाजारों में यातायात व्यवस्था सुचारू रखने हेतु वाहनों की आवाजाही नियमित की जाएगी। वाहनों की ओवरलोडिंग ओवरस्पीडिंग पर चालानी कार्रवाई की जाए ।टोल नाकों पर भी ओवरलोडिंग रोकने के निर्देश दिए गए। सोशल मीडिया पर प्रसारित होने वाली भ्रामक खबरों और पोस्टों पर साइबर टीम द्वारा विशेष निगरानी रखी जाए। अवैध शराब की बिक्री और मिलावटी खाद्य पदार्थों की चेकिंग हेतु आबकारी व संबंधित टीमों को संयुक्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

जिले के पोटेंशियल सेक्टर्स की पहचान कर बनाई जाए विकास की कार्ययोजना - केंद्रीय प्रभारी अधिकारी

बडवानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के सर्वांगीण और दीर्घकालिक विकास को सुनिश्चित करने के लिए रणनीति बहुत महत्वपूर्ण है। विकास कार्यों की सार्थकता तभी है जब वे स्थानीय परिस्थितियों के अनुकूल हों और लंबे समय तक कार्य करने वाली रणनीति या रोडमैप बनाये जाए। जिले के पोटेंशियल सेक्टर्स (संभावित क्षेत्रों) को चिन्हित कर कार्ययोजना तैयार की जाए। बड़वानी जिले में अपार संभावनाएं मौजूद हैं। कृषि और फूड प्रोसेसिंग, शिक्षा एवं कौशल के क्षेत्र में विशेष प्रयास किए जाए तो सकारात्मक परिणाम निश्चित प्राप्त होंगे। उक्त बातें भारत सरकार की संयुक्त सचिव एवं नीति आयोग द्वारा नियुक्त केंद्रीय प्रभारी अधिकारी श्रीमती निधि केसरवानी ने कलेक्ट्रेट सभागृह बड़वानी में जिले की प्रगति की विस्तृत समीक्षा दौरान कहीं। बैठक में कलेक्टर श्रीमती जयति सिंह ने जिले में संचालित विभिन्न नवाचारो और विकास कार्यों की प्रगति का विवरण प्रस्तुत किया। उन्होंने ने बताया कि जिले में जनसमस्याओं के समाधान हेतु चलाए जा रहे सीएफटी शिविर नियमित रूप से आयोजित किए जा रहे हैं साथ ही स्वास्थ्य एवं पोषण सुदृढ़ीकरण हेतु ममता ब्रिगेड अभियान,बच्चों के पोषण हेतु लड्डू वितरण पहल,ग्रीन कमांडो, औद्योगिक विकास के प्रोत्साहन हेतु इंडस्ट्रियल कॉन्क्लेव, कृषि क्षेत्र में बढ़ावा हेतु आयोजित कृषि उन्नयन संवाद एवं क्रियाशील स्कूल व क्रियाशील पंचायत अभियान संचालित किए जा रहे हैं। श्रीमती केसरवानी ने जिले में संचालित विशेष अभियानों की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि सरकारी योजनाओं का लाभ अंतिम छोर के व्यक्ति तक पहुँचना अनिवार्य है। उन्होंने स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि और पोषण जैसे प्रमुख क्षेत्रों में किए जा रहे प्रयासों समीक्षा कर निर्देश दिए कि अभियान के पूर्व एवं बाद स्थिति का अवलोकन अवश्य करे, जिले में औद्योगिक विकास हेतु नियमित अंतरालों पर इंडस्ट्रियल कान्प्लिव अवश्य आयोजित करें, शिक्षा के क्षेत्र में क्लस्टर लेवल पर आदर्श स्कूलों के माध्यम से अन्य स्कूलों को भी प्रेरित करें। स्थानीय स्थान भाषा में शिक्षण सामग्री, बुक बैंक, बैगलेस मॉडल, स्कूलों के सकारात्मक प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा दें। रोजगार एवं कौशल विकास के क्षेत्र में कौशल कार्यक्रमों के माध्यम से कौशल विकास को बढ़ावा एवं व्यावहारिक कौशल पर भी विशेष ध्यान दिया जाए। साथ ही स्वरोजगार की दिशा में स्टार्टअप को भी बढ़ावा दिया जाए। कृषि के क्षेत्र में फार्म टू प्लेट की अवधारणा पर भी ध्यान दिया जा सकता है बैठक के अंत में कलेक्टर श्रीमती ने आश्वस्त किया कि बैठक मे दिए गए सुझावों और निर्देशों का पालन किया जाएगा ताकि बड़वानी जिला विकास के पैमानों पर नए आयाम स्थापित कर सके।

राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम अंतर्गत 15 बच्चों की निःशुल्क सर्जरी होगी

बडवानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के कुशल मार्गदर्शन में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम अंतर्गत लोहाटी अस्पताल भोपाल के सहयोग से जिला शीघ्र हस्तक्षेप केंद्र, जिला चिकित्सालय बड़वानी में 21 फरवरी 2026 को कटे होंठ, फटे तालू एवं हर्निया से ग्रसित बच्चों के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया।

चयनित पर्यवेक्षकों को राहत महिला बाल विकास मंत्री सुश्री भूरिया ने जॉइनिंग तिथि बढ़ाने के दिए निर्देश

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। महिला एवं बाल विकास विभाग की पर्यवेक्षक भर्ती परीक्षा 2024 में चयनित अभ्यर्थियों को ज्वाइनिंग प्रक्रिया में आ रही व्यवहारिक कठिनाइयों के समाधान के लिए राज्य सरकार ने महत्वपूर्ण पहल की है। महिला बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने ज्वाइनिंग की अंतिम तिथि बढ़ाने एवं स्वास्थ्य प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने की प्रक्रिया में व्यावहारिक लचीलापन देने के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए हैं।

उल्लेखनीय है कि विभाग द्वारा चयनित पर्यवेक्षकों को 23 फरवरी 2026 तक ज्वाइन करने के निर्देश दिए गए थे। आदेशानुसार ज्वाइनिंग से पूर्व मेडिकल बोर्ड द्वारा जारी स्वास्थ्य प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य किया गया था। किंतु विभिन्न जिलों से अभ्यर्थियों द्वारा अवगत कराया गया कि मेडिकल बोर्ड सप्ताह में केवल एक दिन संचालित होता है, जिससे निर्धारित समय-सीमा में प्रमाण-पत्र प्राप्त करना कठिन हो रहा है। इस कारण अनेक चयनित अभ्यर्थियों को ज्वाइनिंग में व्यावहारिक समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने अभ्यर्थियों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए निर्देश दिए हैं कि चयनित पर्यवेक्षकों की ज्वाइनिंग की अंतिम तिथि 28 फरवरी 2026 तक बढ़ाई जाए। साथ ही, यदि कोई चयनित अभ्यर्थी ज्वाइनिंग से पूर्व मेडिकल बोर्ड का स्वास्थ्य प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने में असमर्थ है, तो मध्यप्रदेश शासन के मूलभूत नियम 10 (ए) के प्रावधानों के अनुरूप ज्वाइनिंग के एक माह के भीतर स्वास्थ्य प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने की अनुमति प्रदान की जाए।

मंत्री सुश्री भूरिया ने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य चयनित अभ्यर्थियों को अनावश्यक प्रशासनिक बाधाओं से मुक्त कर पारदर्शी एवं संवेदनशील व्यवस्था सुनिश्चित करना है। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया है कि सभी जिलों में इस संबंध में स्पष्ट दिशा-निर्देश तत्काल जारी किए जाएं, जिससे किसी भी पात्र अभ्यर्थी को तकनीकी कारणों से वंचित न होना पड़े।

कलेक्टर की अध्यक्षता में स्टैंडिंग कमेटी की बैठक सम्पन्न

विशेष गहन पुनरीक्षण- 2026 अन्तर्गत फोटो निर्वाचक नामावली का अंतिम प्रकाशन संपन्न

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी निर्देशानुसार फोटो निर्वाचक नामावली के विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 कार्यक्रम के अंतर्गत कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नेहा मीना की अध्यक्षता में स्टैंडिंग कमेटी की बैठक आयोजित की गई। जिसमें राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को फोटो निर्वाचक नामावली की सॉफ्ट एवं हार्ड कॉपी प्रदाय की गई।

बैठक में बताया गया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी निर्देशानुसार फोटो निर्वाचक नामावली का विशेष गहन पुनरीक्षण- 2026 का कार्यक्रम चलाया जाकर संबंधित विधानसभा क्षेत्रों के निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, बीएलओ एवं बीएलओ सुपरवाइजर, अन्य विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारियों के माध्यम से कार्य किया गया।

बैठक में बताया गया कि विधानसभा क्षेत्र 193-झाबुआ में 329151 , 194-थांदला में 277257 एवं 195-पेटलावद में 300685 मतदाताओं सहित जिले के कुल 9,07,093 मतदाताओं की मैपिंग वर्ष 2003 की नामावली से की गई। आयोग के निर्देशानुसार जिन मतदाताओं का नाम वर्ष 2003 की नामावली अथवा उनके परिवार के किसी सदस्य का नाम उस नामावली में दर्ज नहीं पाया गया, उन्हें नो मैपिंग की श्रेणी में रखा गया। विधानसभा क्षेत्र 193-झाबुआ में 1165, 194-थांदला में 500 एवं 195-पेटलावद में 303, इस प्रकार जिले में कुल 1964 मतदाताओं की मैपिंग नहीं हो सकी। ऐसे प्रकरणों में संबंधित ईआरओ/एईआरओ द्वारा सुनवाई कर नाम यथावत रखने अथवा हटाने की कार्यवाही की गई।

विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 के अंतर्गत मतदाताओं के सत्यापन की कार्यवाही में विधानसभा क्षेत्र 193-झाबुआ में 19477, 194-थांदला में 13026 एवं 195-पेटलावद में 12936, इस प्रकार जिले में कुल 45,439 मतदाता अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत अथवा डुप्लीकेट पाए गए, जिनके नाम आयोग के निर्देशानुसार निर्वाचक नामावली से विलोपित किए गए। प्रारूप नामावली का प्रकाशन 23 दिसम्बर 2025 को किया गया, जिसमें जिले में कुल 8,61,654 मतदाता दर्ज थे।

आयोग के कार्यक्रमानुसार 24 दिसम्बर 2025 से 22 जनवरी 2026 तक सभी मतदान केंद्रों पर बीएलओ द्वारा दावे एवं आपत्तियां प्राप्त की गईं। इस दौरान 18 वर्ष पूर्ण करने वाले पात्र व्यक्तियों के नाम जोड़ने, स्थानांतरित एवं मृत मतदाताओं के नाम हटाने तथा आवश्यक संशोधन की कार्यवाही की गई। फॉर्म-6 के अंतर्गत विधानसभा क्षेत्र 193-झाबुआ में 7166, 194-थांदला में 6570 एवं 195-पेटलावद में 7493, इस प्रकार जिले में कुल 21,229 नवीन मतदाताओं के नाम जोड़े गए।

जिले की निर्वाचक नामावली का अंतिम प्रकाशन 21 फरवरी 2026 को किया गया, जिसके अनुसार विधानसभा क्षेत्र 193-झाबुआ में 3,17,068, 194-थांदला में 2,70,950 एवं 195-पेटलावद में 2,95,479, इस प्रकार जिले में कुल 8,83,497 मतदाता दर्ज हैं। कलेक्टर द्वारा बैठक में निर्देशित किया गया कि भविष्य में भी फॉर्म 6,7 एवं 8 के माध्यम से नामावली के सतत अद्यतन एवं शुद्धिकरण की कार्यवाही गंभीरता एवं पारदर्शिता के साथ की जाए तथा सभी संबंधित अधिकारी निर्धारित समय-सीमा में दायित्वों का निर्वहन सुनिश्चित करें।

नीति आयोग की केंद्रीय प्रभारी अधिकारी ने पाटी विकासखण्ड के विभिन्न क्षेत्रों का किया सघन निरीक्षण

बडवानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। भारत सरकार की संयुक्त सचिव एवं नीति आयोग द्वारा नियुक्त केंद्रीय प्रभारी अधिकारी श्रीमती निधि केसरवानी ने शनिवार को बड़वानी जिले के आकांक्षी विकासखण्ड पाटी का विस्तृत दौरा किया। इस दौरान उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला बाल विकास और आजीविका से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों का बारीकी से अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्रीमती जयति सिंह सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। ग्राम बनमाली में शासकीय विद्यालय एवं कुक्कुटपालन इकाई का निरीक्षण श्रीमती केसरवानी ने सर्वप्रथम शासकीय माध्यमिक विद्यालय बनमाली निरीक्षण कर स्कूल की शैक्षणिक गुणवत्ता और अन्य व्यवस्थाओं जैसे भोजन एवं परिसर इत्यादि का अवलोकन किया।

इसके पश्चात् उन्होंने ग्राम बनमाली में आजीविका मिशन की स्व-सहायता समूह की महिला सदस्य श्रीमती जहाँबाई खरते द्वारा संचालित कुक्कुटपालन इकाई का अवलोकन किया। श्रीमती जहाँबाई द्वारा वर्तमान में 500 कुक्कुट का पालन एवं जैविक खेती भी कर रही है। श्रीमती केसरवानी ने महिला सशक्तिकरण एवं आजीविका हेतु किए जा रहे प्रयासों की सराहना की।

विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के तहत मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन हुआ

कलेक्टर श्री गुप्ता ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को दी जानकारी

खण्डवा/दैनिक मालवा हेराल्ड। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के तहत मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन शनिवार को किया गया। इस अवसर पर कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित बैठक में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री ऋषव गुप्ता ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को इस संबंध में जानकारी दी। इस दौरान कलेक्टर श्री गुप्ता ने बताया कि जिले में कल 1247 मतदान केंद्र हैं। जिसमें मांधाता विधानसभा क्षेत्र में 280, हरसूद विधानसभा क्षेत्र में 298, खंडवा विधानसभा क्षेत्र में 324 तथा पंधाना विधानसभा क्षेत्र में 345 मतदान केंद्र शामिल हैं। उन्होंने बताया कि विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के तहत मतदाताओं की संख्या में 10079 वृद्धि हुई है। इनमें मांधाता विधानसभा क्षेत्र में 2087, हरसूद विधानसभा क्षेत्र में 2480, खंडवा विधानसभा क्षेत्र में 3365 और पंधाना विधानसभा क्षेत्र में 2147 शामिल हैं।

कलेक्टर श्री गुप्ता ने बताया कि विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के तहत 23 दिसंबर 2025 की स्थिति में प्रारूप मतदाता सूची में कुल 943613 मतदाता दर्ज थे, जो कि अंतिम प्रकाशन में 953692 हो गए हैं। उन्होंने बताया कि जिले में विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के बाद मतदाताओं की कुल संख्या 953692 है इनमें 492059 पुरुष 461616 महिलाएं तथा 17 अन्य मतदाता शामिल हैं। उन्होंने बताया कि मांधाता विधानसभा क्षेत्र में कुल 209787 मतदाता हैं जिनमें 108291 पुरुष 101494 महिला तथा 2 अन्य मतदाता शामिल हैं । इसी तरह हरसूद विधानसभा क्षेत्र में कुल 220532 मतदाता हैं जिसमें 115169 पुरुष, 105359 महिला एवं 4 अन्य मतदाता शामिल हैं। खंडवा विधानसभा क्षेत्र में कुल 246459 मतदाता है जिसमें 125712 पुरुष 120740 महिला एवं 7 अन्य मतदाता शामिल है। इसी तरह पंधाना विधानसभा क्षेत्र में कुल 276914 मतदाता है जिसमें 142887 पुरुष 134023 महिला एवं 4 अन्य मतदाता शामिल है।

कलेक्टर श्री गुप्ता ने बैठक में बताया कि आज की स्थिति में जिले में कुल 257 सेवा मतदाता है। इनमें से मांधाता विधानसभा क्षेत्र में 33, हरसूद विधानसभा क्षेत्र में 34, खंडवा विधानसभा क्षेत्र में 132 तथा पंधाना विधानसभा क्षेत्र में 58 सेवा मतदाता शामिल हैं। उन्होंने बताया कि आज अंतिम प्रकाशन के बाद भी मतदाता सूची में नाम जुड़वाने या कटवाने के संबंध में प्रक्रिया निरंतर जारी रहेगी । कोई भी व्यक्ति अपनी पात्रता के आधार पर सूची में ecinet के एकीकृत पोर्टल पर ऑनलाइन, या बूथ लेवल अधिकारी के पास जाकर फॉर्म 6, 7 या 8 ऑफलाइन जमा कर सकते हैं। इसके लिए उन्हें निर्धारित दस्तावेज संलग्न करना होंगे।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

राहुल गांधी के बयान पर उज्जैन में सियासी संग्राम, भाजपाई पहुंचे कांग्रेस कार्यालय घेरने

एआई समिट को लेकर बयान पर बवाल, कांग्रेसियों ने बनाई मानव दीवार, पुलिस ने संभाला मोर्चा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। दिल्ली में आयोजित एआई समिट को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बयान पर उज्जैन में शनिवार को सियासी पारा चढ़ गया। भाजपा ने बयान को देश विरोधी बताते हुए शहर कांग्रेस कार्यालय के घेराव का ऐलान किया था। तय कार्यक्रम के अनुसार शाम करीब 5 बजे भाजपा नेता और कार्यकर्ता क्षीरसागर स्थित कांग्रेस कार्यालय की ओर बढ़े।

नगर भाजपा और नगर निगम सभापति श्रीमती कलावती यादव के नेतृत्व में पहुंचे कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस कार्यालय के बाहर जोरदार नारेबाजी की। राहुल गांधी मुर्दाबाद के नारे लगते ही माहौल गरमा गया।

उधर, कांग्रेस भी पूरी तैयारी के साथ मैदान में थी। कांग्रेस नेताओं ने कार्यालय के बाहर मानव श्रृंखला बनाकर मोर्चा संभाल लिया। विधायक महेश परमार, शहर कांग्रेस अध्यक्ष मुकेश भाटी और नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष रवि राय की मौजूदगी में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता एकत्र हुए। उन्होंने भाजपा के विरोध में जमकर नारे लगाए और राहुल गांधी के समर्थन में आवाज बुलंद की।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने पहले से ही सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए थे। कांग्रेस कार्यालय के चारों ओर भारी पुलिस बल तैनात रहा। चरक अस्पताल के पास भाजपा कार्यकर्ता इकट्ठा हुए, जहां पुलिस ने बैरिकेड्स लगाकर उन्हें आगे बढ़ने से रोकने की कोशिश की। चौराहे पर पुलिस का घेरा बना रहा और दोनों पक्षों के बीच दूरी बनाए रखी गई।

करीब एक घंटे तक नारेबाजी और विरोध प्रदर्शन चलता रहा। हालांकि पुलिस की सतर्कता के चलते कोई बड़ा टकराव नहीं हुआ।

घटना ने साफ कर दिया कि राष्ट्रीय स्तर के बयान अब स्थानीय राजनीति में भी हलचल पैदा कर रहे हैं। उज्जैन की सड़कों पर शनिवार शाम सियासत का तापमान साफ नजर आया।

विक्रम उत्सव 2026: नाट्य समारोह में चतुर्भाणी ने मोहा दर्शकों का मन

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। विक्रम उत्सव 2026 के अंतर्गत आयोजित विक्रम नाट्य समारोह में शनिवार को चतुर्भाणी नाटक की प्रभावशाली प्रस्तुति हुई। इस नाट्य की परिकल्पना एवं निर्देशन मध्यप्रदेश के श्री राजकुमार कामले द्वारा किया गया। नाटक कर्णीपुत्र और देवदत्ता की प्रेम कथा पर आधारित रहा। कार्यक्रम की शुरुआत मां भारती की आराधना में प्रस्तुत नृत्य-नाटिका से हुई, जिसके बाद अतिथि श्री राजेश सिंह कुशवाह वरिष्ठ कार्य परिषद सदस्य विक्रम विश्वविद्यालय, श्री मुकेश जोशी निदेशक प्रेमचंद सर्जन पीठ, श्री जगदीश पांचाल वरिष्ठ समाजसेवी,श्री कमल बेरवा ने कलाकारों का सम्मान किया।

महाराजा विक्रमादित्य शोध पीठ, संस्कृति विभाग मप्र शासन एवं राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय (भारंगम) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित नाट्य महोत्सव के छठवें दिन शनिवार को कालिदास अकादमी के संकुल भवन में शाम 7.30 बजे से नाट्य प्रस्तुति हुई। चतुर्भाणी के अंतर्गत 'उभयाभिसारिका' (वररुचि) एवं 'पद्मप्राभृतकम' (शूद्रक) पर आधारित इस नाटक का हिंदी अनुवाद मोतीचंद (प्रिंस ऑफ वेल्स म्यूजियम, मुंबई) द्वारा किया गया है।

नाटक में कर्णीपुत्र और देवदत्ता के प्रेम प्रसंग को मार्मिक ढंग से प्रस्तुत किया गया। गलतफहमी के कारण दोनों के बीच वियोग हो जाता है। मित्र उनके पुनर्मिलन के लिए यात्रा करता है और मार्ग में विभिन्न पात्रों से संवाद करते हुए आगे बढ़ता है। वसंत ऋतु, प्रकृति सौंदर्य, मणिकाओं के जीवन और उस समय की सामाजिक परिस्थितियों का जीवंत चित्रण नाट्य में देखने को मिला। अंततः दोनों का मिलन दर्शकों के लिए भावपूर्ण क्षण बना।

सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाई द्वारा ग्राम डोंगला में लगाया 7 दिवसीय विशेष शिविर

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। राष्ट्रीय सेवा योजना के शिविर केवल गतिविधि नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को सीखने का अवसर प्रदान करते है। ग्रामीण क्षेत्रों में इन शिविरों को लगाया जाकर विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को भारत की संस्कृति का परिचय करवाया जाता हैं क्योंकि ग्रामीण जीवन में सुविधाओं के अभाव को समझकर ही वास्तविक बदलाव लाया जा सकता है। सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. अर्पण भारद्वाज ने ग्राम डोंगला में विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा डोंगला में आयोजित किए जा रहे सात दिवसीय विशेष शिविर का शुभारंभ करते हुए अध्यक्षीय उद्बोधन में उपरोक्त उद्गार व्यक्त किए। उल्लेखनीय है कि 21 से 27 फरवरी तक आयोजित शिविर की थीम डिजिटल साक्षरता रखी गई है, जिसके माध्यम से ग्रामीण क्षेत्र में डिजिटल जानकारी पहुँचाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। शिविर में विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रो. उमा शर्मा विभागाध्यक्ष रसायन विज्ञान अध्ययनशाला सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय तथा डॉ. ज्योति चौहान, राजनीति विज्ञान एवं लोक प्रशासन विभाग की उपस्थिति रही। कार्यक्रम की रूपरेखा शिविर प्रभारी प्रो. अजय शर्मा द्वारा प्रस्तुत की गई, जिसमें शिविर की आगामी गतिविधियों - डिजिटल जागरूकता , महिला सशक्तिकरण , ग्रामीण क्षेत्र के अधूरे कार्यों को पूरा करने का प्रयास तथा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर प्रकाश डाला गया। उद्घाटन अवसर पर विश्व भाषा दिवस के संदर्भ में विभिन्न भाषाओं में प्रस्तुति दी गई। विद्यार्थियों ने अपनी मातृभाषाओं में अभिवादन एवं अनुभव साझा किए। इस 7 दिवसीय शिविर के अंतर्गत सरस्वती शिशु मंदिर के विद्यार्थियों से संवाद किया जाएगा तथा महिलाओं के सशक्तिकरण पर विशेष प्रयास रहेगा।

आलू की बोरियों के साथ 10 फीट ऊंचाई से गिरा मजदूर, मौत

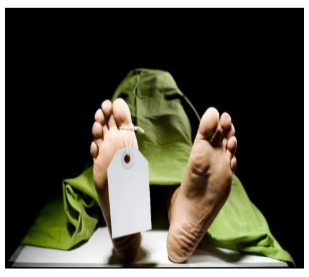

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। वेयर हाऊस में मजदूरी करने वाला आलू की बोरियों के साथ 10 फीट ऊंचाई से सिर के बल नीचे आ गिरा। उसे उपचार के लिये निजी अस्पताल लाया गया, जहां 1 घंटे बाद उसकी मौत हो गई। शव को चरक अस्पताल के पोस्टमार्टम कक्ष में रखा गया है। तराना के ग्राम कनार्दी में रहने वाले रायसिंह पिता चंदू परमार 38 साल को शाम 4.30 बजे के लगभग गंभीर हालत में फ्रीगंज स्थित निजी अस्पताल में भर्ती किया गया था। जहां 1 घंटे बाद उसकी मौत हो गई। शव को निजी अस्पताल से चरक अस्पताल लाया गया। रायसिंह के परिजन भी उज्जैन पहुंच गये थे। भाई राधेश्याम ने बताया कि उन्हे वेयर हाऊस के ठेकेदार सोहराब खान ने रायसिंह के घायल होने की सूचना दी थी। रायसिंह 2 बच्चों का पिता था और ग्राम पलदूना में आरआरवी वेयर हाऊस में मजदूरी करता था। ठेकेदार सोहराब ने बताया कि सालभर से वेयर हाऊस में काम कर रहा था। दोपहर में आलू की बोरियां उतारे समय करीब 10 फीट ऊंचाई से रैक टूटने पर संतुलन बिगड़ने से नीचे गिर गया था। वेयर हाऊस राकेश जैन का है। रायसिंह की मौत होने पर अस्पताल स्टॉफ द्वारा स्थानीय पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम कक्ष में रख शनिवार सुबह पोस्टमार्टम कराया गया।

आरडी गार्डी कॉलेज के सामने ट्रक ने एमबीबीएस के छात्र को रौंदा

द्वितीय वर्ष का कर रहा था अध्ययन, आधे घंटे बाद हुई मौत

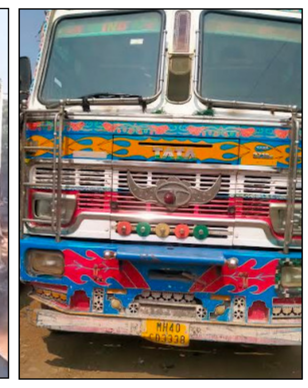

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। आरडी गार्डी मेडिकल कॉलेज के सामने शनिवार सुबह एमबीबीएस के छात्रों को ट्रक ने रौंद दिया। छात्र गंभीर रूप से घायल हो गया आधे घंटे चले उपचार के बाद उसकी मौत हो गई। आक्रोशित छात्रों ने आगर रोड पर चक्का जाम कर दिया। स्पीड ब्रेकर बनाने और वाहनों की गति पर रोक लगाने की मांग की जाने लगी। पुलिस आश्वासन के बाद चक्काजाम समाप्त हुआ।

इंदौर का रहने वाला हर्षित पिता संजीव मेहरा आरडी गार्डी मेडिकल कॉलेज से द्वितीय वर्ष का अध्ययन कर रहा था। शनिवार सुबह कॉलेज आते समय उसे मेडिकल कॉलेज के सामने ही तेज गति से आए महाराष्ट्र पासिंग ट्रक ने कुचल दिया। हर्षित के ऊपर से ट्रक का पहिया गुजर गया और वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे मेडिकल कॉलेज के आईसीयू ले जाया गया जहां आधे घंटे चले उपचार के बाद उसकी मौत हो गई। एमबीबीएस छात्रा की मौत होने पर अन्य छात्र आक्रोशित हो गए और उन्होंने मेडिकल कॉलेज के बाहर आगर रोड पर चक्काजाम कर दिया। दुर्घटना की सूचना मिलते ही चिमनगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई थी। चालक ट्रक छोड़कर भाग निकला था पुलिस ने ट्रक जप्त कर थाने पहुंचा दिया था। चक्का जाम कर रहा है छात्रों ने आए दिन होने वाली दुर्घटना को लेकर स्पीड ब्रेकर बनाए जाने की मांग शुरू कर दी और वाहनों की गति पर अंकुश लगाने की बात कहने लगे। छात्र द्वारा किए गए चक्काजाम की जानकारी लगते ही सीएसपी पुष्पा प्रजापत और थाना प्रभारी गजेंद्र पचोरिया मौके पर पहुंच गए थे। छात्रों को आश्वासन दिया गया और उनकी मांगों को पूरा करने की बात कही गई। तब जाकर मार्ग से चक्का जाम समाप्त हुआ।

कॉलेज परिसर के कैंपस में था निवास- दुर्घटना का शिकार हुए छात्र हर्षित के साथियों ने बताया कि कॉलेज कैंपस परिसर में ही आवास बना हुआ है जहां हर्षित निवास करता था। आज कैंपस परिसर से वह कॉलेज की ओर आ रहा था इस दौरान दुर्घटना हुई। हर्षित काफी होनहार छात्र था और परिवार का एकलौता पुत्र था पिता का पूर्व में निधन हो चुका है मैन इंदौर में मेहंदी डिजाइनर है। हर्षित को गिटार और संगीत का काफी शौक था।

परिजनों के आने पर हुआ पोस्टमार्टम- चिमनगंज थाना प्रभारी गजेंद्र पचोरिया ने बताया कि छात्र की मौत के बाद दुर्घटना का मामला दर्ज किया गया है। मृतक छात्रा के परिजन ऑन के आने पर पोस्टमार्टम कराया गया। दोपहर में छात्र का शव अंतिम संस्कार के लिए इंदौर ले जाया गया है। दुर्घटना के बाद ट्रक छोड़कर भागे चालक की तलाश की जा रही है।

आगर रोड पर दर्दनाक हादसा: आरडी गार्डी के मेडिकल छात्र को ट्रक ने रौंदा, मौके पर मौत

कॉलेज गेट पर तेज रफ्तार ने छीनी जिंदगी, आक्रोशित विद्यार्थियों ने किया चक्काजाम; स्पीड ब्रेकर और सुरक्षा इंतजाम की मांग

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर की आगर रोड शनिवार सुबह एक दर्दनाक हादसे की गवाह बनी। आरडी गार्डी मेडिकल कॉलेज के एमबीबीएस सेकंड ईयर के छात्र हर्षित मेहरा को कॉलेज गेट पर ही एक तेज रफ्तार ट्रक ने कुचल दिया। टक्कर इतनी भीषण थी कि छात्र की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद ट्रक चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया।

शनिवार को सुबह के समय हुई इस घटना से ऑडी गार्डी मेडिकल कॉलेज परिसर में शोक की लहर दौड़ गई। गुस्साए विद्यार्थियों ने आगर रोड पर चक्काजाम कर प्रदर्शन किया। उनका कहना था कि कॉलेज गेट के सामने भारी वाहनों की रफ्तार पर कोई नियंत्रण नहीं है, जिससे लगातार खतरा बना रहता है।

कॉलेज में प्रवेश करते वक्त हुआ हादसा- मृतक हर्षित पिता स्वर्गीय संजीव मेहरा कॉलेज परिसर स्थित हॉस्टल में रहता था। शनिवार सुबह वह रोज की तरह कॉलेज में प्रवेश कर रहा था। इसी दौरान तेज गति से आ रहे ट्रक ने उसे अपनी चपेट में ले लिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार ट्रक की रफ्तार बहुत अधिक थी और चालक ने ब्रेक लगाने की कोशिश तक नहीं की। हर्षित मूलतः इंदौर का रहने वाला था। वह अपने परिवार का इकलौता बेटा था। पिता का पहले ही निधन हो चुका है और मां मेहंदी डिजाइनर के रूप में काम करती हैं। बेटे की अचानक मौत की खबर से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

पढ़ाई के साथ संगीत में भी था अव्वल- हर्षित सिर्फ पढ़ाई में ही नहीं, बल्कि सांस्कृतिक गतिविधियों में भी आगे रहता था। हाल ही में कॉलेज के रजत जयंती समारोह में उसने गायन और संगीत प्रतियोगिताओं में कई पुरस्कार जीते थे। फिजियोथैरेपी विभाग की डॉ. रुचि मिश्रा ने बताया कि हर्षित एक होनहार और बहुमुखी प्रतिभा का छात्र था। वह लगभग हर वाद्य यंत्र बजा लेता था। कॉलेज की हर गतिविधि में उसकी सक्रिय भागीदारी रहती थी। उसके असमय निधन से पूरा कॉलेज परिवार स्तब्ध है।

विद्यार्थियों का फूटा गुस्सा- हादसे के बाद विद्यार्थियों ने आगर रोड पर चक्काजाम कर दिया। उनका कहना था कि कॉलेज गेट के सामने स्पीड ब्रेकर नहीं होने से भारी वाहन तेज रफ्तार में निकलते हैं। कई बार प्रशासन से मांग की गई, लेकिन कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। विद्यार्थियों ने तत्काल स्पीड ब्रेकर निर्माण, ट्रैफिक पुलिस की तैनाती और भारी वाहनों की गति सीमा तय करने की मांग की है। मौके पर पहुंची पुलिस ने समझाइश देकर जाम खुलवाया और फरार ट्रक चालक की तलाश शुरू कर दी है। एक होनहार छात्र की मौत ने न सिर्फ उसके परिवार, बल्कि पूरे कॉलेज को गहरे शोक में डुबो दिया है। अब सवाल यही है कि क्या इस हादसे के बाद प्रशासन जागेगा और आगर रोड को सुरक्षित बनाने के लिए ठोस कदम उठाएगा?

विक्रमोत्सव मेले में टैक्स छूट शुरू होते ही 450 से ज्यादा वाहन बिके

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। नेशनल इनफॉर्मेटिक्स सेंटर के पोर्टल में तकनीकी सुधार होते ही उज्जैन के शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज परिसर में चल रहे विक्रमोत्सव व्यापार मेले ने फिर रफ्तार पकड़ ली है। रोड टैक्स भरने की प्रक्रिया शुरू होते ही बीते दिन 450 से ज्यादा वाहनों की बिक्री दर्ज की गई। उज्जैन के शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज परिसर में छह दिन पहले शुरू हुए इस मेले में अब तक 4 हजार से अधिक वाहन बिक चुके हैं। इनमें सबसे ज्यादा हिस्सेदारी फोर व्हीलर (बड़े वाहनों) की रही है। टैक्स छूट की सुविधा शुरू होते ही ग्राहकों और डीलरों दोनों ने राहत की सांस ली है।

दो शहरों में एक साथ छूट बना थी अड़चन- उल्लेखनीय है कि विक्रम व्यापार मेला शुरू होने के साथ ही एनआईसी के पोर्टल पर तकनीकी अपडेट नहीं हो पाया था। सॉफ्टवेयर में एक समय में दो अलग-अलग शहरों में टैक्स छूट देने का प्रावधान नहीं था। चूंकि ग्वालियर और उज्जैन दोनों जगह वाहन मेले चल रहे हैं, इसलिए उज्जैन में बिके वाहनों का रोड टैक्स ऑनलाइन जमा नहीं हो पा रहा था। इस कारण डीलरों और ग्राहकों के बीच असमंजस की स्थिति बन गई थी। कई खरीदारों को यह चिंता थी कि समय पर टैक्स जमा नहीं हुआ तो पेनाल्टी लग सकती है।

परिवहन आयुक्त के प्रयास रंग लाए- परिवहन आयुक्त उमेश जोगा के प्रयासों से दिल्ली स्थित तकनीकी टीम से समन्वय कर पोर्टल को अपडेट कराया गया। इसके बाद शुक्रवार से ऑनलाइन टैक्स भरने और छूट का लाभ मिलने की प्रक्रिया शुरू हो गई।

आरटीओ संतोष मालवीय के अनुसार, अब डीलर शासन के नियमानुसार टैक्स अदा कर ग्राहकों को निर्धारित छूट का लाभ दिला सकते हैं। उन्होंने इसे पूरे देश में पहला ऐसा मामला बताया, जहां दो मेलों में एक साथ टैक्स छूट की सुविधा दी जा रही है।

यह है जरूरी नियम- मेला हो या शोरूम, वाहन खरीदते समय बीमा और रोड टैक्स दोनों जमा करना अनिवार्य होता है।

बीमा भरने के बाद अधिकतम 7 दिन में रोड टैक्स जमा करना जरूरी है।

तय समय सीमा में टैक्स नहीं भरने पर 10 प्रतिशत तक पेनाल्टी लग सकती है।

खरीदारों में उत्साह- टैक्स छूट शुरू होते ही मेले में फिर से भीड़ बढ़ गई है। डीलरों का कहना है कि अब बिक्री और तेजी से बढ़ने की उम्मीद है। आयोजकों को भरोसा है कि इस बार वाहन बिक्री का नया कीर्तिमान बनेगा। विक्रमोत्सव मेला अब पूरी रफ्तार में है और टैक्स छूट की सुविधा मिलने से खरीदारों को सीधा फायदा मिल रहा है।

सिंहस्थ-2028 : सुरक्षा का ब्लूप्रिंट तैयार, खास ट्रेनिंग केलिए मैदान में उतरेगी टीमें

दो साल तक चलेगी खास ट्रेनिंग, भीड़ नियंत्रण से लेकर आगजनी तक हर चुनौती से निपटने का अभ्यास

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। धर्मनगरी उज्जैन में होने वाले सिंहस्थ-2028 की तैयारियां अब जमीन पर दिखने लगी हैं। करोड़ों श्रद्धालुओं के आगमन को देखते हुए पुलिस ने सुरक्षा का खास खाका तैयार कर लिया है। इसके तहत 550 जवानों की विशेष टीम बनाई गई है, जो सिंहस्थ के दौरान भीड़ प्रबंधन और आपदा नियंत्रण की कमान संभालेगी।

अगले सप्ताह से इस स्पेशल-550 टीम की ट्रेनिंग उज्जैन में शुरू होगी। इंदौर के अनुभवी अफसर प्रदेशभर से चयनित जवानों को भीड़ नियंत्रण, आगजनी से निपटने और आपात स्थिति में त्वरित निर्णय लेने के गुर सिखाएंगे। यह प्रशिक्षण एक-दो दिन का नहीं, बल्कि अगले दो वर्षों तक अलग-अलग चरणों में चलेगा। इंदौर, भोपाल और उज्जैन के अधिकारी अपने अनुभव भी साझा करेंगे।

कुंभ-सिंहस्थ के अनुभवों से सीखेंगे जवान - ट्रेनिंग सिर्फ सैद्धांतिक नहीं होगी। जवानों को प्रयागराज कुंभ, हरिद्वार कुंभ और नाशिक सिंहस्थ जैसे बड़े आयोजनों के अनुभवों से भी रूबरू कराया जाएगा। पिछले मेलों में जहां-जहां भीड़ का दबाव बढ़ा या अव्यवस्था की स्थिति बनी, उन हालात का अध्ययन कर व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा।

मकसद साफ है। ये 550 जवान अपने-अपने जिलों में मास्टर ट्रेनर बनकर लौटें और वहां की पुलिस टीमों को सिंहस्थ की बारीकियां सिखाएं।

एआई से होगी रियल टाइम मॉनिटरिंग- सिंहस्थ में इस बार तकनीक का भी भरपूर उपयोग होगा। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से यह पता लगाया जाएगा कि किस क्षेत्र में भीड़ का दबाव बढ़ रहा है या कहां ट्रैफिक जाम की स्थिति बन रही है।

त्वरित निर्णय से टलेगी भगदड़- डेटा विश्लेषण के आधार पर मौके पर मौजूद अधिकारी तुरंत फैसले ले सकेंगे। इससे भगदड़ जैसी आशंकाओं को समय रहते रोका जा सकेगा।

राजसी स्नान मैनेजमेंट पर खास फोकस- राजसी और पर्व स्नान के दौरान लाखों श्रद्धालु एक साथ घाटों की ओर बढ़ते हैं। ऐसे में बैरिकेडिंग, रूट डायवर्जन और पंडालों की सुरक्षा का गहन अभ्यास कराया जाएगा।

फायर सेफ्टी पर मॉक ड्रिल- मेलों में आग लगने की घटनाओं को देखते हुए फायर सेफ्टी पर विशेष मॉक ड्रिल होगी। पंडालों में आग लगने की स्थिति में त्वरित कार्रवाई का अभ्यास कराया जाएगा।

रेस्क्यू और ट्रैकिंग सिस्टम- लापता लोगों की पहचान और आपात निकासी के लिए भी जवानों को प्रशिक्षित किया जाएगा। भोजन वितरण केंद्रों पर व्यवस्था बनाए रखने की रणनीति भी सिखाई जाएगी।

रंगपंचमी के बाद शुरू होगी 250-250 के बैच में ट्रेनिंग- उज्जैन में सिंहस्थ ड्यूटी के लिए चयनित 250 पुलिसकर्मियों के पहले बैच की ट्रेनिंग रंगपंचमी के बाद शुरू होगी। प्रशिक्षण पुलिस लाइन, पीटीएस और ग्राउंड पर आयोजित होगा। एसपी प्रदीप शर्मा ने बताया कि पहले यह प्रशिक्षण इसी माह शुरू होना था, लेकिन पुलिस भर्ती, होली और रंगपंचमी के कारण इसे आगे बढ़ाया गया। अब 250-250 के बैच में चरणबद्ध तरीके से ट्रेनिंग दी जाएगी।

शनिवार को किया दौरा, सोमवार से भर्ती- महानंदा नगर स्थित स्पोर्ट्स एरिना में सोमवार से पुलिस भर्ती के शारीरिक दक्षता परीक्षण शुरू होंगे। इसकी जिम्मेदारी 32वीं बटालियन को सौंपी गई है। मैदान तैयार कर लिया गया है। अभ्यर्थियों को दौड़, गोला फेंक सहित अन्य शारीरिक परीक्षणों से गुजरना होगा। कमांडेंट डीआर मीणा ने शनिवार को एरिना का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

सीढ़ियों पर रस्सी बांध इंजीनियर ने लगाई फांसी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। रायसेन का रहने वाला ऋषभ मीणा इंजीनियर था और दो माह पहले वह शहर में चल रहे निर्माण कार्यों में इंजीनियरिंग करने के लिए उज्जैन आया था।उसने केशरबाग कॉलोनी में किराये का मकान लिया था। दो साथियों के साथ रह रहा था। शुक्रवार को वह अपनी साइड पर नहीं गया और दिनभर मकान का दरवाजा भी नहीं खोला। साथियों ने रात में लौटने पर ऋषभ के दिखाई नहीं देने पर उसके कमरे का दरवाजा खटखटाया लेकिन नहीं खुला। शंका होने पर दरवाजे को तोड़ा गया। ऋषभ छत पर जाने वाले रास्ते की सीढ़ियों पर रस्सी के फंदे पर लटका हुआ था। मामले की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई थी। परिजनों को सूचना दी गई है। जिनके आने पर पोस्टमार्टम कराया जाएगा। फिलहाल आत्महत्या की वजह सामने नहीं आ पाई है।